मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	24.7	13.9
जमशेदपुर	23.9	09.0
डालटनगंज	23.4	06.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

* * * * *

www.lagatar.in | बुधवार, 24 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 14, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 1, अंक : 277 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- पश्चिमी चीन में 7.1 तीव्रता का आया भूकंप
- राम मंदिर को लेकर इजराइल में मना जश्न
- नाटो ने 1.2 अरब डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये
- श्रीलंका ने 6 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

नेशनल
- अयोध्या में पहुंचे 8 लाख लोग, अफरा-तफरी
- भ्रष्टाचार केस में गिरफ्तार अधिकारी बिश्नोई निलंबित
- महाराष्ट्र में नाव पलटने से महिला डूबी, पांच लापता
- राजस्थान विधानसभा की कार्रवाई के दौरान हंगामा

स्टेट
- अफसरों का बड़े पैमाने पर होगा तबादला
- झारखंड में भूमि की उत्पादकता घटी
- डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का नहीं हो रहा कार्य
- कोहरा छटते ही बढ़ी कनकनी, गिरा पारा

स्पोर्ट्स
- देर रात नशा करने से बेहोश हो गए थे मैक्सवेल
- किरन जॉर्ज इंडोनेशिया मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में
- अति आक्रामक रवैया नहीं अपनायेंगे : द्रविड
- बैजबॉल से ढेरों विकेट मिल सकते हैं : बुमराह

किसने क्या कहा

- यह शर्मनाक है कि हम नहीं जानते कि नेताजी के साथ क्या हुआ था : **ममता बनर्जी**
- सूर्योदय योजना प्रधानमंत्री का एक और जुमला : **-मल्लिकार्जुन खरगे**
- प्रत्येक रामभक्त भाजपा का समर्थक नहीं : **-शशि थरूर**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,500
चांदी (किलो)	75,000

ब्रीफ खबरें

शेयर बाजार हुआ धड़ाम, करोड़ों स्वाहा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में मंथली एक्सपायरी और बजट से पहले मंगलवार को बड़ी मुनाफावसूली दिखी और बेंचमार्क इंडेक्स धड़ाम हो गए. संसेक्स और निफ्टी मंगलवार की सुबह मजबूत शुरुआत बावजूद गिर कर लाल निशान पर बंद हुए. सेंसेक्स 1,053.10 अंकों यानी 1.47% की गिरावट के साथ 70,370.55 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, निफ्टी 333.00 अंक या 1.54% टूटकर 21,238.80 के स्तर पर बंद हुआ. वैश्विक बाजारों में मजबूती के बावजूद बैंकों, तेल व गैस, एफएमसीजी और मेटल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली से बाजार से धड़ाम हो गया. **पेज 11 भी देखें**

अयोध्या हमारी यादों में अंकित रहेगा: पीएम

नयी दिल्ली। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के एक दिन बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि अयोध्या में हमने जो देखा, वह आने वाले कई वर्षों तक हमारी यादों में अंकित रहेगा. पीएम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिख कर अयोध्या में हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बारे में पूरी जानकारी दी है.

रामलला को देखने उमड़ा भक्तों का हुजूम

अयोध्या। अयोध्या के राममंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के एक दिन बाद मंगलवार को जनता के लिए कपाट खुल गए. मंदिर में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा और उन्हें नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. मंगलवार को करीब 5 लाख लोगों ने रामलला के दर्शन किये. **पेज 12 भी देखें**

सुप में भारत का स्थायी सदस्य न होना बेतुका

न्यूयॉर्क। अरबपति उद्योगपति एलन मस्क ने कहा कि धरती का सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद भारत का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्य न होना बेतुका है और उन्होंने इस विश्व निकाय में बदलाव करने का आह्वान किया है.

रिटायरमेंट से पहले अभियंता प्रमुख ने बदल दिया ट्रेनिंग का फॉरमेट

सिस्टम पर भारी इंजीनियर

अमित सिंह। रांची

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के इंजीनियर सिस्टम पर भारी पड़ रहे हैं. आम जनता को पीने का शुद्ध पानी कैसे मिलेगा? इन विषयों पर काम करने के बजाए, इंजीनियर अपनों के फायदा पहुंचाने का काम कर रहे हैं. 31 दिसंबर 2023 को पेयजल विभाग के अभियंता प्रमुख रघुनंदन शर्मा रिटायर हो. इससे पहले शर्मा ने अपने एक चहेते को फायदा पहुंचाने के लिए केआरसी ट्रेनिंग का फारमेट ही बदल दिया. इस बदलाव की वजह से सरकारी कोष को करोड़ों का नुकसान हो रहा है. वहीं दूसरी तरफ केआरसी ट्रेनिंग में शामिल होने वाले इंजीनियर आमलोगों के पैसों पर ट्रेनिंग के नाम पर होटल में मौज किया और आगे भी करते रहेंगे.

रघुनंदन शर्मा ने अभियंता प्रमुख रहते हुए विभागीय कोष को बढाने के बजाए करीबियों को लाभ पहुंचाने का काम किया. इसी के तहत शर्मा ने केआरसी ट्रेनिंग का स्थान ही बदल दिया. पहले यह टेनिंग कांके स्थित पेयजल विभाग के विश्वस्तरीय सभागार विश्वा में होती थी. ट्रेनिंग में शामिल होने वाले इंजीनियर विश्वा में ही रुकते थे. अब विश्वा के बजाए केआरसी ट्रेनिंग लेबल-टू राजधानी के मेन रोड स्थित एक होटल में आयोजित किया गया. 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक होटल में ट्रेनिंग कार्यक्रम चला.

केंद्रीय एजेंसी करेगी भुगतान: की-रिसोर्स सेन्टर (केआरसी) की स्थापना अप्रैल 2005 में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से की गयी है. रिसोर्स सेन्टर का कार्य राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान के रूप में सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) की रणनीति और राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर विभिन्न हितधारकों के लिए क्षमता संवर्धन कार्यक्रमों का संचालन, शोध इत्यादि किया जाना है. केआरसी ट्रेनिंग पर होने वाला खर्च मंत्रालय वहन करत है. ऐसे में रांची के होटल को मंत्रालय से बिल के एवज में भुगतान होगा.

सरकारी कोष को करोड़ों का नुकसान

सवाल सुनते ही चुप्पी साध ले रहे हैं जिम्मेवार

केआरसी ट्रेनिंग लेबल-2 के लिए पेयजल विभाग विश्वा के बजाए इंजीनियरों के ठहरने, उनके खाने-पीने आदि का सारा भुगतान होटल को करेगा. होटल का चयन किस प्रक्रिया के तहत हुआ? विश्वा के बजाए होटल में विभागीय ट्रेनिंग कार्यक्रम क्यों आयोजित किय गया? इस मसले पर बोलने के लिए कोई तैयार नहीं है. पेयजल विभाग के जिम्मेवार सबकुछ जानते हुए भी खामोश रहने में ही अपना फायदा देख रहे हैं. केआरसी ट्रेनिंग के तहत तीन लेबल में ट्रेनिंग होती है. दूसरे लेबल में मिड मैनेजमेंट स्तर के लोग ट्रेनिंग लेते हैं.

ऐसे समझें कैसे पहुंचाया गया सरकारी कोष को नुकसान

शुभम संदेश ने जब खबर की पड़ताल शुरू की, तो विभागीय जिम्मेवारों ने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है. विभाग का अपना ट्रेनिंग सेंटर है, विश्वा. सभी ट्रेनिंग कार्यक्रम वहीं होते रहे है. संभवत: विश्वा में कुछ काम चल रहा था, इसलिए केआरसी लेबल-टू ट्रेनिंग मेन रोड स्थित होटल में कराया गया. अभियंता प्रमुख के स्तर से ट्रेनिंग से संबंधित निर्णय लिए गए है. ट्रेनिंग के लिए होटल का चयन किस प्रक्रिया से किया गया? इस सवाल का जवाब विभाग के किसी भी जिम्मेवार के पास नहीं है.

होटल को लाखों का भुगतान

केआरसी लेबल-टू की ट्रेनिंग में अबतक कुल 403 इंजीनियर आदि शामिल हो चुके है. छह बैच में तीन दिवसीय ट्रेनिंग का आयोजन हुआ. एक बैच में 50 से 55 लोग शामिल हुए. 10 बैच में कुल 500 लोगें की ट्रेनिंग होनी है. जिस होटल में छह बैच की ट्रेनिंग हुई, उसके एक डबल बेड वाले कमरे का किराया करीब 4500 रुपए है. ब्रेक फास्ट, डिनर और लंच का भुगतान अलग से करना है. 403 लोगों को कुल 200 कमरों में ठहराया गया. तीन दिनों के ठहराव के लिए 200 कमरों का किराया 27 लाख रुपए होता है. इसके अलावा विभाग ने हॉल सहित अन्य मदों में खर्च किए. अबतक कुल खर्च करोड़ों में बताया जा रहा है. अभी चार बैच की और ट्रेनिंग होनी है.

विभागीय एजेंसी को होती है आमदनी

पेयजल विभाग का कांके स्थित विश्वा में कुल 20 कमरे है. डबल बेड के साथ 40 लोगों के ठहरने की बेहतरीन सुविधा है. एक कमरे का किराया 1250 रुपए प्रतिदिन सरकार की ओर से निर्धारित है. वहीं ट्रेनिंग हॉल का किराया 12,500 रुपए है. करीब 1000 रुपए में दिन का नास्ता, दोपहर का भोजन और रात का भोजन शामिल है. केआरसी लेबल-2 की ट्रेनिंग यहां होती, तो विश्वा को लाखों की आमदनी होती. **रघुनंदन शर्मा** के अभियंता प्रमुख की कुर्सी से हटने के बाद पेयजल विभाग वर्तमान में केआरसी लेबल-थ्री की ट्रेनिंग विश्वा में ही आयोजित कर रखा है. इस ट्रेनिंग में प्रदेशभर से लोग शामिल होने के लिए आए है.

दिल्ली के कर्तव्य पथ पर निकलेगी झारखंड की झांकी

75वें गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी अंतिम चरण में है. नयी दिल्ली में होनेवाले मुख्य समारोह के लिए मंगलवार को फुल एंड फाइनल पूर्वाभ्यास किया गया. इसमें झारखंड की झांकी भी नजर आयी. इस बार राष्ट्रीय कार्यक्रम में 16 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों का चयन हुआ है. इस साल झारखंड की झांकी में दुमका में उत्पादित हाई क्वालिटी सिल्क के प्रोडक्शन से संबंधित झांकी प्रदर्शित की जाएगी.

राज्यपाल से मिले नीतीश, बढ़ी हलचल

- सच्चाई सामने आई तो अटकलों पर विराम

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार का मंगलवार को अचानक राजभवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात करने पहुंचना सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया. सीएम ने राज्यपाल से करीब 40 मिनट तक चर्चा की. इस घटनाक्रम को देखते हुए प्रदेश में बड़ा परिवर्तन होने की सियासी कयासबाजी जारी है. हालांकि, अभी तक जदयू, राजद और कांग्रेस जैसी सभी पार्टियों की ओर से यही कहा गया कि महागठबंधन में सबकुछ ठीक है. उधर, जीतनराम मांझी ने इस मुलाकात पर तंज कसते हुए एक्स पर लिखा कि बिहार में खेला होने वाला है. खैर, जो भी हो, नीतीश कुमार के इस तरह अचानक राजभवन पहुंचने को लेकर जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक सीएम विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर चर्चा के लिए राजभवन गए थे. हुआ यह कि नेता जी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर आयोजित राजकीय समारोह में भाग लेने के बाद सीएम सीधे राजभवन पहुंच गए. सीएम के राजभवन पहुंचने की खबर से राजनीतिक गलियारे में तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई. हालांकि बाद में अटकलों की हवा निकल गयी.

गाजा में इजरायल के 21 सैनिकों की मौत

- हम जीत होने तक लड़ते रहेंगे : नेतन्याहू

येरुशलम। इजरायली सेना ने कहा कि मध्य गाजा में एक हमले में उसके 21 सैनिकों की मौत हो गयी है. यह युद्ध शुरू होने के बाद से सेना को पहुंची सबसे बड़ी क्षति है. सेना के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हेगारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सैनिक मध्य गाजा में दो मकानों को ध्वस्त करने के लिए विस्फोटक लगाने की तैयारी कर रहे थे तभी एक आतंकी ने रॉकेट चालित ग्रेनेड दागा. इससे विस्फोटक फट गए और इमारतें धराशायी हो गईं जिसकी वजह से सैनिक मलबे में दब कर मारे गए. इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में सबसे घातक हमले में 21 सैनिकों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि सेना जीत पूरी होने तक लड़ती रहेगी. एक्स पर एक पोस्ट में नेतन्याहू ने कहा, युद्ध की शुरुआत के बाद से सोमवार का दिन सबसे कठिन दिनों में से एक था. उन्होंने कहा कि सेना उस हमले की जांच शुरू करेगी, जिसमें एक आतंकवादी ने एक टैंक पर रॉकेट चालित ग्रेनेड दागा जिससे विस्फोट हुआ और सैनिक विस्फोट के बाद ध्वस्त हुई दो इमारतों के मलबे में दब गए.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खूंटी और सिमडेगा के 7887 लाभुकों को दी अबुआ आवास की पहली किस्त

20 लाख लोगों को अबुआ आवास देगी सरकार

प्रमुख संवाददाता। रांची/खूंटी

सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को खूंटी के तोरपा स्थित एनएचपीसी ग्राउंड में अबुआ आवास योजना के 7887 लाभुकों को आवास निर्माण की पहली किस्त दी. इनमें खूंटी के 3,887 और सिमडेगा जिले के 4000 लाभुक शामिल हैं.

इस मौके पर सीएम ने घोषणा की है कि सरकार 20 लाख लोगों को अबुआ आवास देगी. इससे पहले सरकार ने 8 लाख लाख लोगों को योजना का लाभ देने की योजना बनाई थी. सीएम ने यह भी घोषणा की कि खूंटी और सिमडेगा में 75 हजार अबुआ आवास का निर्माण विभिन्न चरणों में होगा. गरीबों को आवास देने की सूची सरकार ने केंद्र को उपलब्ध करायी थी. **-शेष पेज 08 पर**

आवास निर्माण के लिए 2 लाख

सीएम ने कहा कि अबुआ आवास तीन कमरों और रसोई घर युक्त पक्का आवास होगा. पहले पीएम आवास योजना के तहत दो कमरों का आवास निर्माण किया जाता था, जिसके लिए एक लाख 30 हजार रुपए दिए जाते थे. जबकि हमारी सरकार अबुआ आवास निर्माण के लिए 02 लाख रुपए दे रही है. आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान अबुआ आवास के लिए करीब 30 लाख आवेदन प्राप्त हुए. इन आवेदनों का वेरिफिकेशन किया गया किया गया. वेरिफिकेशन के बाद 20 लाख जरूरतमंदों को विभिन्न चरण में आवास उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है.

रोजगार और स्वरोजगार का मौका

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के कई अवसर उपलब्ध करा रही है. निजी क्षेत्र स्थानीय लोगों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण तय कर दिया है. इसके तहत 50 हजार से अधिक हुनरमंद युवाओं को विभिन्न उद्योगों में रोजगार दिया गया है. दो दिन पहले रांची के ओरमांझी स्थित कुल्ही इंडस्ट्रियल एरिया में चल रहे वस्त्र उद्योग में हजारों युवाओं को रोजगार दिया गया है.

50 वर्ष की उम्र में पेंशन

सीएम ने कहा सरकार गठन के बाद कोरोना ने विकास की रफ्तार रोक दी थी. इससे अर्थव्यवस्था और लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रही. इसके बावजूद सरकार ने यहां के लोगों के जीवन और जीविका दोनों को सुरक्षित किया. आज सभी जरूरतमंद को पेंशन दी जा रहा है. अब एसटी, एससी और सभी वर्ग की महिलाओं की पेंशन की उम्र सीमा को घटा कर 50 वर्ष की जा रही है.

बिहार की बहुत पुरानी मांग भारत सरकार ने की पूरी

जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न

एजेंसी। नयी दिल्ली

बिहार के पूर्व सीएम और समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से नवाजा जाएगा. राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को यह घोषणा की. 'जननायक' के रूप में मशहूर ठाकुर दिसंबर 1970 से जून 1971 तक और दिसंबर 1977 से अप्रैल 79 तक बिहार के सीएम रहे. उनका 17 फरवरी, 1988 को निधन हुआ था. केंद्र सरकार ने कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जयंती से एक दिन पहले यह सम्मान देने का एलान किया है. कर्पूरी पिछड़े वर्गों के हितों की वकालत करने के लिए जाने जाते थे. आम तौर पर केंद्र सरकार गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों और भारत रत्न का एलान करती है. लेकिन इस बार दो दिन पहले ही भारत रत्न के बारे में एलान कर दिया गया है. 24 जनवरी को कर्पूरी ठाकुर की जयंती है. कर्पूरी बिहार से ही थे, उन्हें जननायक के तौर पर जाना जाता है. वह दो बार बिहार के मुख्यमंत्री बने थे. पहली बार वह सोशलिस्ट पार्टी और भारतीय क्रांति दल की सरकार में सीएम बने थे और दूसरी बार जनता पार्टी की सरकार में मुख्यमंत्री बने थे.

बेटे रामनाथ ठाकुर ने जताया आभार

कर्पूरी ठाकुर के पुत्र और जदयू नेता रामनाथ ठाकुर ने कहा कि 36 साल की मेरे पिता की तपस्या का फल अब जाकर मिला है. मैं अपने परिवार और बिहार के 15 करोड़ लोगों की तरफ से भारत सरकार को इसके लिए धन्यवाद देना चाहता हूं. कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग लंबे समय से उठ रही थी. मंगलवार को जदयू नेता केसी त्यागी ने ठाकुर को भारत रत्न देने के साथ-साथ उनके नाम पर विश्वविद्यालय खोलने की मांग की थी. त्यागी ने कहा था कि कोई जननायक यूं ही नहीं बन जाता. कर्पूरी ठाकुर ईमानदारी, सादगी और उच्च राजनीतिक मूल्यों के अनुकरणीय व्यक्तित्व हैं. उनका पूरा जीवन समाज के आखिरी व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने की फिक्र में गुजर गया. जननायक कर्पूरी ठाकुर सादा जीवन उच्च विचार के प्रतीक थे.

पीएम ने एक्स पर जतायी खुशी

पीएम मोदी ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा के बाद एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, मुझे खुशी है कि भारत सरकार ने सामाजिक न्याय के प्रतीक महान जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय लिया है और वह भी ऐसे वक्त में जब हम उनकी जन्मशती मना रहे. यह प्रतिष्ठित सम्मान हाशिए पर मौजूद लोगों के लिए एक विजेता और समानता और सशक्तीकरण के समर्थक के रूप में उनके स्थायी प्रयासों का प्रमाण है.

अच्छी खबर पतरातू में तैयार हो रहे पावर प्लांट के लिए बनहर्दी और टीवीएनएल के लिए राजबार कोल ब्लॉक आवंटित

मदद की जरूरत नहीं, अब अपने ही कोयले से जगमग होगा झारखंड

बनहर्दी 1600 और राजबार कोल ब्लॉक में 500 मिलियन टन कोयला उपलब्ध है

रवि भारती। रांची

झारखंड के दो पावर प्लांटों के लिए भरपूर कोयला है. इन पावर प्लांटों को चलाने में अगले 35 साल तक कोयले की कमी नहीं होगी. बनहर्दी कोल ब्लॉक में अब तक 1600 मिलियन टन कोयला मौजूद होने का अनुमान लगाया गया है. वहीं राजबार कोल ब्लॉक में 500 मिलियन टन कोयला मौजूद है. बनहर्दी कोल ब्लॉक पतरातू में बन रहे 4000 मेगावाट के पावर प्लांट के लिए आवंटित किया गया है. जबकि राजबार कोल ब्लॉक टीवीएनएल को आवंटित किया गया है.

4600 एकड़ में बनहर्दी कोल ब्लॉक

पतरातू प्लांट के लिए आवंटित बनहर्दी कोल ब्लॉक लातेहार के चंदवा में 4600 एकड़ में है. पूरा एरिया 18 वर्ग किलोमीटर में है. इसमें 10 वर्ग किलोमीटर में ड्रिलिंग हो चुकी है. जिसमें 900 मिलियन टन कोयला का अनुमान लगाया गया है. शेष 8 वर्ग किलोमीटर में 600 मिलियन टन कोयला का अनुमान है. हरियाणा की साउथ वेस्ट पिनाकल कंपनी ने इस ब्लॉक की ड्रिलिंग की है.

60 हजार करोड़ का कोयला है मौजूद दो कोल ब्लॉक में

35 साल तक नहीं होगी कोयले की कमी, दो पावर प्लांटों के भरपूर कोयला

क्या है पतरातू पावर प्लांट की फैक्ट फाइल

- पतरातू में 4000 मेगावाट पावर प्लांट बनाने की योजना राज्य सरकार ने 2015 में बनायी
- 2015 में झारखंड बिजली बोर्ड और एनटीपीसी के साथ समझौता हुआ
- योजना के तहत पहले चरण में 2400 मेगावाट का पावर प्लांट बनना है
- दूसरे चरण में 1600 मेगावाट पावर प्लांट बनाया जाना है
- पहले चरण का उत्पादन साल 2019 में शुरू होना था, लेकिन अब पहले चरण में 800 मेगावाट उत्पादन शुरू होगा

टीवीएनएल के लिए राजबार कोल ब्लॉक

टीवीएनएल को राजबार कोल ब्लॉक मिला था. इसमें 500 मिलियन टन कोयले का अनुमान लगाया गया है. इसका माइनिंग प्लान भी केंद्र को भेज दिया गया है. बताते चलें कि टीवीएनएल में विस्तारीकरण की तरह 660 मेगावाट की दो यूनिटें लगाई जानी हैं. टीवीएनएल के विस्तारीकरण को कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है.

हर साल 10 मिलियन टन कोयला का लक्ष्य

बनहर्दी कोल ब्लॉक से हर साल 10 मिलियन टन कोयला निकालने का लक्ष्य रखा गया है. इस हिसाब से हिसाब से 35 साल में 350 मिलियन टन कोयला निकाला जाएगा. बनहर्दी और राजबार कोल ब्लॉक में मौजूद कोयले की कीमत लगभग 60 हजार करोड़ रुपए आंकी गई है.

पतरातू प्लांट पर पीएमओ की नजर

पतरातू में एनटीपीसी द्वारा बनाए जा रहे पावर प्लांट पर पीएमओ की नजर है. इस साल मई तक इस पावर प्लांट से बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा. इसको लेकर खुद प्रधानमंत्री राज्य के मुख्य सचिव, ऊर्जा सचिव सहित बिजली कंपनी के अफसरों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बात कर चुके हैं. पीएमओ हर हाल में 2024 के पहले पतरातू पावर प्लांट से बिजली उत्पादन शुरू कराना चाहता है.

राम मंदिर के नाम पर लहर नहीं: राहुल गांधी

एजेंसी। डोमडोमा (असम)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत न्याय जोड़ो यात्रा इन दिनों असम में है. असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा और राहुल गांधी में जुबानी जंग छिड़ी हुई है. दोनों नेता एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे. वैचारिक टैग के साथ शुरू हुई इस यात्रा पर सियासी रंग भी चढ़ने लगा है.

राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि राम मंदिर के नाम पर लहर नहीं है तथा अयोध्या में सोमवार को जो हुआ वह एक राजनीतिक कार्यक्रम था, जिसमें पीएम मोदी ने शो किया. उन्होंने यह भी कहा, असम में उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अवरोध पैदा करने का जितना प्रयास हो रहा है उससे उनकी यात्रा को प्रचार मिल रहा है. **-शेष पेज 08 पर**

मुख्यमंत्री ने राहुल पर केस दर्ज करने को कहा

असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को राज्य के डीजीपी को अवरोधक तोड़ने के लिए भीड़ को उकसाने को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज करने का निर्देश दिया और कांग्रेस समर्थकों के इस कृत्य को नक्सली कार्रवाई बताया. युवा कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के एक पोस्ट के जवाब में सीएम ने एक्स पर कहा, मैंने असम डीजीपी को भीड़ को उकसाने के लिए आपके नेता राहुल गांधी के खिलाफ का मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है. शर्मा ने कहा कि जिस फुटेज को श्रीनिवास ने अपने अकाउंट पर पोस्ट किया है उसे साक्ष्य के लिए इस्तेमाल किया जाएगा.

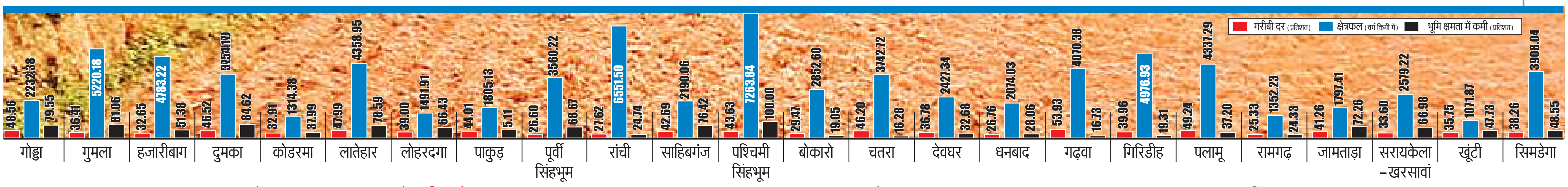

नीति आयोग की रिपोर्ट में खुलासा : पश्चिम सिंहभूम में 100 फीसदी भूमि की उर्वरा शक्ति घटी

झारखंड में भूमि की उत्पादकता में आयी गिरावट, गरीबी भी बढ़ी

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में भूमि की उत्पादकता लगातार घटती ही जा रही है. इसका खुलासा नीति आयोग की रिपोर्ट में हुआ है. रिपोर्ट की मानें तो राज्य के सभी जिलों में भूमि की उत्पादकता 100 से 16 फीसदी तक घट गयी है. पश्चिमी सिंहभूम में भूमि की उर्वरा शक्ति सबसे अधिक 100 फीसदी कम हुई है. भूमि की उर्वरा शक्ति कम होने के कारण झारखंड में गरीबी का प्रतिशत भी बढ़ा है. नीति आयोग की रिर्पोट के अनुसार, झारखंड में 42.10 लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं.

भूमि की उर्वरा शक्ति घटने का गोड्डा में सबसे ज्यादा असर

भूमि की उर्वरा शक्ति घटने का गोड्डा में सबसे ज्यादा असर पड़ा है. भूमि की उत्पादकता घटने के कारण यहां गरीबी दर 48.56 फीसदी हो गयी है. वहीं पश्चिमी सिंहभूम की भूमि की उर्वरा शक्ति में 100 फीसदी तक की कमी आयी है. यहां 43.63 फीसदी लोग गरीबी है. वहीं गुमला में भूमि की उर्वरा शक्ति में 81.06 और दुमका में 84.62 फीसदी की कमी हुई है. वहीं बोकारो, चतरा और गढ़वा के भूमि की ऊर्वरा शक्ति में सबसे कम घटी है.

पैदावार में भूमि क्षमता का मानक विचलन चार से 10 फीसदी तक

चिंताजनक: पानी कटाव से नष्ट हुई सूबे की 65% मिट्टी

खास बातें

- जलवायु की उपयुक्तता का पांच से 15% हुआ विचलन
- 54987 .26 वर्ग किलोमीटर भूमि हो गई है बंजर

रवि भारती। रांची

झारखंड राज्य की कुल भौगोलिक भूमि का 65.00 फीसदी पानी के कटाव के कारण मिट्टी की क्षति हुई है. मिट्टी की उर्वरता में गिरावट तब होती है जब पानी के कटाव के कारण मिट्टी से पोषक तत्वों की मात्रा कम हो जाती है और पौधों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. झारखंड में 54987.26 वर्ग किलोमीटर भूमि बंजर हो गई है. इसकी अम्लीयता समाप्त करने के लिए तीन से चार क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष डोलामाइट की जरूरत होगी. इसका खुलासा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अहमदाबाद को अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) ने एटलस के जरिए किया है. झारखंड में सबसे अधिक गिरिडीह जिले में 358183 हेक्टेयर भूमि बंजर की चपेट में है.

19 फीसदी जलवायु की उपयुक्तता में हुआ विचलन : राज्य के सभी जिलों में जलवायु की उपयुक्तता में 19 फीसदी का विचलन हुआ है. पहले जलवायु की उपयुक्तता 60 फीसदी से अधिक थी, जो अब घटकर 41 फीसदी हो गई है. सबसे अधिक जलवायु उपयुक्तता सिमडेगा जिले में 82.32 फीसदी है. इसके बाद पाकुड़ में 80.31 फीसदी, पूर्वी सिंहभूम 79.97 फीसदी, दुमका में 73.05 फीसदी, सरायकेला-खरसावां में 71.37 फीसदी, जामताड़ा में 70.36 फीसदी, पश्चिमी सिंहभूम में 68.41 फीसदी और साहिबगंज में 61.65 फीसदी पाई गई है.

अब कृषि विभाग बंजर भूमि पर कांटा रहित कैक्टस के पौधे लगाने की योजना पर कार्य कर रहा है. यह पशु चारा के साथ वेगन लेदर निर्माण में भी काम आएगा. फसलों के पैदावार में भूमि का क्षमता का मानक विचलन चार से 10 फीसदी तक हो चुका है. जलवायु की उपयुक्तता का पांच से 15 फीसदी तक विचलन हुआ है.

कृषि वानिकी के लिए कितना मानक विचलन

जिला कृषि वानिकी के लिए मानक

विचलन	(प्रतिशत)
सिमडेगा	9.13
पाकुड़	5.44
पूर्वी सिंहभूम	5.02
दुमका	7.92
सरायकेला-खरसावां	4.84
जामताड़ा	5.44
पश्चिमी सिंहभूम	6.69
साहिबगंज	6.33
गोड्डा	5.22
देवघर	4.90
धनबाद	3.82
खूंटी	5.10
बोकारो	6.40
रामगढ़	4.75
रांची	6.92
गुमला	15.97
गिरिडीह	8.71
पलामू	3.60
लातेहार	9.70
चतरा	5.95
लोहरदगा	8.29
गढ़वा	4.17
हजारीबाग	8.27
कोडरमा	4.08

कृषि वानिकी के लिए भूमि क्षमता का कितना हुआ विचलन

भूमि क्षमता का मानक विचलन (प्रतिशत)

गोड्डा	4.16
गुमला	9.31
हजारीबाग	7.60
दुमका	8.35
कोडरमा	5.84
लातेहार	10.15
लोहरदगा	5.80
पाकुड़	4.07
पूर्वी सिंहभूम	3.53
रांची	7.73
साहिबगंज	5.02
पश्चिमी सिंहभूम	8.34
बोकारो	3.99
चतरा	9.05

कितना हुआ है जलवायु की उपयुक्तता का मानक विचलन

जिला जलवायु उपयुक्तता का मानक

विचलन	(प्रतिशत)
सिमडेगा	9.13
पाकुर	5.44
पूर्वी सिंहभूम	5.02
दुमका	7.92
सरायकेला-खरसावां	4.84
जामताड़ा	5.44
पश्चिमी सिंहभूम	6.69
साहिबगंज	6.33
गोड्डा	5.22
देवघर	4.90
धनबाद	3.82
खूंटी	5.10
बोकारो	6.40
रामगढ़	4.75
रांची	6.92
गुमला	15.97
गिरिडीह	8.71
पलामू	3.60
लातेहार	9.70
चतरा	5.95
लोहरदगा	8.29
गढ़वा	4.17
हजारीबाग	8.27
कोडरमा	4.08

भूमि की सामाजिक-आर्थिक उपयुक्तता का प्रतिशत

जिला कृषि वानिकी के लिए भूमि की उपयुक्तता (प्रतिशत)

सिमडेगा	7.03
गुमला	4.28
पश्चिमी सिंहभूम	10.39
लोहरदगा	4.45
खूंटी	5.88
लातेहार	9.10
पाकुड़	4.71
दुमका	8.41
गढ़वा	4.82
गोड्डा	4.38
साहिबगंज	4.05
पलामू	5.47
जामताड़ा	11.86
रांची	13.07
सरायकेला-खरसावां	7.64
चतरा	8.18
देवघर	7.93
पूर्वी सिंहभूम	7.02
गिरिडीह	5.03
रामगढ़	5.67
हजारीबाग	7.53
धनबाद	8.76
बोकारो	2.53
कोडरमा	1.97

लोकसभा चुनाव को लेकर सभी एसपी को मिले निर्देश

संवाददाता। रांची

आगामी लोकसभा चुनाव को झारखंड पुलिस अपनी तैयारी में जुट गई हैं. इसे लेकर पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को निर्देश जारी किया है. जारी निर्देश में कहा गया है कि चुनाव संबंधित प्रशिक्षण के लिए अपने जवानों को तैयार रखें. प्रशिक्षण संबंधित आदेश-निर्देश और एसओपी की कॉपी भी सभी जिलों को भेजी गई है.

मैनुअल प्रशिक्षण पर जोर : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने निर्देश में कहा है कि लोकसभा चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में कराया जाना है. इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली से बल प्रतिनियुक्ति को ले जारी मैनुअल के तहत ही प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है.

भ्रष्टाचार में डूबे सोरेन परिवार की जगह होटवार जेल में: मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सोरेन परिवार और इंडी गठबंधन के दलों पर जमकर हमला किया. कहा कि कांग्रेस, झामुमो, राजद का भ्रष्टाचार से पुराना नाता है. ये भ्रष्टाचार भी करते हैं और सजा से बचने के लिए तरह-तरह की तिकड़म भी करते हैं. ये भाजपा पर आरोप लगाते हैं, लेकिन जांच से भागते हैं. बाबूलाल ने कहा कि सोरेन परिवार की चल-अचल संपत्ति मामले में लोकपाल में दर्ज मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है. यह भ्रष्टाचारियों के लिए एक बड़ा सबक है. सोरेन परिवार कहती है कि उन्होंने भ्रष्टाचार नहीं किया है. अगर भ्रष्टाचार नहीं किया है तो फिर जांच एजेंसियों से क्यों भागते हैं. जांच रुकवाने के लिए क्यों हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दौड़ते हैं. बाबूलाल ने कहा कि भाजपा का भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा. जबतक भ्रष्टाचारियों को सजा नहीं मिलती भाजपा चैन से नहीं बैठेगी.

बाबूलाल ने सीआरपीएफ अधिकारी पर धारा 144 के उल्लंघन मामले को लेकर सीएम हेमंत सोरेन को घेरा. कहा कि ईडी सीएम से पूछताछ करने सीएम हाउस गई थी. वहां झामुमो के कार्यकर्ता तीर-धनुष लेकर पहुंचे थे. सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान तो वहां ईडी अफसरों की सुरक्षा के लिए गये थे. जब सीएम हाउस के आसपास धारा 144 लगा था तो झामुमो के कार्यकर्ता हथियार लेकर वहां क्या कर रहे थे. इतना ही नहीं सीएम ने भी ईडी की पूछताछ के बाद कार की बोनट पर खड़े होकर लोगों को संबोधित किया. धारा 144 उल्लंघन तो सीएम ने किया आखिर उनपर एफआईआर क्यों नहीं हो. सीएम लाख हथकंडा अपना लें, बच नहीं सकते.

राज्य सेवा के अफसरों का बड़े पैमाने पर होगा तबादला

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार बड़े पैमाने पर आइएएस अफसरों के साथ राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों के तबादले की तैयारी कर रही है. इस पर मंथन भी किया जा रहा है. निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में तबादले का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है. अभी हाल में ही राज्य सरकार ने आठ आइएएस अफसरों को इधर से इधर किया. जानकारी के अनुसार पथ निर्माण विभाग, कृषि विभाग, स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव भी बदले जा सकते हैं.

बदले जाएंगे कई जिलों के डीसी : निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार कई जिलों के डीसी के भी बदले जाने की तैयार चल रही है. इसकी सूची भी तैयार की जा रही है. जानकारी के अनुसार चतरा, गढ़वा, साहिबगंज, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, सिमडेगा, पलामू, गोड्डा, पाकुड़ और लोहरदगा जिले के डीसी को इधर से उधर किया जा सकता है.

राज्यसेवा के अफसर भी होंगे इधर से इधर

राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों का भी तबादला जल्द होगा. इसका भी प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है. इसमें कई विभागों में डिप्टी सेक्रेटरी के पद में पदस्थापित अफसरों को बदला जाएगा. वहीं काफी संख्या में बीडीओ और सीओ का भी तबादला होगा. इसमें तीन साल से अधिक समय से जमे अफसरों को पहले बदला जाएगा. हाल ही में ग्रामीण विकास विभाग ने 25 बीडीओ की ट्रांसफर –पोस्टिंग की थी. अब सरकार की सहमति के बाद इसका आदेश जारी किया जाएगा.

CLASSIFIED

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | बुधवार, 24 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 14, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 277 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

महुदा में युवक की हत्या कर शव खेत में फेंक दिया

महुदा । सोमवार की देर रात मोदीडीह (अंधारी) निवासी मोहन नापित उम्र 30 वर्ष की हत्या कर शव को महुदा मोड़ दास टोला के पीछे खेत फेंक दिया गया . मंगलवार की अहले सुबह खेत में क्षत-विक्षत अवस्था में शव मिलने पर इलाके में सनसनी फ़ैल गई. स्थानीय लोगों ने इसकी खबर पूर्व मुखिया धनेश्वर महतो को दी. पूर्व मुखिया की सूचना पर महुदा प्रभारी योगेश कुमार महतो एवं इंस्पेक्टर अलविनुस इंदवार सदलबल के साथ मौके पर पहुंच कर शव का मुआयना किया. मृतक के माथे को किसी धारदार हथियार से मारकर क्षत विक्षत कर दिया गया था. आसपास के क्षेत्र की पड़ताल करने पर शराब का बोतल व ग्लास पाया गया. वहीं सड़क किनारे मृतक की मोटरसाइकिल बरामद हुई. उसी बाइक के नम्बर से मृतक की पहचान हो सकी. कयास लगाया जा रहा है कि हत्यारों ने पहले घटनास्थल पर शराब की पार्टी की उसके बाद वारदात को अंजाम दिया गया.

कोर्ट के आदेशपाल ने पंखे से झूल कर आत्महत्या कर ली

धनबाद। धनबाद सिविल कोर्ट के आदेशपाल मुकेश कुमार मिश्रा (34 वर्ष) ने भिस्तीपाड़ा काली मंदिर के पास स्थित किराए के मकान में सोमवार को पंखे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. वह पिछले करीब पांच साल से उक्त मकान में भाड़े पर रह रहा था. खबर फैलते ही वहां लोगों की भीड़ जुट गई. सदर थाना प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की. पुलिस को उनकी जेब व पर्स से कुछ कागजात मिले हैं, जिसके अनुसार वह बिहार के मधुबनी के रहने वाले थे. थाना प्रभारी ने बताया कि मुकेश कुमार मिश्रा पिछले दो दिनों से ऑफिस नहीं जा रहे थे. घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है. सूचना मिलते ही सिविल कोर्ट के भी कई कर्मी मौके पर पहुंचे. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में रख लिया है.

कोहरा छंटते ही बढ़ी कनकनी, गिरा पारा

आज कहीं-कहीं बारिश के आसार

झारखंड में कोहरा छंटते ही पारा गिर चुका है और कनकनी बढ़ गई है. बुधवार को राज्य के दक्षिणी एवं निकटवर्ती मध्य भाग में रांची समेत 9 जिलों (धनबाद, बोकारो, रामगढ़, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसांवां) में कहीं कहीं हल्के दर्जे की वर्षा होने की संभावना है. इस दौरान सुबह में कोहरा के बाद में आंशिक बादल छाये रहेंगे, मौसम शुष्क रहेगा. राज्य के दक्षिण एवं निकटवर्ती मध्य क्षेत्र में अगले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी. अगले 3 दिनों में राज्य के शेष भागों में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. इसके बाद अगले 2-3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है. पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा जबकि उत्तरी एवं दक्षिणी भाग में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा देखा गया.

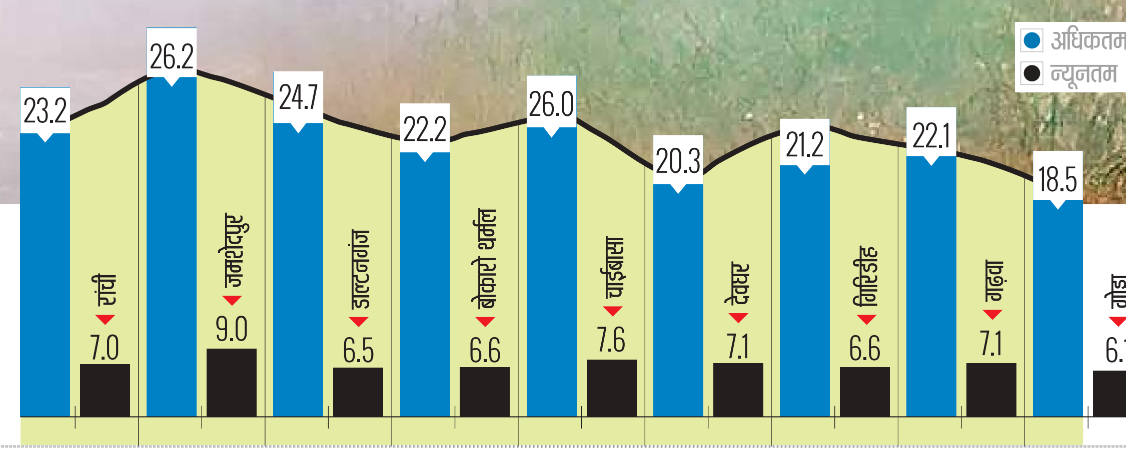

गांजे के नशे की चपेट में धनबाद के युवा, 20 रु. में मिलती है गांजे से भरी एक सिगरेट

ओडिशा के गांजे से 'उड़ता धनबाद'

रिजवान शम्स।धनबाद

धनबाद शहर व आसपास के इलाकों में गांजे का नशा खूब चल रहा है. छोटे नशेड़ियों से लेकर बड़े-बड़े कॉलेज के बच्चे,आइटी सेक्टर के युवा भी गांजे का प्रयोग खुलेआम कर रहे. चौक-चौराहों और चिन्हित स्थानों पर गांजे की पुड़िया और सिगरेट आसानी से उपलब्ध हैं. नशे का यह सामान ओडिशा से यहां पहुंच रहा है. ये खुलासा पकड़े गए गांजा पेडलरों से हुआ. फिलहाल तक ओडिशा के गांजा सप्लायर पुलिस की पकड़ से दूर हैं.

संबलपुर से आता है गांजा : धनबाद आरपीएफ ने 21 दिसंबर 2023 को 11 किलो गांजा बरामद किया था, भोजपुर के दो युवक पकड़े गए थे. खुलासा किया था कि ओडिशा के संबलपुर इलाके से गांजा लेकर आए थे. वहीं आरपीएफ की टीम ने मध्यप्रदेश की एक महिला और दो युवकों को अगस्त 2023 में 42 किलो गांजा के साथ धनबाद स्टेशन में गिरफ्तार किया था. इन्होंने भी गांजा ओडिशा से ही लाने की बात पुलिस के समक्ष कबूली थी. इसके अलावा बीते वर्ष धनबाद में पकड़े गए कई मामलों में ओडिशा से गांजा लाकर बेचे जाने का खुलासा हो चुका है. ओडिशा के रायगड़ा जिला के चंद्रपूर, काशीपुर नक्सल प्रभावित पहाड़ी क्षेत्रों में गांजे की फसल उगाई जाती है. पूर्व में धनबाद में मधुबनी और कैमूर से गांजा पहुंचता था, लेकिन अब यहां के तस्करों की सक्रियता कम हुई है और ओडिशा के गांजा तस्कर सक्रिय हैं.

चौक-चौराहे के गुमटी व ठेलों में बिकती है पुड़िया

सांकेतिक तस्वीर.

आइटी सेक्टर में नशा नहीं फैशन

एक दशक पूर्व तक गांजा कुछ खास लोगों का नशा था, लेकिन इस दशक में गांजे के नशे ने विकराल चेहरा दिखा दिया है .अब मुहल्ले के नशेड़ियों से लेकर बड़े-बड़े शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले कुछ बच्चे भी इसका उपयोग कर रहे हैं. इसका सबसे कारण ये है कि गांजा हर जगह पर आसानी से उपलब्ध हो जाता है. बीस रुपये में एक सिगरेट ली और किसी कोने में खड़े होकर कस लगा ली. इसके बाद कोई नहीं बोल सकता कि नशा किया गया है या नहीं. आइटी सेक्टर के काफी युवा तो कब के इसके आदि हो चुके हैं. ऐसे में इस नशे की लत से धनबाद का कोना-कोना बुरी तरह गिरफ्त में आ चुका है.

हर इलाके में उपलब्ध है गांजा

जिले के कई इलाके में गांजा का कारोबार फल-फूल रहा है. झरिया के कतरास मोड़, उपर कुल्ही सिंदरी रोड, चिल्ड्रेन पार्क रोड, लोदना, धनुडीह, धनबाद के स्टीलगेट, धनसार, केंदुआ, कतरास कतरी नदी रोड, बरवाअड्डा, निरसा आदि स्थानों में गांजे की बिक्री होती है. कतिपय खाकीधारी भी गांजा के कारोबार में बंधी-बधाई रकम वसूलते हैं. जरूरत पड़ने पर छापेमारी भी होती है. हीरापुर हरि मंदिर रोड इलाके में युवाओं की पूरी टोली ही नशे में देखी जा सकती है. प्रतिदिन इन युवाओं का वहां पर जमावड़ा लगता है.

कोर्ट में एनडीपीएस के 59 मुकदमे लंबित

धनबाद कोर्ट में फिलहाल एनडीपीएस एक्ट के 59 मुकदमे लंबित चल रहे हैं. इन मामलों में कोर्ट की कार्रवाई जारी है. जबकि बीते वर्ष छह मुकदमे दर्ज किए गए थे. इनमें दो मुकदमे बड़ी रिकवरी के थे, जो आरपीएफ की तरफ से पकड़े गए थे जबकि चार मुकदमे जिला पुलिस के थे. कुल छह मुकदमे दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष एनडीपीएस के दर्ज छह मुकदमों में पांच में चार्जशीट सौंपी जा चुकी है.

साल में एक मात्र आरोपी को सजा

4 जनवरी 2016 को जीटी रोड के बरवाअड्डा पुलिस ने एक सफारी वाहन को पकड़कर करीब एक सौ किलो गांजा बरामद करने में कामयाबी पाई थी. इस मामले में मधुबनी निवासी धर्मेंद्र यादव को 12 साल की सजा हुई, धनबाद कोर्ट ने नौ अक्टूबर 2023 को ये सजा मुकर्र की थी. इसके बाद से फिलाहल तक कोई भी मुकदमा सजा तक नहीं पहुंच पाया है.

निशा हत्याकांड

ब्रांच मैनेजर पर केस दर्ज

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के बैंकमोड़ श्रीराम प्लाजा स्थित टाटा म्युचुअल फंड की पूर्व कर्मचारी निशा कुमारी की हत्या के मामले में पुलिस ने संस्थान के ब्रांच मैनेजर नीरज आनंद के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है. मनईटांड़ की रहने वाली निशा कुमारी का शव बंद कार्यालय से बरामद किया गया था. निशा के पिता दीपक भगत के बयान पर दर्ज प्राथमिकी में पिता कहा है कि ब्रांच मैनेजर उनकी बेटी निशा की शादी से नाराज था, इसी कारण उसने कार्यालय बुला कर उसकी हत्या कर दी. इधर, आरोपी ब्रांच मैनेजर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है.

ज्ञात हो कि सोमवार को बैंकमोड़ श्रीराम प्लाजा स्थित संस्थान के बंद कार्यालय में निशा की लाश मिली थी. निशा पहले उक्त कंपनी में कर्यरत थी. दिसंबर 2023 में शादी से दो माह पहले उसने कंपनी छोड़ दी थी. पिता ने बताया कि उसने बेटी को रविवार को बैंकमोड़ छोड़ा था, वो अपने दोस्त के लिए गिफ्ट खरीदने के लिए आई थी. देर शाम तक उसके मोबाइल पर संपर्क नहीं होने पर थाने में सूचना दी गई. दूसरे दिन उसकी लाश बंद कार्यालय में मिली थी. तब से ब्रांच मैनेजर फरार है. पोस्टमार्टम में निशा पर चाकू से वार करने की बात सामने आई थी.

फाइनेंशियल प्रतिष्ठान व बड़े व्यपारियों के संपर्क में रहेंगे थानेदार : धनबाद के एसएसपी एचपी जर्नादन ने जिले के सभी प्रमुख थानेदारों को पब्लिक से रिश्ता ठीक करने की दिशा में नई जिम्मेवारी दी है. थानेदारों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने इलाके से सभी बड़े कारोबारियों, बैंकर समेत अन्य फाइनेंशियल प्रतिष्ठानों से संपर्क बना कर रखें, ताकि उन्हें कोई दिक्कत हो तो तत्काल पुलिस से बिना किसी संशय के बात कर सकें. एसएसपी के निर्देश पर थानेदारों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के बैंक पदाधिकारी, मॉल संचालक व प्रबंधक, मार्केट ऑनर, फाइनेंशियल प्रतिष्ठान, बड़े कारोबारी आदि का नाम, पता और मोबाइल नंबर लिया जा रहा है.

टाइगर जवानों को इसके लिए ड्यूटी पर लगाया गया है, जो शहर में भ्रमण कर थानेदारों को रिपोर्ट कर रहे हैं. नाम-पता मिलने के बाद खुद थानेदार इन लोगों से संपर्क कर जनता का विश्वास जीतने का काम करेंगे. बताते चलें कि एसएसपी ने पुलिस और पब्लिक के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने की लगातार कई कवायद की हैं. एसएसपी ने इससे पूर्व विजिटर डायरी, शिकायतपेटी, जनसहयोग समिति, शांति समिति कई तरह की नीति बनाकर पब्लिक के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने की कोशिश की है. थानेदारों को भी बेहतर पुलिसिंग करने की बात कही है.

अयोध्या पहुंचेंगे हर साल 10 करोड़ भक्त

शुभम संदेश नेटवर्क

- रामलला तोड़ेंगे मक्का और वेटिकन का भी रिकॉर्ड
- काशी विश्वनाथ दर्शन का भी टूट जाएगा रिकॉर्ड

अयोध्या में रामलला के विराजमान होने के साथ ही 500 सालों का इंतजार खत्म हो गया. अब अयोध्या में भक्तों का सैलाब उमड़ रहा. अनुमान है कि एक साल में राम मंदिर आने वालों की संख्या 10 करोड़ तक हो जाएगी, जो दुनिया के किसी भी धार्मिक स्थल से ज्यादा होगी. मक्का में सालाना 2 करोड़ लोग ही जाते हैं, जबकि वेटिकन पहुंचने वालों का आंकड़ा 90 लाख ही है. इस लिहाज से देखें तो रामलला का दर्शन इन सभी से बहुत आगे होगा.

इसके अलावा भारत में ही काशी के विश्वनाथ, अमृतसर के पवित्र स्वर्ण मंदिर, दक्षिण में तिरुपति मंदिर और वैष्णो देवी धाम से भी कहीं ज्यादा लोगों के राम मंदिर आने की उम्मीद है. काशी विश्वनाथ में बीते दो सालों को मिला कर देखें तो 13 करोड़ लोग पहुंचे, जो बड़ा आंकड़ा है. अब उससे भी आगे राम मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लग सकता है. यही नहीं इससे यूपी सरकार के राजस्व में भी बड़े उछाल की उम्मीद है. एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के चलते यूपी सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 25 हजार करोड़ रुपए का राजस्व मिल सकता है.

आंकड़ों के मुताबिक आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर में हर साल 2.5 करोड़ लोग जाते हैं. भगवान वेंकटेश्वर के इस पवित्र मंदिर की दुनिया भर में मान्यता है और बड़े पैमाने पर लोग दान भी करते हैं. वहीं वैष्णोदेवी में साल भर में करीब 90 लाख लोग जाते हैं. इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल मक्का जाने वाले लोगों की संख्या सालाना 2 करोड़ तक है. यहां की मस्जिद और काबा के लिए दुनिया भर से लोग पहुंचते हैं.

रचा इतिहास : 61वें वार्षिक मेटलिफरस खान सुरक्षा सप्ताह में सेल की किरीबुरु खदान को मिले 7 पुरस्कार

टीम भावना से किरीबुरु खदान को मिली सफलताः सीजीएम

शैलेश सिंह ।किरीबुरु

खान सुरक्षा निदेशालय, चाईबासा रीजन के निर्देशानुसार 61वां वार्षिक मेटलिफरस खान सुरक्षा सप्ताह के फाइनल समारोह में सेल की किरीबुरु खदान प्रबंधन ने 7 पुरस्कार जीत कर इतिहास रचा है. उक्त समारोह रांची के बीएनआर चाणक्य होटल में हिंडाल्को के प्रायोजन में हुआ था.

इस समारोह में किरीबुरु खदान को पब्लिसिटी एवं प्रोपगंडा, वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, स्टेचरी मैन पावर में प्रथम स्थान मिला. वहीं एसओपी एंड एसएमपी, डस्ट कन्ट्रोल एंड ओएचएस, स्वच्छता मिशन, प्लांट ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस, एचसीएमएम ओपेन एंड मेंटेनेंस, कन्ट्रेक्चुअल औपरेशन (मेसर्स बिकेश पांडेय) आदि में द्वितीय पुरस्कार समेत कुल 7 पुरस्कार मिला. प्राप्त सभी पुरस्कारों को मंगलवार को किरीबुरु स्थित जेनरल ऑफिस प्रांगण में सीजीएम कमलेश राय की मौजूदगी में खदान के अधिकारियों व सेलकर्मियों के सामने प्रदर्शित और साझा किया गया. किरीबुरु के सीजीएम कमलेश राय ने कहा कि इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे टीम भावना का अहम योगदान रहा. खदान के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, सेलकर्मी, ठेका मजदूर, ठेकेदार, तमाम मजदूर संगठन एवं शहर की तमाम जनता व महिलाओं की पूरा सहयोग की वजह से यह सफलता मिली है. ऐसी टीम भावना से आगे भी हम सफलता की नयी ऊंचाई प्राप्त करते रहेंगे. इस दौरान सीजीएम कमलेश राय, महाप्रबंधक नवीन कुमार सोनकुशरे, महाप्रबंधक सुकरा हो, महाप्रबंधक एसएस सिद्धा, महाप्रबंधक एसआर स्वांय, महाप्रबंधक डीबी जयकर, उपमहाप्रबंधक अमित कुमार विश्वास, रथिन विश्वास, प्रवीण कुमार, सुरक्षा अधिकारी पीबी साहू, गणेश सिंह, रमेश सिन्हा आदि अधिकारी मौजूद थे.

खास बातें

- सफलता के पीछे टीम भावना का अहम योगदान रहा है
- खदान को वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में भी प्रथम स्थान मिला

उपलब्धि | लगातार 48 घंटे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का संचालन कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया नाम

संत जेवियर्स स्कूल डोरंडा के शिक्षक संतोष कुमार ने रचा इतिहास

पियूष गौतम। रांची

संत जेवियर्स स्कूल, डोरंडा के कंप्यूटर साइंस के शिक्षक संतोष कुमार ने लगातार 48 घंटे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का सफलतापूर्वक संचालन कर इतिहास रच दिया है. इस उपलब्धि के साथ ही उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हो गया है.

इस सफल आयोजन के बाद स्कूल के चेयरमैन फादर अजीत कुमार ने शिक्षक संतोष कुमार को एक ग्लास जूस पिलाने के साथ गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया. वहीं वाइस प्रिंसिपल फादर रविभूषण ने आधिकारिक तौर पर रिकॉर्ड के सबसे लंबे प्रोग्रामिंग सत्र के समाप्ति की घोषणा की.

मैं कर सकता हूं और मैं करूंगा ने लक्ष्य हासिल करने को प्रेरित किया

13 सत्र, हर सत्र में 25-30 बच्चों को जावा प्रोग्रामिंग सिखाया

बता दें कि इससे पहले सबसे लंबी अवधि का कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का रिकार्ड 24 घंटे का रहा है, जिसे तोड़ने की चुनौती खुद ही विद्यालय के प्लस टू को-ऑर्डिनेटर व कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष संतोष कुमार ने स्वीकार की थी. 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों को अलग-अलग बैच में विभाजित कर प्रोग्रामिंग सत्र का आयोजन किया गया था. हर बैच की अवधि चार घंटे की थी. वहीं कुल 13 सत्र आयोजित किए गये. प्रत्येक सत्र में 25 से 30 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें उन्हें जावा प्रोग्रामिंग सिखाया गया.

48 घंटे के लंबे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का संचालन कर इतिहास रचने वाले कंप्यूटर साइंस के शिक्षक संतोष कुमार ने उल्लेखनीय लक्ष्य हासिल करने और पूर्व के 24 घंटे के अधिकतम रिकॉर्ड को तोड़ने के बाद अपने अनुभव साझा किये. उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय स्कूल के चेयरमैन फादर अजीत कुमार को देते हुए कहा कि उनके समर्थन और मार्गदर्शन के कारण उन्होंने यह सफलता हासिल की. उन्होंने कहा कि फादर अजीत द्वारा बताये गये जीवन के आदर्श वाक्य, "मैं कर सकता हूं और मैं करूंगा" ने उन्हें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपनी पत्नी, बेटे और माता-पिता को भी दिया. वहीं मौके पर उपस्थित जीडब्ल्यूआर टीम को संतोष कुमार द्वारा सम्मानित किया गया, जिनमें अभिषेक गुप्ता, नितेश, ताज, रत्ना भूषण, गौरव, विजय भगत, जॉयदीप शामिल हैं.

21 की सुबह 9 बजे सत्र की शुरुआत, 23 की सुबह 9.23 बजे समापन : इससे पहले 21 की सुबह 9 बजे से सत्र की शुरुआत हुई थी, जो 23 जनवरी की सुबह 9.23 बजे समाप्त हुई. प्रिंसिपल इग्नेशियस लकड़ा ने संतोष कुमार को बधाई दी. वहीं संतोष के पिता अजीत कुमार ने बेटे की इस उपलब्धि पर कहा कि कुछ भी असंभव नहीं है, अभ्यास सफलता की कुंजी है. हार न मानें और विश्वास रखें कि आपने जो लक्ष्य तय किया है, उसे हर हाल में हासिल कर लेंगे.

दीपक जला कर सोए, दो बाइक जलकर राख

संवाददाता। चांडिल

अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर सोमवार को पूरे देश में महोत्सव मनाया गया. लोग अपने-अपने घर और प्रतिष्ठानों में दीपोत्सव मनाए. आतिशबाजी की और प्रभु श्रीराम का अभिनंदन किया. लेकिन ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के गुड़मा गांव में जरा सी चूक होने के कारण दो बाइक जल कर राख हो गयीं.

गनीमत रही कि इस घटना में मकान नहीं जला. मकान को आंशिक क्षति पहुंची है. मिली जानकारी के अनुसार गुड़मा के रहने वाले पूर्णसिंह मुंडा अपने घर में सोमवार को दीप व मोमबत्ती जला कर दीपोत्सव मना रहे थे. घर के अंदर व बाहर चारों ओर दीप व मोमबत्ती जलाकर प्रभु श्रीराम का अभिनंदन कर रहे थे.

आग से जली बाइक.

मकान के अंदर रखी थी दो बाइक : पूर्णसिंह मुंडा ने उस कमरे में भी मोमबत्ती जलायी थी, जहां उसकी दो बाइक रखी थी. दोनों बाइक को उन्होंने कपड़े से ढंक कर रखा था. इसी दौरान शाम करीब आठ बजे कमरे में आग लग गई. संभावना जताई जा रही है कि मुर्गी के द्वारा मोमबत्ती को गिराए जाने के कारण कपड़े में आग लग गई होगी, जिसपर बाइक ढंकी थी. आग जब जोर पकड़ने लगी तब घरवालों को इसकी जानकारी मिली. इसके बाद अगल-बगल के लोग जुटे और आग पर काबू पाने की जुगत में जुट गए. लोगों ने आग की चपेट में आई एक बाइक को घसीट कर बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन फुल स्टैंड में रखी बाइक मिट्टी में घंसती जा रही थी. इसके बाद आग के तेज होने पर लोग बाहर निकले और दो मोटरपंप लगा कर आग पर काबू पाया. इतने में कमरे में रखी दोनों बाइक जल कर राख हो गयी. वहीं कमरे से जली हुई मुर्गी भी मिली. इस घटना में पूर्णसिंह मुंडा का मकान पूरी तरह से जलने से बच गया.

ब्रीफ खबरें

नेताजी सुभाष शिशु उद्यान में मेला शुरू

बहरागोड़ा । नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को लेकर बहरागोड़ा का नेताजी सुभाष शिशु उद्यान के रंग बिरंगी रोशनी और बिजली चालित तोरण द्वार से बहरागोड़ा जगमगा उठा. वहीं नेताजी सुभाष शिशु उद्यान में ग्रामीण विकास मेला कमेटी के तहत नौ दिवसीय ग्रामीण विकास मेला सह नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती समारोह मनाया गया. साथ ही मेले का उद्घाटन स्थानीय विधायक समीर कुमार महंती द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. जिसके तत्पश्चात विद्यालयी बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस मेले में मनोरंजन के साथ कई तरह की दुकानें सजीं.

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी दोषी करार

जमशेदपुर । आजादनगर थाना क्षेत्र के पुजारी द्वारा अपनी बारह साल की बेटी से दुष्कर्म करने के मामले में मंगलवार को अदालत ने आरोपी पिता को दोषी पाया. मामले की सुनवाई करते हुए पोक्सो स्पेशल जज कमलजीत चोपड़ा की अदालत में सुनवाई हुई. अदालत ने आरोपी पिता को दोषी पाते हुए 30 जनवरी को सजा की बिंदू पर सुनवाई करेगी. अपर लोक अभियोजक राजीव कुमार ने सरकार की ओर से अदालत में पक्ष रखा और गवाहों का परीक्षण कराया था.

दुष्कर्म आरोपी की कोर्ट ने सुनाई सजा

जमशेदपुर । बरसोल थाना क्षेत्र की एक नाबालिग का अपहरण कर सात दिनों तक दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी रवि शंकर खामराई को अदालत ने दोषी पाया. घटना साल 2021 की है. पीड़िता के पिता ने थाना में बेटी के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी. मामला दर्ज होने के सात दिनों बाद पुलिस ने पीड़िता को ओडिशा के मयूरभंज से बरामद किया था. पीड़िता ने अदालत को बताया था कि रवि ने बहला-फुसलाकर उसका अपहरण किया और एक कमरे में बंद कर एक सप्ताह तक दुष्कर्म करता रहा.

कांग्रेसियों ने जलाया असम सीएम का पुतला

आदित्यपुर । राहुल गांधी के न्याय यात्रा व शिवसागर स्थित मंदिर में पूजा दर्शन को असम की भाजपा सरकार द्वारा रोके जाने को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी सरायकेला खरसावां द्वारा काली पट्टी बांध कर विरोध प्रदर्शन किया गया. कार्यकारी अध्यक्ष अंबुज कुमार के नेतृत्व में आकाशवाणी स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा के समक्ष बाजू पर काली पट्टी बांध कर कांग्रेसियों के साथ असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वाशर्मा विरोधी नारा लगाते हुए हिमंता का पुतला जलाया गया. अंबुज ने कहा कि भाजपा सरकार न्याय यात्रा में बाधा उत्पन्न कर रही है.

युवा मोर्चा ने नेताजी को दी श्रद्धांजलि

आदित्यपुर । नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर युवा जनशक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यालय में मंगलवार की शाम कार्यक्रम आयोजित किया गया. मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय झा ने नेताजी के फोटो पर माल्यार्पण किया. इसके बाद कार्यकर्ता और बच्चों के बीच नेताजी की महानता को बताया. बच्चों को बताया कि किस प्रकार आजाद हिंद फौज की गठन कर देश की आजादी में अपना योगदान दिए थे. हालांकि आज भी नेताजी की मौत कैसे हुआ ये रहस्य बना हुआ है. आज देश की सभी युवाओं को सुभाष चंद्र बोस बनने की जरुरत है.

चक्रधरपुर के पुराने प्रभात सिनेमा हॉल के समीप स्थानीय समिति ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें किया याद

नेताजी को कभी भुलाया नहीं जा सकता: पवन पांडेय

शंभू कुमार । चक्रधरपुर

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मंगलवार को चक्रधरपुर के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में मनाई गयी. इस अवसर पर लोगों ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के बताये गये मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया.

चक्रधरपुर के पुराने प्रभात सिनेमा हॉल के समीप हनुमान चौक पर स्थानीय समिति की ओर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस को जयंती मनाकर याद किया गया. इस अवसर पर मुख्य रुप से मौजूद भाजपा के वरिष्ठ नेता पवन शंकर पांडेय ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस को कभी भुलाया नहीं जा सकता. सुभाष चंद्र बोस के एक नेता थे, जो कभी दूसरा हो नहीं सकता. देश में नेताजी की उपाधि अगर किसी को मिली तो वह सुभाषचंद्र बोस को मिली. उन्होंने आजादी के लिए क्रांतिकारी लड़ाई लड़कर देश को आजाद दिलाया. इस मौके पर भाजपा नेता दीपक सिंह, अभिजीत चटर्जी,शेष नारायण लाल, संदीप झा, राघवेन्द्र प्रसाद, समरेन्द्र सिंह, गौरंगो महंती, सुजो नंदी के अलावे समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे.

पुष्प अर्पित
- नेताजी ने अंग्रेजों से लड़कर देश को आजाद काराया
- शिक्षक श्रवण ने नेताजी की जीवनी पर प्रकाश डाला

वहीं चक्रधरपुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय अंचल कॉलोनी परिसर में सनातन जनजागरण परिषद द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर जयंती मनाई गई. कार्यक्रम का आयोजन अध्यक्ष शंभू भगेरिया की अध्यक्षता में किया गया. इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक श्रवण कुमार मिश्रा ने सुभाष चंद्र बोस की जीवनी पर प्रकाश डाला. मौके पर सचिव जेपी शेखर, श्याम तिवारी, डा. मंगलेश पाठक, निर्मल कुमार दुबे, प्रमोद विश्वकर्मा, दिनेश चंद्र प्रधान समेत अन्य उपस्थित थे. पाद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पंप रोड में सुभाष चंद्र बोस एवं भारत माता की चित्र पर पुष्पार्चन तथा दीप प्रज्जवलित किया गया. मौके पर प्रधानाचार्य आनंद चंद्र प्रधान ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस स्कूल के दिनों से ही उनका राष्ट्रवादी स्वभाव सबको नजर आता था.

नेताजी एक बेहतर नेतृत्वकर्ता थे: डॉ मनोज कुमार

गोईलकेरा स्थित दीन दयाल शिशु विद्या मंदिर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनायी गई. इस मौके मुख्य रुप से मौजूद प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार, थाना प्रभारी राहुल सिंह, रांची रिम्स के डॉक्टर सह समाजसेवी डॉक्टर मनोज कुमार कोड़ाह उपस्थित हुये. इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की तस्वीर पर फूल माला चढ़ाकर व दीप जलाकर याद किया. इस अवसर पर समाजसेवी डॉक्टर मनोज कुमार कोड़ाह ने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस एक बेहतर नेतृत्वकर्ता थे. देश को आजादी दिलाने में उन्होंने अहम योगदान दिया. इस अवसर पर समाजसेवी मनोज कुमार कोड़ाह ने बच्चों एवं अभिभावकों के समक्ष शिक्षाओं के महत्व, स्कूल के उद्देश्य, आदर्श छात्रों के गुणों, स्थापना दिवस का महत्व और समाज या देश के समृद्धि में बच्चों का योगदान जैसे विषयों पर भी संबोधित किया. इस मौके पर डॉ. जोसेफ मेलगान्डी, पूर्व मुखिया केदार नाथ नायक, अलोक रंजन, अकबर खान, साकेत वाजपेयी, अन्दन प्रसाद, सत्य नारायण जी (स्कूल अध्यक्ष), डॉ. अनिल कुमार प्रधान, सुकदेव लकड़ा, विमल सिन्हा, स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं व अभिभावक मौजूद थे.

सड़क चौड़ीकरण में कृषि भूमि अधिग्रहण मामले पर ग्रामीण मुंडा बोले

कृषि भूमि देनी है या नहीं यह ग्रामसभा तय करेगी

सुकेश कुमार । चाईबासा

सदर प्रखंड के तोलगोय गांव के ग्रामीण मुंडा मधु पुरती की अध्यक्षता में मंगलवार को ग्रामसभा का आयोजन किया गया. ग्रामसभा में मुख्य रूप से एनएच 75 ई चाईबासा बायपास में सड़क चौड़ीकरण निर्माण में तोलगोय गांव की बहुफसली कृषि भूमि अधिग्रहण करने के विषय पर खूंटकट्टी रैयतों और ग्रामीणों के साथ विचार विमर्श किया गया. ग्रामीण मुंडा मधु पुरती ने ग्रामीणों को सूचना देते हुए कहा कि 14 जनवरी 2024 को चाईबासा सड़क निर्माण के लिए जारी विज्ञापन में तोलगोय मौजा का उल्लेख नहीं है. लेकिन भू राजस्व विभाग द्वारा जारी गांव की सूची में हमारे मौजा का उल्लेख है. यानी भारत का राजपत्र के द्वारा कब विज्ञापन प्रकाशित किया जाएगा. यह विभाग की जिम्मेदारी है. लेकिन हम गांव के खूंटकट्टी रैयत और ग्रामीणों को अपनी गांव का बहुफसली कृषि भूमि देना है या नहीं यह हमारा ग्रामसभा तय करेगा. इसीलिए एक कहावत भी बहुत प्रचलित है न लोकसभा न विधानसभा सबसे बड़ा ग्राम सभा.

मधु पुरती ने कहा कि आज आयोजित ग्रामसभा में आप सभी रैयत और ग्रामीण चाईबासा बायपास सड़क निर्माण के लिए बहुफसली जमीन सहित देशाउली, सासनदिरी जैसे आदिवासी मूलवासियों की मूल संस्कृति को बचाए रखने के लिए रैयत और गांव के सामुदायिक जमीन नहीं देने के लिए एक मत हैं तो ग्रामसभा में लिया गया निर्णय उपायुक्त, पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा और भू राजस्व पदाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम और सदर अंचल अधिकारी चाईबासा को लिखित रूप में प्रेषित कर अवगत कराया जाएगा. मौके पर गैर राजनीतिक सामाजिक संगठन झारखंड पुनरुत्थान अभियान के मुख्य संयोजक सन्नी सिंकु ने ग्रामीणों को संबोधित किया. सिंकु ने कहा कि झारखंड पुनरूत्थान अभियान के तत्वावधान में पिछले वर्षों से चाईबासा बायपास सड़क निर्माण के खिलाफ कई बार धरना प्रदर्शन और पैदल चलकर राज्य के मुख्यमंत्री, राज्यपाल और उपायुक्त, पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा सहित जिला भू अर्जन पदाधिकारी को मांग पत्र सौंपा गया है. जिस मांग पत्र में उल्लेख किया गया कि पश्चिमी सिंहभूम जिला सिर्फ अनुसूचित जिला ही नहीं, बल्कि पारंपरिक, सामाजिक, रूढ़िजन्य प्रथा मानकी मुंडा स्वशासन व्यवस्था लागू है. साथ ही पेसा कानून, एफआरए प्रभावी है.

जुटे ग्रामीण
- जारी विज्ञापन में तोलगोय मौजा का उल्लेख नहीं है
- डीसी को अपने निर्णय से अवगत कराएगी ग्रामसभा

कहा कि इसके तहत चाईबासा बायपास सड़क निर्माण का विज्ञापन जारी करने के पहले मानकी मुंडा से परामर्श और सहमति के साथ ही साथ ग्रामसभा का लिखित सहमति भी अत्यावश्यक है. इन संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद सरकार, सरकारी तंत्र और एजेंसी बिना आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण किए बायपास सड़क के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया है. इतना ही नहीं ठीक 14 जनवरी को विज्ञापन प्रकाशित करना भी सुनियोजित षड्यंत्र प्रतीत होता है. इसीलिए झारखंड पुनरूत्थान अभियान और खूंटकट्टी रैयती ग्रामीणों के संयुक्त तत्वावधान में सरकार, सरकरीतंत्र और कार्यकारी एजेंसी का विरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के आलोक में करने के लिए बुधवार को झींकपानी प्रखंड के रघुनाथपुर गांव से सुबह 8:30 बजे से खेत ही खेत से होकर की जाने वाली पदयात्रा में आप सभी रैयत ग्रामीण शामिल हों. यही अपील करते हैं. तोलगोय गांव में आयोजित ग्रामसभा को डाकुआ लक्ष्मण पान, दिउरी महाती पुरती, जोगना पुरती, शैली शैलेंद्र सिंकु और अन्य ने संबोधित किया.

पुलिस ने अफीम की फसल को किया नष्ट

चक्रधरपुर । पश्चिमी सिंहभूम जिला के टेबो थाना क्षेत्र के लोवाहातु एवं पिंगु गांव के जंगलों में पुलिस ने छापेमारी कर तीन एकड़ में लगे अफीम (पोस्ता) की खेती को नष्ट किया. हालांकि किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी. इस दौरान मौजूद थाना प्रभारी सुबोध सिंह मुंडा ने स्थानीय लोगों से कहा कि अगर कोई व्यक्ति या असामाजिक तत्व उक्त कार्य करता है या फिर इस कार्य से जुड़ा हुए हैं तो पुलिस से तुरंत संपर्क करें. अफीम की खेती के बारे में अगर किसी सरकारी कर्मचारी, पंचायत सदस्य, पंचायत प्रधान एवं ग्राम सभा सदस्य को पता चले तो तुरंत इसकी सूचना दें. उन्होंने कहा कि अफीम की खेती करने वालों पर 10 वर्ष की सजा और एक लाख का जुर्माना तथा कारोबार करने वालों पर 20 वर्ष की सजा का प्रावधान है.

नेताजी की जयंती पर ब्लड डोनेट प्रोग्राम में 20 यूनिट रक्त संग्रह

संवाददाता । चाईबासा

बंगाली सेवा समिति रवींद्र भवन चाईबासा के द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मंगलवार को मनाई गई. इस अवसर पर नेताजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित की गई. वहीं लोगों के बीच मिठाई बांटी गई. इसके बाद सदर अस्पताल में ब्लड डोनेट का कार्यक्रम भी रखा गया. जिसमें बीस यूनिट संग्रह किया गया. इस अवसर पर देवी शंकर दत्ता ने नेताजी की जीवनी पर प्रकाश डाला. इस कार्यक्रम में बंगाली सेवा समिति रवींद्र भवन के आशीष कुमार सिन्हा, विमान पाल, त्रिसानु रॉय, शुभेन्दु सेनगुप्ता, सुशांत राय, देवाशीष दत्ता, देवदास राय, रतन दे, देव कुमार बनर्जी, डॉ अंगशुमान सिन्हा, गोपाल चटर्जी और अतनु बोस के अलावा चाईबासा के गणमान्य एवं बंगाली समिति के सभी सदस्य मौजूद थे.

किसानों को ट्रेनिंग के लिए भेजा रांची

संवाददाता । किरीबुरु

टाटा स्टील फाउंडेशन के तरफ से तीन दिवसीय वैज्ञानिक पद्धति से उन्नत कृषि को बढ़ावा देने के लिए नोवामुंडी एवं कटामाटी ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों के लिए एक्सपोजर विजिट का आयोजन कराया गया. इस ट्रेनिंग में नोवामुंडी एवं कटामाटी क्षेत्र अंतर्गत महुदी, सरबिल, संबरबिल, बड़ा बालजोड़ी, जामपानी, गुंडीजोड़ा, पुट्टगांव, नया कृष्णपुर, पुरोषोत्तमपुर, कुटुरपोसी, जुगीदीधारा, कांडरा, धामपुर, सियालजोड़ा, महादेवनासा आदि गांव से 60 किसानों को उन्नत कृषि और पशुपालन पर प्रशिक्षण के लिए कृषि ग्राम विकास केंद्र, रुक्का, रांची ले जाया गया है. इस प्रशिक्षण के माध्यम से किसान दादा और दीदी को उन्नत कृषि, जीवित खेती एवं पशुपालन पर प्रशिक्षण दिया जाएगा और उन्हें प्रायोगिक अभ्यास भी कराया जाएगा. इसके अलावा अगर किसानों का कोई प्रश्न हो तो प्रशिक्षक से सवाल कर सकते हैं. उनके साथ ही एक्सपर्ट से उन्नत कृषि को वैज्ञानिक तकनीक से जोड़ने के सवाल पर भी समझ बनाएंगे ताकि सबसे पहले किसान स्वयं खेती के तकनीक में बदलाव लाएं और फिर दूसरे किसानों और गांव के लोगों को भी उन्नत कृषि से होने वाले लाभ का जानकारी दे सकें.

कीताहातू में विधायक ने जरूरतमंदों में बांटे कंबल

संवाददाता । चाईबासा

हाटगम्हरिया प्रखंड अंतर्गत जामडीह पंचायत के कीताहातु में मंगलवार को कंबल वितरण समारोह का आयोजन कर विधायक ने अपने स्तर से जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया. कंबल लेने के लिए कई गांवों के काफी संख्या में बुजुर्ग पहुंचे थे. ठंड में कंबल मिलते ही गरीबों के चेहरे खिल गए.

बढ़ते ठंड को देखते हुए विधायक दीपक बिरुवा ने अपने स्तर से मंगलवार को हाटगम्हरिया प्रखंड अंतर्गत जामडीह पंचायत के कीताहातु में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया. कड़ाके की ठंड में कंबल लेने के लिए जामडीह पंचायत के कीताहातु, सान मृगिलिंडी, बड़ा मृगिलिंडी, बड़ा फुंसिया, छोटा फुंसिया, जामडीह, देवझरी, जिकिलता, नोगड़ा गांवों के लोग पहुंचे हुए थे. जिन्हें विधायक के हाथों कंबल वितरण किया गया. इस दौरान लोगों के बीच 180 कंबलों का वितरण किया. विधायक दीपक बिरुवा ने कहा कि अत्यधिक ठंड व शीतलहर से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को देखते हुए असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कंबलों का वितरण किया जा रहा है. ताकि उनलोगों को ठंड से राहत मिले. ठंड में लोगों की परेशानी को देखते हुए समय पर मदद पहुंचाई जा रही है.

हो समाज ने किया जागरूक

संवाददाता । किरीबुरु

सामाजिक जागरुकता अभियान के तहत नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत किरीबुरू पूर्वी, किरीबुरू पश्चिमी, मेघाहातुबुरू दक्षिणी, दिरीबुरू ग्राम पंचायत के टाटीबा, सासंगदा, बोकना, पुरतीबासा, किरीबुरु के बैंक मोड़ एरिया के बिरसाटोली लातरसाई, मुण्डासाई, आंगनबाड़ी आदि क्षेत्रों में नुक्कड़ सभा हुआ. इसे आदिवासी हो समाज युवा महासभा, नेशनल आदिवासी रिवाईवल एसोशिएसन, सिंगी एंड सिंगी सोसाईटी तथा आदिवासी कल्याण केन्द्र नेपेल-उपरूम किरीबुरू की टीम ने मिलकर किया.

नुक्कड़ सभा में सामाजिक जुड़ाव, ग्रामसभा में भागीदारी, ग्राम स्तर पर सरकारी योजनाओं के प्रति जिम्मेवारी तथा कल्याणकारी योजनाओं के लिए आधार सीडिंग, फोटो, जॉब कार्ड, बैंक लिंकेज, मोबाईल नंबर एवं अन्य सामाजिक जागरूकता की दिशा में आम लोगों को जगाने के लिए जागरूकता टीम की ओर से प्रयास हुआ. अभियान टीम के सामने बोकना के ग्रामीणों ने सरकारी योजनाओं के प्रति नाराजगी जाहिर किया. बताया गया कि मनरेगा अंतर्गत डोभा-निर्माण में मजदूरी का पैसा नहीं मिला. जिसके बाद सरकारी योजनाओं के संचालन और कार्यों में रूचि नही लेते हैं. इस दौरान यह स्पष्ट हुआ कि ग्राम सभा के माध्यम से विकास योजनाओं की जानकारी तथा समस्याओं के समाधान के प्रति ग्रामीण जागरूक नहीं हैं.

सासंगदा के ग्रामीण कहते हैं कि प्रखंड और पंचायत कार्यालय से संचालित होनेवाली सरकारी सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त नहीं हो पाती है. वहीं किरीबुरू पश्चिमी एवं पूर्वी तथा मेघाहातुबुरु दक्षिण एवं उत्तरी में पंचायत भवन नहीं है. यहां थोड़ी बहुत विधवा, वृद्धा, विकलांग पेंशन योजना के बारे में लोगों को पता है. इन सब मामलों में ग्रामसभा/आमसभा होने को लेकर जानकारी नहीं है. पंचायतों के रोजगार दिवस के बारे में उपरोक्त सभी जगह के ग्रामीणों को जानकारी नहीं है. जिसे अभियान टीम ने प्रोत्साहित करते हुए जानकारी दिया गया है कि सदैव ग्राम सभा और आम सभा का हिस्सा बनें और अपने लोगों को भी जगाएं. इस क्रम में ग्रामीण मुंडा विक्रम चांपिया, मुंडा जानुम सिंह सोय ने जानकारी दिया कि इस क्षेत्र में असंवैधानिक गतिविधियों में अब तक कोई शामिल नहीं है.

शिक्षक संघ के वार्षिक वनभोज में शामिल हुए विधायक दीपक

संवाददाता । चाईबासा

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से मंगलवार को लुपुंगुटु झरना में वार्षिक वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया. इसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों में पदस्थापित शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए. मौके पर शिक्षक शिक्षाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई. जिसमें शिक्षक-शिक्षिकाओं ने काफी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया.

मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दीपक बिरुवा शामिल हुए. जिनके हाथों से विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. वहीं सेवानिवृत होने वाले एवं सेवानिवृत हुए शिक्षकों को सम्मानित किया. वहीं संघ की ओर से विधायक को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया. मौके पर अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से सेवा देने के दौरान उत्पन्न हो रही विभिन्न समस्याएं व सेवा के दौरान मिलने वाली लाभ से वंचित होने जैसे समस्याओं से विधायक को अवगत कराया गया. वही विधायक ने कहा कि इस तरह के आयोजन के माध्यम से दूर- दराज में पदस्थापित शिक्षक- शिक्षिकाओं को एक -दूसरे से मिलने एवं आगामी शैक्षिक वर्ष में नई ऊर्जा, संकल्प के साथ अपने कर्तव्यों के पूरा करने में अत्यंत हितकारी साबित होता हैं.

रवाना

श्याम पहली बार 2018 में एनसीपीए कार्यक्रम में प्रदर्शन करने मुंबई गये थे

काला घोड़ा आर्ट फेस्टिवल के लिए मुंबई गए श्याम बोबोंगा

शैलेश सिंह । किरीबुरु

आदिवासी भाषा हो के प्रसिद्ध गायक श्याम बोबोंगा मंगलवार को मुंबई के क्रॉस मैदान में आयोजित काला घोड़ा आर्ट फेस्टिवल में शामिल होने के लिये अपनी टीम रीदम्स ऑफ द अर्थ के साथ रवाना हो गए. श्याम बोबोंगा पश्चिम सिंहभूम जिला अन्तर्गत जगन्नाथपुर अनुमंडल के लोकेसाई गांव के निवासी हैं.

श्याम बोबोंगा पहली बार मुम्बई 2018 में नेशनल कल्चर पर्फोमिंग आर्ट (एनसीपीए) कार्यक्रम में अपना प्रदर्शन करने गये थे. आज वह दूसरी बार मुम्बई में 26 व 27 जनवरी को आयोजित काला घोड़ा आर्ट फेस्टिवल प्रोग्राम के लिए जा रहे हैं. काला घोड़ा आर्ट फेस्टिवल महाराष्ट्र ही नहीं पूरे भारत का बहुत बड़ी और प्रसिद्ध फेस्टिवल है. श्याम बोबोंगा ने बताया कि मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि शहर से दूर एक छोटे से गांव से निकल कर मुंबई जैसी मायानगरी में अपनी हो आदिवासी गीतों का प्रस्तुति कला घोड़ा आर्ट फेस्टिवल जैसे बड़े मंच पर प्रस्तुत करने जा रहा हूं.

मिला मौका
- श्याम पश्चिम सिंहभूम जिले के लोकेसाई गांव के निवासी हैं
- श्याम बीते 25 वर्षों से हो भाषा में गाना गा रहे हैं

यह मौका मुझे इसलिए नहीं मिली है कि मैं बहुत अच्छा गाता हूं, बल्कि मुझे इसलिए मिली है कि मैं हमेशा अपने पारंपरिक गीतों और वाद्य यंत्रों के साथ जुड़ा रहा हूं. एनसीपीए, हॉर्नबिल फेस्टिवल और काला घोड़ा आर्ट फेस्टिवल जैसे मंच किस्मत वालों को ही मिलती है. इस मंच पर प्रस्तुति देने के लिए उम्र गुजर जाती है मगर मौका नहीं मिलती है. हमें इतने बड़े मंच पर मौका मिल रहा है यह सौभाग्य की बात है.

श्याम बोबोंगा ने बताया की वह वर्ष 2000-2001 अर्थात 25 वर्षों से हो भाषा में गाना गा रहे हैं और हो फिल्म इन्डस्ट्री को बचाकर रखे हुये हैं. जब हम हो भाषा में गाना प्रारम्भ किये थे तब किसी को पता नही था. तब हम डेक के माध्यम से कैसेट में गाना रिकार्डिंग किये थे. उस समय हमारे समाज में ऐसी अंधविश्वास फैलाई गई थी कि जो हो भाषा में गाना गायेगा या फिल्म बनायेगा उसकी मौत हो जायेगी.

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक में बोले शाहिद

सीएम को फिर समन भेजना गलत

मो. वासी । मझगांव

मझगांव प्रखंड अंतर्गत कृषि फार्म मैदान में मंगलवार को झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा प्रखंड कमेटी मझगांव की बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता प्रखंड सचिव शाहिद अहमद ने की. बैठक में सचिव शाहिद अहमद ने कहा कि झारखंड अलग राज्य का निर्माण हम सभी आंदोलनकारी के बलिदान से हुआ है. लेकिन आज आंदोलनकारी अपने हक और अधिकार से वंचित हैं.

केंद्र सरकार के षड्यंत्र से ईडी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बदनाम करने का कार्य कर रही है. मुख्यमंत्री से पूछताछ के बाद भी दोबारा समन भेजना सरासर गलत है. आज झारखंड विकास के पथ पर अग्रसर है. पूर्व की भाजपा सरकार के कारण झारखंड आंदोलनकारी को उनके हक से वंचित रखा गया. अब जब आंदोलनकारी को उनका हक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दे रहे हैं तो केंद्र सरकार ईडी लगाकर कार्य में बाधा पहुंचा रही है. मुख्यमंत्री के विरुद्ध झूठी कार्रवाई झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा और झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी कार्यकर्ता कतई बर्दाश्त नहीं करेगी. इसके लिए गांव से लेकर राजभवन तक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा. बैठक में आगामी गणतंत्र दिवस पर झंडोत्तोलन कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई. मौके पर जरिफ अहमद, प्रकाश पिंगुवा, श्रवण हेंब्रम, अमृत जेराई, अहमद हुसैन, सामुचरण जेराइ और राजेश तिरिया मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

मंदिर निर्माण के विरोध में ग्रामीणों ने की बैठक

डुमरिया। डुमरिया प्रखंड के रांगामाटिया में मंगलवार को ग्राम प्रधान अर्जुन मुर्मू की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई. बैठक में ग्रामीणों ने दासो डुंगरी में विश्व हिंदू परिषद द्वारा मंदिर निर्माण का विरोध करने का निर्णय लिया गया. ग्रामीणों ने बताया कि सरना धर्म को मानते हैं. प्रकृति पूजक हैं. सोहराय पूजा, बाहा, आसाढ़िया, माघ पूजा, माः मोड़े जाहेर स्थल में करते हैं. मंदिर में पूजा नही करते. पारंपरिक पद्धति से पूजा करने और मंदिर पूजा पद्धति स्वीकार नहीं करने का निर्णय लिया गया. मौके पर रघुनाथ मार्डी, तारो मार्डी, सानो हेंब्रम, चांदराय हेंब्रम, रघुनाथ देवगम, नारायण सोरेन समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे.

सीपीआई (एम) के कार्यालय में मनी नेताजी की जयंती

बहरागोड़ा। मंगलवार को सीपीआई (एम) पार्टी के बहरागोड़ा आंचल कमेटी कार्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती मनायी गयी. इस अवसर पर अंचल कार्यालय में उपस्थित पार्टी के सभी सदस्यों ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी गयी.इस मौके पर पार्टी के अंचल सचिव चितरंजन महतो, जिला सदस्य अभिजीत जाना, पार्टी सदस्य कन्हाई मुंडा ,साधु नाथ, साधन नायेक, सुधीर सेनापति, सुधीर पातर, अरुण साऊ,कुंवर हांसदा , कालो बेहरा आदि उपस्थित थे.

एनएच के पदाधिकारी पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए दिया आवेदन

घाटशिला। संकरी कालिंदी ने घाटशिला थाने में राष्ट्रीय उच्च पद संख्या 18 के पदाधिकारी पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए मंगलवार को कार्यपालक दंडाधिकारी को आवेदन सौंपा. आवेदन में बताया गया है कि पिछले 19 जनवरी की संध्या 5 बजे फुलडूंगरी चौक के समीप राष्ट्रीय उच्च संख्या 18 पर आवेदिका के पति अनंत कालिंदी एवं उनके पुत्र हरिश्चंद्र घोड़ाई की मौत सड़क दुर्घटना में हो गई है. आवेदिका संकरी कालिंदी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय उच्च उच्च पथ संख्या 18 फुलडूंगरी के समक्ष तकनीकी खामी एवं निर्माण में खामी के कारण उनके पति एवं पुत्र की दुर्घटना से मौत हुई है.

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने की कई मंदिरों में पूजा अर्चना

बहरागोड़ा। झारखंड सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ दिनेश कुमार षाड़ंगी ने अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन समारोह को मद्देनजर रखते हुए झारखंड, प . बंगाल तथा ओडिशा के कई शिवालय, जगन्नाथ मंदिर, बजरंगबली मंदिर तथा अन्य देव देवी मंदिर मैं जाकर पूजा अर्चना की और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किये. प्रत्येक मंदिर के पुजारी को तथा अन्य जरूरतमंद लोगों के बीच बढ़ते ठंड को देखते हुए कंबल का वितरण किया गया.देश के महान स्वतंत्रता संग्रामी नेताजी सुभाष चंद्र बोस तथा वीर सुरेंद्र साई के चित्र पर मल्लार्पण तथा पुष्प अर्पित कर जन्म जयंती मनाई गई.

फन एंड फिटनेस वॉकथॉन 25 को

जमशेदपुर। टाटा स्टील स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट की ओर से जेआरडी टाटा स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में 25 जनवरी को वरिष्ठ नागरिकों के लिए फन एंड फिटनेस वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है. इस फिटनेस वॉकथॉन में 55 वर्ष से अधिक के नागरिक हिस्सा ले सकते है. वॉकथॉन को दो श्रेणियों में बांटा गया है. जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हो सकती है. कैटेगरी 1 में 55 से 65 वर्ष के नागरिग हिस्सा ले सकेंगे जबकि कैटेगरी 2 में 65-75 वर्ष के नागरिक हिस्सा ले सकते है. पुरुषों के लिए यह वॉकथॉन 2.4 किमी का होगा जबकि महिलाओं के लिए यह 2 किमी को होगा.

सृजन और सेवा स्थायीकरण को लेकर बीएड-एमएड शिक्षक संघ ने ऑनलाइन बैठक की

विभागीय सचिव से मिलेंगे बीएड-एमएड के शिक्षक

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

झारखंड राज्य के सरकारी विश्वविद्यालय और अंगीभूत महाविद्यालयों में सत्र 2005-2006 से संचालित बीएड-एमएड कोर्स में कार्यरत सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापकों की मंगलवार को ऑनलाइन बैठक संघ के संरक्षक प्रो (डॉ) तनवीर युनुस और अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में हुई. बैठक में कहा गया कि पिछले वर्ष बजट सत्र में झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष द्वारा सदन में आश्वासन दिया गया था कि सभी सरकारी विश्वविद्यालय और उसके अंगीभूत महाविद्यालयों मे जहां पहले से बीएड और एमएड कोर्स की पढ़ाई चल रही है. वहां शिक्षा विभाग की स्थापना होगी और कार्यरत सभी शिक्षकों का स्थायीकरण और वेतनमान के लिए उच्चस्तरीय कमेटी बनकर समायोजित किया जाएगा. बावजूद आज 19 वर्ष बाद भी सरकार बीएड और एमएड कोर्स के शिक्षकों को केवल आश्वासन ही दे रही है, जबकि उत्तर प्रदेश और दूसरे प्रदेशों में केवल 10 वर्षों में विभाग की स्थापना कर स्थायीकरण करने की प्रक्रिया नियमित रूप से की जा रही है.

उच्च न्यायालय ने दिया था निर्देश

संघ के अध्यक्ष प्रो मनोज कुमार ने कहा कि पिछले दिनों उच्च न्यायालय का निर्णय और निर्देश झारखंड के सभी संविदा पर कार्यरत लोगों के स्थायीकरण और नियमितीकरण के संदर्भ में मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुआ है, जिसमें स्पष्ट निर्देश है कि संबंधित विभाग को मांग पत्र दिया जाना चाहिए. इसके लिए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को एक सप्ताह के अंदर प्रदेश के तीन सरकारी विश्वविद्यालय में संचालित एमएड और 22 कॉलेजों में संचालित बीएड कोर्स के शिक्षक मिलकर यथाशीघ्र ज्ञापन सौंपेंगे. संघ के महासचिव डॉ सचिन कुमार ने कहा कि सरकार को तत्काल बढ़ती महंगाई और करियर को देखते हुए यूजीसी ग्रेड-पे के अनुसार एक सामन मानदेय राज्य सरकार को देना चाहिए.

विसंगति से मुक्ति मिल सकेगी

संघ के उपाध्यक्ष डॉ विशेश्वर यादव ने कहा कि स्थायीकरण से पूर्व एक समान मानदेय का निर्धारण, जिस प्रकार घंटी आधारित सहायक प्राध्यापक का उच्च शिक्षा विभाग के स्तर से हुआ है, उसी प्रकार बीएड और एमएड कोर्स के लिए भी उच्च शिक्षा विभाग से संकल्प पत्र जारी होने पर ही इस विसंगति से मुक्ति मिल सकेगी. इसके लिए एक मांग पत्र उच्च शिक्षा सचिव को देने का निर्णय लिया गया.

रत्नम ऋषि कैंपस में रामोत्सव का हुआ आयोजन, उमड़ी भीड़

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के टेल्को प्रकाशनगर स्थित रत्नम ऋषि कैंपस में सनातन इतिहास के सबसे स्मरणीय क्षण और उसके पुनर्जागरण के दिवस को बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया. कीर्तन मंडली और युवामंच ने मिलकर रामदरबार के भव्य चित्र को कैम्पस के मध्य पंडाल बनाकर मंचस्थ किया. कैंपस की महिलाओं ने मिलकर पुष्प , दीप और रंगोली से पूजा स्थल को सुसज्जित किया और रंगों से जय श्री राम लिखा. सनातन धर्म के प्रतीक चिन्हों से पूरे कैंपस को सजाया गया.

इस दौरान तीन लम्बे शंख ध्वनि और जय श्री राम के गगनभेदी नारे के साथ रामोत्सव का श्री गणेश हुआ. नगर के संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ के प्रख्यात गायक श्री दिवाकर पांडे और उनकी मंडली के भक्ति भाव से भरे गायन से एक आध्यात्मिक उत्साह का सृजन हुआ. सुन्दरकाण्ड की पूजा-पाठ के समय यजमान श्री विनोद कुमार सिंह उपस्थित रहे. मौके पर मंडली के के एन चौबे, नागेंद्र राय, एके बनर्जी एवं किशोर कुमार का सक्रिय योगदान रहा. व्यवस्था में रत्नम युवा मंच से रुपेश सिन्हा, सुब्रतो दास, पिंकी, संतोषी, शिवली, रूपा तथा मिटठी का सहयोग उल्लेखनीय रहा.

एलबीएसएम कॉलेज में एबीवीपी ने मनायी नेताजी की जयंती

नेताजी का त्याग आज भी युवाओं के लिए प्रेरणादायक : मौसमी पॉल

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की एलबीएसएम कॉलेज इकाई की ओर से मंगलवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस को माल्यार्पण उनकी जयंती मनायी गई. साथ ही संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इसमें एबीवीपी की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ मौसमी पॉल ने कहा कि राष्ट्रीय आंदोलन के पराक्रमी नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी 2024 को 127वीं जयंती है. इस खास दिन को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है. आजादी की लड़ाई को नई ऊर्जा देने वाले नेताजी का जन्म 1897 में ओड़िशा के कटक शहर में हुआ था. नेताजी की जिंदगी और देश के लिए उनका त्याग आज भी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है.

संघर्ष ने ही मुझे मनुष्य बनाया : अभिजीत

महानगर सह मंत्री अभिजीत ठाकुर ने कहा कि नेताजी जिस भी काम को पूरा करने की ठान लेते थे, उसे पूरा करने के बाद ही दम लेते थे. यह उनके काम का तरीका था. एक बार उन्होंने कहा था कि जिस व्यक्ति के अंदर सनक नहीं होती, वो कभी महान नहीं बन सकता .नेता जी जीवन में संघर्ष को काफी महत्व देते थे. उनका मानना था कि संघर्ष इंसान को बेहतर बनने में मदद करता है. एक बार उन्होंने कहा था कि संघर्ष ने ही मुझे मनुष्य बनाया और मुझमें आत्मविश्वास पैदा हुआ .

नेताजी के शब्द प्रेरणादायकः डॉ विनय

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ विनय गुप्ता ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रेरणादायक विचार आज भी युवाओं को उतना ही प्रेरित करते हैं जितना कि आजादी के आंदोलन के दौरान प्रेरित करते थे .एक बार उन्होंने कहा था कि तुम खुद की ताकत पर अगर भरोसा करो तो हर काम संभव है. जबकि दूसरों से ली गई ताकतें उधार की होती हैं, जो घातक साबित हो सकती हैं. गलतियों को अगर आप चुपचाप देखकर अनदेखा कर रहे हैं तो इससे बड़ा अपराध कोई नहीं. सुभाष चंद्र बोस भी लोगों को यह प्रेरणा देते थे कि याद रखो अगर तुम अन्याय सह रहे हो, अपराध देख रहे हो या गलत के साथ समझौता कर रहे हो तो यह सबसे बड़ा अपराध है. नेताजी हमेशा उच्च विचारों पर चलना स्वीकार करते थे. उन्होंने अपने विचारों में भी यह कहा था कि अगर आप उच्च विचारों के साथ जीवन जीते हैं तो यह आपकी कमजोरियों को दूर करने का ताकत देती है इसलिए हमें उच्च विचारों के साथ जीना चाहिए.

नेताजी के मन में अंग्रेजों के प्रति घृणा थीः ठाकुर

प्रदेश खेल संयोजक अमन ठाकुर ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद बोस के मन में देशप्रेम, स्वाभिमान और साहस की भावना बचपन से ही बड़ी प्रबल थी. वे अंग्रेजी शासन का विरोध करने के लिए अपने भारतीय सहपाठियों का भी मनोबल बढ़ाते थे. अपनी छोटी आयु में ही सुभाष ने यह जान लिया था कि जब तक सभी भारतवासी एकजुट होकर अंग्रेजों का विरोध नहीं करेंगे, तब तक हमारे देश को उनकी गुलामी से मुक्ति नहीं मिल सकेगी. कार्यक्रम में एबीवीपी की प्रदेश उपाध्यक्ष अध्यक्ष डॉ मौसमी पॉल, महानगर सह मंत्री अभिजीत ठाकुर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉक्टर विनय जी प्रदेश खेल संयोजक अमन ठाकुर, कार्यालय मंत्री अभिजीत कुमार, एसएफडी रोशनी कुमारी कॉलेज मंत्री सोनू कुमार, उपाध्यक्ष अभिषेक कुमार चंदू कुमार, सौरव कुमार, रानी कुमारी, नेहा कुमारी, निशा बाग समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए.

एनटीटीएफ में मनायी गयी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के गोलमुरी स्थित एनटीटीएफ ने सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें नमन किया. नेताजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए एनटीटीएफ के उप प्राचार्य रमेश राय ने नेताजी को युवाओं का प्रेरणास्रोत बताया और शस्त्र और शास्त्र के साथ सम्यक रूप से चलने वाला बताया. सभी विद्यार्थियों को नेताजी के जीवन एवं राष्ट्र के प्रति उनके योगदान के विषय मे संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा गया कि जीवन के कठिन समयों में भी सही और साहसिक निर्णय लेने वाले नेताजी राष्ट्र के प्रथम प्रधानमंत्री थे जिन्हें तत्कालीन विश्व के कई देशों में मान्यता प्रदान की थी. सर्वप्रथम

कार्यक्रम का शुभारंभ नेताजी के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ इसके पश्चात अभिनंदन दास मोदक एवम पीयूष ने नेताजी की जीवनी प्रस्तुत करते हुए कहा की नेताजी आज़ाद भारत के ऐसे अग्रणी नेता एवं पथप्रदर्शक रहे हैं, जिन्होंने भारत के युवाओं को आज़ाद भारत के संककल्प को साकार करने की प्रतिबद्धता प्रदान की. मौके पर उपप्राचार्य रमेश राय के साथ डॉ अनिल, डॉ शिव प्रासाद, प्रीति, मंजुला, बी पी आचार्य, पंकज कुमार, दीपक सरकार, शिल्पा, मिथिला, हरेश, राजीव रंजन, लक्ष्मण, रोहित, विवेक, अजीत कुमार के अलावा अन्य मौजूद रहे.

नेताजी को देश में सही सम्मान नहीं मिला : सरदार

आदित्यपुर। स्वाधीनता के महानायक नेताजी सुभाषचंद्र बोस को देश में सही सम्मान नहीं मिला. उक्त बातें पूर्व विधायक मेनका सरदार ने कही है. वो सुभाष संस्कृति परिषद जमशेदपुर के सहयोग से सरस्वती शिशु मंदिर हल्दीपोखर में आयोजित नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती समारोह में कही.जिसमें अतिथि के रूप में पूर्व विधायक मेनका सरदार, मुखिया देवी भूमिज, साहित्यकार सह समाजसेवी सुनील कुमार दे और समाज सेवी दुलाल मुखर्जी मौजूद रहे. कार्यक्रम में समाज सेवी दुलाल मुखर्जी, शिल्पी कमल कांति घोष, रामगढ़ आश्रम के अध्यक्ष सुधांशु मिश्र, माताजी आश्रम के कोषाध्यक्ष विस्वामित्र खंडायत, सुभाष संस्कृति परिषद की ओर से हरगौरी महतो, दीपक मित्र, पंकज साहा आदि शामिल हुए.

पराक्रम दिवस के रूप में मनी नेताजी की जयंती

संवाददाता । आदित्यपुर

नौरंगराय सूर्या देवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर चांडिल में मंगलवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया. मौके पर विद्यालय के आचार्य व भैया-बहनों ने नेताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर नमन किया. इस अवसर पर विद्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया. भैया-बहनों ने जयंती पर स्वागत गीत, भाषण, नृत्य आदि अनेक कार्यक्रम किए. कार्यक्रम में उप प्राचार्य सुब्रत चटर्जी ने संबोधित करते हुए नेताजी के जीवनी के बारे मे बच्चों को अवगत कराया. इसके पूर्व विद्यालय के भैया-बहनों के द्वारा विशाल रैली निकाली गई.

विभिन्न स्थानों से गुजरी रैलीः रैली मे विद्यालय के लगभग एक हजार भैया-बहनों ने भाग लिया. पथ संचालन विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर डैम रोड, मिडिल स्कूल चांडिल, हाई स्कूल, बाजार, बस स्टैंड, तांती बांध होते हुए चांडिल बाईपास होकर पुनः विद्यालय पहुंचा. इस दौरान पुरा क्षेत्र नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जयकारे के साथ भारत माता की जय के नारे से गूंज उठा.

नेताजी की जयंती पर एनएसयू में 125 यूनिट रक्त का संग्रह

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई और टीएमएच ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में किया गया. शिविर से पहले विश्वविद्यालय प्रांगण में नेताजी की तस्वीर के समक्ष पुष्प अर्पित किया गया. रक्तदान शिविर में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं और अन्य कर्मचारियों ने रक्तदान किया. शिविर में कुल 125 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई के कार्यक्रम समन्वयक अभिनव कुमार ने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है. प्रतिदिन मांग के अनुसार रक्त की

आपूर्ति नहीं हो पाती है. इसलिए इस तरह के रक्तदान शिविरों का आयोजन अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने इस रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए टीएमएचब्लड बैंक के कर्मचारियों को भी धन्यवाद दिया. शिविर में विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रसन्नजीत दास, अभीजीत भेज, मानस नायक, सुमित महतो, डॉ मनीष रंजन और अरूप दास ने रक्त दान किया. विश्वविद्यालय के कुलसचिव नागेंद्र सिंह ने इस कार्यक्रम की सराहना की और समाज के विकास में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए एनएसएस ईकाई के स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया.

जादूगोड़ा की निधि के रिसर्च पेपर का अमित शाह ने किया विमोचन

संवाददाता ।घाटशिला

इंडियन सोसाइटी आफ क्रिमिनोलाजी (आइएससी) एवं नेशनल फारेंसिंक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) द्वारा आयोजित एक समारोह में मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो पुस्तकों का आधिकारिक विमोचन मंगलवार को किया. अमेरिकन पब्लिकेशन हाउस ब्लूम्सबरी द्वारा साइबर क्रिमिनोलाजी पर आधारित दोनों ही पुस्तक में एक-एक रिसर्च पेपर का सम्बन्ध झारखंड के पूर्वी सिंहभूम से है. इन दोनों ही पुस्तक में जादूगोड़ा में पली-बढ़ी निधि कुमारी के रिसर्च पेपर को भी स्थान मिला है. अमेरिकन पब्लिकेशन हाउस द्वारा पब्लिस्ड बुक 'साईबर जस्टिस' में निधि के रिसर्च पेपर' आइडेन्डिग फाइन द कामन मोडस आपरएंडई आफ काउंटर

फाइटिंग सिंडिकेट्स इंवाल्विंग आइडेंटिफाई थेफ्ट एक्सप्लोरिंग आपरेशन' कूकी मानस्टर 'तथा ' ब्रिक्स : अनवेलिंग द एबिस' में द राइज आफ डिप फेंक टेक्नोलॉजी एंड इट्स इंप्लांटेशन फार साईबर क्राइम' को जगह मिला है. पुस्तक का आधिकारिक विमोचन इंडियन सोसाइटी आफ क्रिमिनोलाजी एवं नेशनल फारेंसिंक साइंस यूनिवर्सिटी के अलावा ह्यूमन राइट्स कमीशन द्वारा गांधीनगर (गुजरात) स्थित एनएफएसयू सभागार में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा (चेयरमैन - नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन), रिषिकेश पटेल (मिनिस्टर - हायर एंड टेक्निकल एजुकेशन ला एंड जस्टिस), हर्ष सिंघवी (गृह मंत्री, गुजरात), प्रियांक कानूनगो (चेयरमैन- नेशनल कमिशन फार प्रोटेक्शन आफ चाइल्ड राइट्स) एवं भारत के गृह सचिव अजय कुमार भल्ला की मौजूदगी में किया. निधि फिलवक्त सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ गुजरात में पीएचडी की शोधार्थी हैं. निधि ने हाई स्कूल की पढ़ाई मुसाबनी स्थित जेसीजेडी हाई स्कूल, जमशेदपुर विमेंस कालेज से इंटर, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान से ग्रेजुएशन एवं एमएससी की पढ़ाई झारखंड रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी, रांची से की है.

समारोह पूर्वक मनायी गयी नेताजी की जयंती

संवाददाता।घाटशिला

नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती समारोह समिति की ओर से नेताजी की जयंती मंगलवार को आशा ऑडिटोरियम में समारोह पूर्वक मनाया गया. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी सत्यवीर रजक सहित अन्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया. इससे पूर्व विभिन्न विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने घाटशिला रेलवे स्टेशन चौक के समीप नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया. मौके पर समिति के अध्यक्ष तापस चटर्जी ने कहा कि घाटशिला की धरती नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चरण धूल से पवित्र हो गई थी. मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जीवनी पर प्रकाश डाला.

आयोजन अलग-अलग फ्रेशर्स पार्टी 'रूबरू-2024' का आयोजन किया गया

स्कूल ऑफ नर्सिंग और इंजीनियरिंग में फ्रेशर्स पार्टी, छात्रों का स्वागत

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के गम्हरिया स्थित अरका जैन यूनिवर्सिटी में मंगलवार को कार्यक्रमों का दिन रहा. यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ़ नर्सिंग और स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड आईटी की ओर से अलग-अलग फ्रेशर्स पार्टी 'रूबरू-2024' का आयोजन किया गया. वहीं यूनिवर्सिटी की एनसीसी विंग की ओर से साक्षी में यातायात सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया.

स्कूल ऑफ नर्सिंग में द्वितीय बैच के छात्रों का स्वागतः स्कूल ऑफ नर्सिंग में 'रूबरू 2024' में सत्र 2023-2027 के नर्सिंग छात्रों का स्वागत किया गया. यह कार्यक्रम स्कूल ऑफ नर्सिंग के द्वितीय बैच के विद्यार्थियों के लिए था. नए बैच के स्वागत समारोह 'रूबरू24' का संचालन चिरंजीवी मनीष राज और चिरंजीवी कुनाल राज (छात्र, बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष) के द्वारा किया गया था. कार्यक्रम के सूत्रधार बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष के छात्र आदित्य ने इसकी शुरुआत की. इसमें दोनों वर्षों के छात्र-छात्राओं हिस्सा लिया. नृत्य प्रस्तुति और गीत-संगीत से मनमोहक माहौल बना रहा. कार्यक्रम का समापन सहभोज के साथ हुआ.

एनसीसी कैडेट्स ने चलाया जागरूकता अभियान

दूसरी ओर अरका जैन यूनिवर्सिटी एनसीसी विंग के कैडेट्स ने यातायात जागरूकता अभियान चलाया. इसमें एनसीसी प्रभारी और एक सर्विसमैन तथा जीसीआई भी शामिल हुए. साकची ट्रैफिक थाना प्रभारी की मदद से साकची गोलचक्कर पर आम लोगों को ट्रैफिक रेगुलेशन के बारे में अवेयर किया और लोगों को बताया कि बिना हेलमेट पहने और बिना सीट बेल्ट पहने वाहन न चलाएं.

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड आईटी ने किया पॉलिटेक्निक, बीटेक, एमटेक, बीसीए व एमसीए के छात्रों का स्वागतः स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड आईटी की फ्रेशर्स पार्टी 'रूबरू 2024' में पॉलिटेक्निक, बीटेक, एमटेक, बीसीए और एमसीए प्रथम वर्ष मे नवनामांकित छात्र-छात्राओं का स्वागत किया गया. विभाग के असिस्टेंट डीन डॉ अश्वनी कुमार ने अपने संदेश में बच्चों को बताया कि अपने लक्ष्य को ऊंचा रखो और तब तक मत रुको जब तक आप इससे हासिल नहीं कर लेते हो. इसके बाद बच्चों ने कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें रैंप वॉक, ग्राउप डांस, आदि शामिल था. मंच संचालन अमृत मोहंती और जी करिश्मा ने किया. समापन पर मिस्टर और मिस फ्रेशर्स बीटेक 2023 हर्षदीप सिंह और आयुषी सिंह और पॉलिटेक्निक के मिस्टर और मिस फ्रेशर्स, शुभम कुमार और ईशा सिन्हा हुए.

थाना प्रभारी को जन्मदिन पर पूर्व उपाध्यक्ष ने दी बधाई

आदित्यपुर। आदित्यपुर थाना प्रभारी राजन कुमार को उनके जन्मदिन के मौके पर नगर पार्षद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह ने उन्हें बुके सौंपा और बधाई दी. पुरेंद्र ने उनकी कार्यशैली और क्षेत्र में बहाल शांति व्यवस्था के लिए उन्हें सिंघम बताया. उन्होंने बताया कि आदित्यपुर में करीब 2 वर्ष का योगदान सराहनीय रहा है. कई मुश्किल मौके पर थाना प्रभारी ने अपनी कार्य कुशलता से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखा जो अनुकरणीय है. पुरेंद्र के साथ इस मौके पर ब्याहुत कलवार समाज के अध्यक्ष कुमार विपिन बिहारी और क्षेत्र के कई पत्रकार भी मौजूद रहे.

हकीकत के प्रति संजीदगी

नौ महीने बाद इस बात की उम्मीद की जा सकती है कि पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर के हिंसा और सामाजिक टकराव की समस्या को ले कर संजीदगी बढ़ रही है. इस बीच विपक्षी दल कांग्रेस के नेता राहुल गांधी दो बार मणिपुर की यात्रा कर चुके हैं और अपने न्याय यात्रा के दौरान लगातार पूर्वोत्तर में बढ़ती हिंसा और कुशासन के सवाल को उठा रहे हैं. इसका असर है या नहीं, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन संभवतः मणिपुर में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को भी हकीकत का अहसास हुआ है. पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की प्राथमिकताएं चाहे जो हों, प्रदेश के नेता समझ रहे हैं कि मौजूदा सरकार आम जन के बीच अपना भरोसा खो चुकी है और उसके हाथ में समाधान का कोई सूत्र नहीं है. मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को भी इस आम भावना को स्वीकार करना पड़ा है. तभी रविवार को उन्होंने सर्वदलीय बैठक बुलाई और उसके बाद एलान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का समय मांगेंगे. चर्चा है कि उस मुलाकात में बीरेन सिंह अपने इस्तीफे की पेशकश करेंगे. उनका यह कथन महत्त्वपूर्ण है, 'हमने कोई फैसला नहीं किया है, क्योंकि हम यह तय नहीं कर पाए हैं कि प्रशासन की जिम्मेदारी हमें किसके हाथ में सौंपनी चाहिए. लोगों को लंबे समय तक बहुत भुगतना पड़ा है और उनके हालात की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए.' मणिपुर में हिंसा की शुरुआत हुए लगभग नौ महीने आने को हैं, लेकिन स्थिति आज भी नियंत्रण में नहीं है. जब-तब हिंसा और मौतों की खबर वहां से आती रहती है. मणिपुर के दर्जनों राजनीतिक सामाजिक समूहों ने इस हिंसा के सवाल को ले कर प्रधानमंत्री से मुलाकात करने का प्रयास किया, लेकिन इन्हें प्रधानमंत्री ने समय नहीं दिया. इस सवाल को ले कर संसद में अविश्वास प्रस्ताव भी विपक्ष ने पेश किया, यह जानते हुए कि प्रस्ताव का गिरना तय है. बावजूद केंद्र ने इस सवाल पर ज्यादा संजीदगी का इजहार नहीं किया. राज्य के दो प्रमुख समुदायों- मैतेई और कुकी के बीच अविश्वास और विभाजन की रेखाएं गहरा गई हैं और उनके कुछ संगठन अब आतंकवादी तौर-तरीकों का सहारा लेने लगे हैं. यह बहुत आरंभ में स्पष्ट हो गया था कि बीरेन सिंह सबको साथ लेकर चलने में नाकाम हो गए हैं और तबसे उनके इस्तीफे की मांग की जा रही है. एक बार उन्होंने इस्तीफा देने का दिखावा भी किया, जब उनके समर्थकों ने महिलाओं की भीड़ जुटाकर उनका इस्तीफा फाड़ दिया था. तब यह संदेश दिया गया कि बहुसंख्यक मैतई समुदाय मजबूती से बीरेन सिंह के पीछे खड़ा है, लेकिन हिंसा जारी रहने और उससे सभी समुदायों को भारी नुकसान होने के बाद लगता है कि मैतई आबादी के बीच उनके प्रति भरोसा डिग गया है. तो अब मुख्यमंत्री ने एलान किया है कि 'यह राजनीति करने का समय नहीं है और सभी दल आगे का रास्ता ढूंढने के लिए एकजुट हो गए हैं.' देर से ही सही, लेकिन यह अच्छा संकेत है.

> लोगों को लंबे समय तक बहुत भुगतना पड़ा है और उनके हालात की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए.' मणिपुर में हिंसा की शुरुआत हुए लगभग नौ महीने आने को हैं, लेकिन स्थिति आज भी नियंत्रण में नहीं है.

सुभाषित

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।।

यह मेरा है और यह तेरा है, ऐसी सोच छोटे विचारों वाले लोगों की होती है. इसके विपरीत उदार रहने वाले व्यक्ति के लिए यह पूरी धरती एक परिवार की तरह होता है. अपना और पराया का भेदभाव भूल कर पूरे समाज, राष्ट और मानवता की चिंता करनी चाहिए.

सवाल लोकतंत्र की 'प्रतिष्ठा' का है!

राहुल गांधी की पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' के समय जो भय व्यक्त किया गया था, वह आज भी क़ायम है. उसमें कोई कमी नहीं हुई है. मैंने तब लिखा था कि 'यात्रा को विफल करने और नकारने के लिए तमाम तरह की ताक़तें आपस में जुट गईं हैं, संगठित हो गई हैं. राहुल के पैदल चलने की थकान ये ताक़तें अपने पैरों में महसूस कर रही हैं. यात्रा की सफ़लतापूर्वक समाप्ति के लिए इसलिए प्रार्थनाएं की जानी चाहिए कि किसी भी देश के जीवन में इस तरह के क्षण बार-बार उपस्थित नहीं होते.'

• देश-काल

श्रवण गर्ग

पंद्रह राज्य, 110 ज़िले, 6,713 किलो मीटर लंबा रास्ता और 66 दिनों का सड़कों पर सफ़र! जनता के बीच, जनता के लिए! 'लोकतंत्र के राम' की देश की 140 करोड़ जनता के हृदयों में प्राण प्रतिष्ठा के लिए ! एक लगातार चलने वाली यात्रा. लोगों की आंखों में आंखें डालकर उनके आंसुओं में ख़ुशी और ग़मों की तलाश करने का यज्ञ. जनता से उसकी जुबान में ही बातचीत करने की कोशिश. कोई छोटा-मोटा काम नहीं हो सकता. यह यात्रा उस चार हज़ार किलो मीटर के साहस से भिन्न है, जिसे कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल नापा गया था और जिसने देश भर में उम्मीदें जगा दी थीं कि चीजें और सत्ताएं बदली जा सकतीं हैं. ज़रूरत सिर्फ़ एक ईमानदार संकल्प की है !

वक्त के मान से पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' ज़्यादा लंबी थी, पर इसलिए छोटी थी कि नदियों, पहाड़ों, जंगलों और निर्जन स्थलों से गुज़रते वक्त भी लोगों का एक बड़ा समूह हरदम साथ चलता था. वह यात्रा 150 दिनों की थी. यह सिर्फ़ 66 दिनों की है. अभी सिर्फ़ तीन राज्य और दो सप्ताह ही पूरे हुए हैं. इस यात्रा में सुनसान रास्तों से गुज़रते वक्त बस में कुछेक सहयोगी और केवल एक यात्री ही रहने वाला है. बसकी खिड़की से बाहर बसे भारत को चुपचाप निहारता हुआ. हज़ारों किलो मीटर की इस अद्भुत और ऐतिहासिक यात्रा के दौरान कभी एक क्षण ऐसा भी आ सकता है, जब राहुल गांधी स्वयं से सवाल करने लगें कि भारत की जिस तस्वीर को वे बदलना चाह रहे हैं, वह अगर 2024 के चुनावों के बाद भी नहीं बदली तो वे क्या करने वाले हैं? क्या देश का धैर्य उनका लंबे वक्त तक साथ देने के लिए तैयार होगा? अगर चीजें नहीं बदलीं तो क्या उन्हें इसी तरह की या और ज़्यादा कठिन कई नई यात्राएं करना पड़ेंगी? उन यात्राओं की तब दिशा क्या होगी? सहयात्री कौन बनेंगे? क्या देश को तब तक ऐसी स्थिति में बचने दिया जाएगा कि उनके जैसा कोई व्यक्ति जनता को जगाने वाली किसी भी यात्रा के लिए सड़कों पर निकल सके?

राहुल गांधी की पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' के समय जो भय व्यक्त किया गया था, वह आज भी क़ायम है. उसमें कोई कमी नहीं हुई है. मैंने तब लिखा था कि 'यात्रा को विफल करने और नकारने के लिए तमाम तरह की ताक़तें आपस में जुट गईं हैं, संगठित हो गई हैं. राहुल के पैदल चलने की थकान ये ताक़तें अपने पैरों में महसूस कर रही हैं. यात्रा की सफ़लतापूर्वक समाप्ति के लिए इसलिए प्रार्थनाएं की जानी चाहिए कि किसी भी देश के जीवन में इस तरह के क्षण बार-बार उपस्थित नहीं होते.'

राहुल की पहली यात्रा निर्विघ्न समाप्त हो गई थी. इस समय सवाल यह है कि क्या इस दूसरी यात्रा को बिना किसी बाधा के पूरा होने दिया जाएगा? राहुल को गुवाहाटी से मिल रही धमकियां किस ओर इशारा कर रही हैं? आश्चर्य नहीं होता कि देश के भीतर व्याप्त व्यापक नागरिक उत्पीड़न और सीमाओं पर उपस्थित अशांत माहौल के बीच भी वे तमाम लोग जिनका सत्ता पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नियंत्रण है, अपनी राजनीतिक सुरक्षा और व्यावसायिक संपन्नता के प्रति पूरी तरह से निश्चिंत और आश्वस्त हैं? इसके पीछे कोई तो कारण अवश्य होना चाहिए, जो देश की जानकारी में नहीं है और जनता को उसके प्रति चिंता भी व्यक्त करनी चाहिए. राहुल गांधी शायद उस अज्ञात कारण को जानते हैं. इस यात्रा को उसी का परिणाम माना जाना चाहिए? सारे मणिपुर और कश्मीर लोकसभा चुनावों तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी समारोहों की राजनीतिक गूंज में सफलतापूर्वक दफ़्न कर दिए जाएं? क्या ऐसा कर पाना संभव हो पाएगा? विश्व-इतिहास में शायद पहली बार अनोखा प्रयोग हो रहा है कि एक तरफ़ तो एक अकेला इंसान जनता को न्याय दिलाने की आकांक्षा और संकल्प के साथ सड़कों पर निकला हुआ है और दूसरी ओर दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक मुल्क की हुकूमत ने अपनी समूची सामर्थ्य को सिर्फ़ इस काम में झोंक दिया है कि जनता को धर्म के नशे में इतना लीन कर दिया जाए कि वह यात्रा को देखने के लिए भी आंखें नहीं खोल पाए.

राहुल गांधी की महत्वाकांक्षी यात्रा जनता को अपने पैरों पर खड़े करने की कोशिशों की दिशा में एक लंबे समय तक के लिए आखिरी प्रयास मानी जा सकती है. कहा नहीं जा सकता कि देश के जीवन में इस तरह का क्षण आगे कब उपस्थित होगा ! मणिपुर से प्रारंभ हुई यात्रा की लोकसभा चुनावों के ठीक पहले मुंबई में समाप्ति के साथ राहुल गांधी का काम पूरा हो जाएगा. अपनी दो यात्राओं (दक्षिण में कन्याकुमारी से उत्तर में कश्मीर और पूर्व में मणिपुर से पश्चिम में मुंबई) के ज़रिए वे देश को अपना सब कुछ दे चुके होंगे! सवाल यह है कि क्या देश की जनता ने सोचना प्रारंभ कर दिया है कि राहुल गांधी उसके लिए क्या कर रहे हैं? क्यों चल रहे हैं? यात्रा का मक़सद क्या है? यात्रा के क्या परिणाम निकलने वाले हैं? यात्रा की सफलता-असफलता में भारत का भविष्य कैसे छुपा हुआ है? अभी सोचा नहीं गया होगा कि राहुल गांधी अगर चलना बंद कर दें तो दूसरा कौन है जो चलने वाला है? इतने बड़े देश में क्या कोई और नज़र आता है जो भविष्य की किसी भारत जोड़ो यात्रा के लिए राहुल के हाथ से लेकर मशाल अपने हाथों में थाम लेगा? राहुल की यात्रा की सफलता के लिए की जा रही प्रार्थनाओं के स्वर सत्ता-प्राप्ति के मंगलाचरणों में नहीं डूबने दिए जाने चाहिए.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

पांच सद् मित्र

जैसा कि विश्व के विचारकों ने कहा है कि मानव एक सामाजिक प्राणी है. वह अकेला नहीं रह सकता, लेकिन जीवन में कई बार ऐसी नौबत आ जाती है, जब कोई साथ नहीं होता और अकेला रह जाता है. कुछ ऐसी ही परिस्थितियों में एक व्यक्ति नितांत ही अकेला पड गया था. उसके स्वजन, मित्र सभी ने उसका साथ छोड दिया. तकरीबन सभी ने उसके साथ विश्वासघात किया था.अकेलेपन ने उसका जीवन, विषाद से भर दिया था. विषाद एवम् अकेलेपन के निवारण हेतु वह एक विद्वान महात्मा के पास पहुंचा. उसने अपने नीरस जीवन और अकेलेपन की पीड़ा, महात्मा के समक्ष व्यक्त की. अंत में कातर स्वर में अपने अकेलेपन को दूर करने का उपाय बताने के लिए विनती की. महात्मा हंसते हुए बोले, 'यह तो बहुत ही सरल है. आप बस मेरे समान मित्रो का सर्कल बना लो, मेरे उन मित्रों के रहते, मुझे कभी अकेलापन महसूस नही हुआ. मेरे मित्र कभी भी धोखा नही देते. मेरे वे पांचो मित्र हमेशा साथ निभाते है.' उस व्यक्ति ने कहा, 'आप बहुत ही भाग्यशाली है, आपको ऐसे सच्चे स्नेही मित्र मिले! सभी का कहां ऐसा सौभाग्य होता है? सभी को, आपके मित्रों समान हितैषी मित्र मिल जाए, यह जरूरी भी तो नही.' व्यक्ति ने बड़ी उम्मीद से प्रश्न किया, 'क्या वे मेरे भी मित्र बन जाएंगे? क्या वे मेरा साथ भी निभाएंगे?' महात्मा ने कहा, 'ध्यान से सुनो, जिन पांच मित्रो की मैं बात कर रहा हूं, उनको मित्र बनाने के लिए तुम्हें भी मनोयोग से मेहनत करनी पड़ेगी, दृढ़निश्चय करना होगा. समर्पित मानस बनाना होगा, मित्रता का संकल्प लेना होगा. जब वे एक बार मित्र बन गए तो फिर सदैव के लिए साथ निभायेंगे. प्रतिक्षण सहायता को तत्पर रहेंगे.' उस व्यक्ति ने उत्साह से कहा, 'तब तो आप जल्दी से मुझे उन पांच मित्रों के नाम बताइए और वे कहां मिलेंगे ठिकाना बताइए. मुझे हरहाल में उनके साथ मित्रता करनी है.' महात्मा ने प्रसन्नता से उन पांच मित्रों के नाम बताए- प्रमाणिकता, सादगी, सच्चाई, स्पष्टवादिता, वचनबद्धता. और कहा, 'इनका ठिकाना है, अंतर्मन-वन मध्य, इन्द्रियविषय नामक झाड़ झंखाड़ के पीछे, निर्मल हृदयस्थल! उनसे शीघ्र साक्षात्कार कर और उन्हें अपना मित्र बना, तेरा अकेलापन काफूर हो जाएगा!' उस व्यक्ति को अपनी समस्या का समाधान सहज ही मिल गया.

तय हों समावेशी विकास की प्राथमिकताएं

• विकास

सुरेश सेठ

इन दिनों भारत की संपन्नता के जो आंकड़े देशवासियों के सामने प्रस्तुत हो रहे हैं, वे आशावाद से भरे हुए हैं. हाल ही में आई गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट बता रही है कि देश में अरबपतियों की संख्या दुनिया में तीसरे नंबर पर है, जबकि अमेरिका सर्वाधिक अरबपतियों वाला देश है. यह भी तमाम विषम हालात में भी देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ी है. फिर भी 168 अरबपति भारत में हो गए हैं. लेकिन इस संपन्न धरती के निर्धन लोगों को कैसे भूलें? यही रिपोर्ट कहती है कि देश की आधी आबादी ऐसी है, जिसकी कमाई 12000 रुपये प्रति माह तक ही है. यह सच है कि पिछले वर्षों में बड़ी कारों और बड़ी कोठियों की बिक्री ने छोटे घरों और छोटी कारों की बिक्री को कहीं पछाड़ दिया है. भारत तेजी से एक साख व्यवस्था हो गया. पिछले वर्ष में क्रैडिट कार्डों का इस्तेमाल उससे पिछले वर्षों के मुकाबले 2.50 गुणा बढ़ गया. लेकिन जहां तक जीवन निर्वाह के लिए जरूरी वस्तुओं कपड़ों, जूतों और अन्य उपभोक्ता सेवाओं की मांग है, वह सोना-चांदी, सम्पदा और अन्य स्थाई वस्तुओं, जिन्हें धनी लोग इस्तेमाल करते हैं, के मुकाबले बहुत कम है. हम बार-बार कहते हैं कि भारत में अन्य देशों की तरह से महामंदी नहीं आएगी, लेकिन यहां खतरा पैदा हो गया है कि अगर वंचित और निम्न मध्यवर्ग जो देश की कम से कम आधी आबादी है, अगर उसकी मांग में कमी होती है तो उससे मंदी हमारे जरूरी उद्योगों और खेतीबाड़ी के आर्थिक द्वार पर दस्तक दे सकती है. इसीलिए वित्तमंत्री को भी चाहिए कि आने वाले अंतरिम बजट में कुछ न कुछ कदम ऐसे उठाने पड़ेंगे जिससे इस मुख्य वर्ग की उपभोक्ता मांग में कमी नहीं आएगी और हम मंदी से बचकर निकल जाएंगे. उम्मीद की जा रही है कि इन करोड़ों लोगों के हाथ में उपभोग के लिए कुछ पैसा छोड़ने के वास्ते शायद कर बोझ में कुछ कमी की जाएगी. लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भारत की उपलब्धियां कम हैं. 2014 में भारत दुनिया की आर्थिक शक्तियों में दसवें नंबर पर था, लेकिन आज वह पांचवें नंबर तक पहुंच गया है. चुनावी प्रचार के माहौल में घोषणा भी हो रही है कि 2027 तक हम जर्मनी और जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी शक्ति बन जाएंगे. यह निश्चय ही हमारी विकास यात्रा की एक महती उपलब्धि होगी और इसी के लिए भारतीयों को मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार करने के लिए देश के कोने-कोने में आजकल विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है. हमने इंटरनेट, डिजिटल और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में उम्मीद से अधिक तरक्की की है. हमारा इसरो अंतरिक्ष विजय अभियान में अमेरिका के नासा से 21 है 19 नहीं. सबसे बड़ी बात कि इसरो की उपलब्धियां चाहे चांद विजय की हों या सौर विजय की, अथवा जैसे हम अभी सूर्य की थाह ले रहे हैं, वह बहुत ही किफायतशाली कर रहे हैं. इसके अतिरिक्त इसरो की गतिविधियों का व्यवसायीकरण भी कर दिया गया है. तीसरी दुनिया के देशों से लेकर छोटे देशों के संचार उपग्रहों का प्रक्षेपण करने का एक बड़ा व्यवसाय भारत के निजी क्षेत्र के सामने खुल गया है. लेकिन यहां कुछ चुनौतियां और भारतीय अर्थव्यवस्था की इस दौड़ में विसंगतियां भी हमें सचेत कर सकती हैं. पहली बात तो यह कि भारत की अर्थव्यवस्था समतावाद के लक्ष्य से कहीं छिटककर विषम व्यवस्था बन गई है. मोटे तौर पर कहा जाता है कि भारत के दस प्रतिशत धनी 90 प्रतिशत सम्पदा पर कब्जा जमाए बैठे हैं और 90 प्रतिशत आबादी 10 प्रतिशत सम्पदा पर गुजारा कर रही है. नई शिक्षा नीति तो बन गई है, लेकिन आंकड़ाशास्त्री बताते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी एक बड़ी नौजवानों की आबादी दसवीं से पहले ही स्कूल छोड़ जाती है. देश में किसी कारगर रोजगार अथवा निवेश नीति के न होने के कारण बेरोजगारी बढ़ी है. देश के मुख्य धंधे खेती के क्रमशः अलाभकारी होते जाने के कारण इन नौजवानों के सामने देश से पलायन के अतिरिक्त कोई और रास्ता नहीं रह गया है. जरूरत इन प्राथमिकताओं को बदलने की है. देश के विकास और संपन्नता में सभी को साथ लेकर चलने की है. इसी को समावेशी विकास कहा जाता है, जो अकादमिक स्तर पर तो सच है, लेकिन यथार्थ के स्तर पर आज भी गरीब आदमी से कोसों दूर है. देश के वंचित वर्ग को दया की नहीं, बल्कि रोजगार की गारंटी भी चाहिए. तेजी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्था में स्वचालित उत्पादन प्रक्रिया के उत्साह के बावजूद लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को उनका उचित स्थान देकर ही यह गारंटी दी जा सकती है. इसी गारंटी के साथ ही नौजवानों का स्वाभिमान जुड़ा है, 80 करोड़ लोगों को उदार और रियायती राशन बांट कर नहीं.

> भारत तेजी से एक साख व्यवस्था हो गया. पिछले वर्ष में क्रैडिट कार्डों का इस्तेमाल उससे पिछले वर्षों के मुकाबले 2.50 गुणा बढ़ गया. लेकिन जहां तक जीवन निर्वाह के लिए जरूरी वस्तुओं कपड़ों, जूतों और अन्य उपभोक्ता सेवाओं की मांग है, वह सोना-चांदी, सम्पदा और अन्य स्थाई वस्तुओं, जिन्हें धनी लोग इस्तेमाल करते हैं, के मुकाबले बहुत कम है.

कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय का दर्पण

• जयंती

विजय केसरी

जननायक कर्पूरी ठाकुर का झारखंड से बहुत ही गहरा लगाव था. उन्होंने झारखंड को समृद्ध बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान किया था. देश की आजादी के बाद सत्ता के शीर्ष पर बैठे नेतागण आदिवासियों को ठगते रहे थे. एकीकृत बिहार के मुख्यमंत्री बनने के बाद कर्पूरी ठाकुर झारखंड के आदिवासियों की सुध ली थी. वे आदिवासियों की योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए सीधे आदिवासी नेताओं और जनजाति समाज के लोगों से मिले थे. वे झारखंड को राजनीतिक तौर पर मजबूत बनाने के लिए सामाजिक न्याय के कई नए युवा चेहरे को सामने लाए थे. वे बिहार के पहले मुख्यमंत्री व नेता थे, जिन्होंने देश की आजादी के बाद सबसे अधिक बार झारखंड का दौरा किया था. सामाजिक न्याय और समाजवाद के पुरोधा जननायक कर्पूरी ठाकुर का संपूर्ण जीवन त्याग और बलिदान से ओतप्रोत है. वे छात्र जीवन से ही समतामूलक समाज के निर्माण के पक्षधर रहे थे. वे समाज में छोटे-बड़े, ऊंची-नीची जातिवाद के भेद को जड़ से मिटा देना चाहते थे. वे एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते थे, जिसमें न कोई छोटा हो, न कोई बड़ा हो. समाज में व्याप्त भेदभाव को वे बिल्कुल उचित नहीं मानते थे. वे कर्म के सिद्धांत को जीवन की वास्तविक पूंजी मानते थे. वे मेहनत कर धन उपार्जन पर विश्वास रखते थे. उन्हें बेईमानी और झूठ की बातों से सख्त नफरत थी. वे एक बार बिहार के उपमुख्यमंत्री और दो-दो बार मुख्यमंत्री रहे थे. उन्होंने बेईमानी का एक भी पैसा नहीं लिया और न ही अपने सहयोगियों को लेने दिया था. उनके इस स्वभाव से उनके साथ रहने वाले कई नेता बहुत दुःखी भी होते थे. उनके इस स्वभाव के कारण कई नेता उनका साथ छोड़ कर चले जाते थे. कर्पूरी ठाकुर ने कभी भी ऐसे लोगों की परवाह नहीं की थी. 1967 में जब बिहार में महामाया प्रसाद की सरकार बनी थी, उस सरकार में कर्पूरी ठाकुर उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे. वे उपमुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री का भी दायित्व संभाले हुए थे. शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने आठवीं तक की पढ़ाई निःशुल्क कर दी थी. मैट्रिक तक की परीक्षा में अंग्रेजी की अनिवार्यता को उन्होंने समाप्त कर दिया था. उन्होंने ऐसा इसलिए किया था कि समाज के पिछड़े बच्चे अंग्रेजी के कारण मैट्रिक पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं. जिस कारण पिछड़े विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते थे. ऐसा कर उन्होंने एक बहुत बड़ा कदम उठाया था. इस कदम की बिहार प्रांत सहित देश के कई हिस्सों में उनकी जमकर आलोचना हुई थी. लेकिन वे इससे बिल्कुल घबराए नहीं. ऐसा कर उन्होंने समतामूलक समाज निर्माण की दिशा में एक सार्थक पहल की थी. तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ जब जयप्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति के आंदोलन का बिगुल चंहुओर बज रहा था, तब कर्पूरी ठाकुर देशभर में घूम घूम कर जनता के बीच इंदिरा गांधी का विरोध जमकर अपनी बातों को रख रहे थे. आपातकाल का उन्होंने जमकर विरोध किया था. देश से इमरजेंसी की समाप्ति की घोषणा के बाद जब केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनी थी. तब बिहार में भी जनता पार्टी की सरकार बनी थी. बिहार विधानसभा के विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद कर्पूरी ठाकुर बिहार के मुख्यमंत्री बने थे. इस पद पर रहते हुए उन्होंने गरीबों, अति पिछड़े वर्ग के लोगों को न्याय देने के लिए आरक्षण की घोषणा की थी. कर्पूरी ठाकुर के इस कदम का पूरे राज्य में जमकर विरोध हुआ था, लेकिन वे अपनी इस घोषणा पर अटल रहे थे. समाज के दलित, अति पिछड़े वर्ग और गरीबों को आरक्षण के रूप में एक वरदान मिल गया था. अब वे आरक्षण के माध्यम से सीधे सरकारी नौकरियों में जा सकते थे. मुख्यमंत्री पद पर रहकर भी उनके आचार-विचार और व्यवहार में कोई भी तब्दीली नहीं हुई थी. उनका मुख्यमंत्री आवास चौबीसों घंटे जरूरतमंदों के लिए खुला हुआ रहता. वे जिस समाजवाद का समतामूलक समाज के निर्माण का झंडा लेकर आगे बढ़ रहे थे, इनके रूप रंग से स्पष्ट रूप से झलक रहे थे. वही साधारण कुर्ता-धोती, पुराना चप्पल और बिखरे बाल उनकी सादगी को परिभाषित करता था. मुख्यमंत्री बनने से पूर्व उनका जो रहन-सहन था, वही रहन सहन मुख्यमंत्री बनने के बाद भी रहा था. मुख्यमंत्री रहते हुए विधायकों के लिए सरकारी जमीन आवंटित की जा रही थी. उनके कई विधायक गण उन्हें जमीन ले लेने की बात कही थी. लेकिन उन्होंने सरकारी जमीन लेने से मना कर दिया था. वे देश के पहले मुख्यमंत्री थे, जिनके पास अपना निजी कार नहीं था. और ना ही बहुमंजिला मकान था.

> कर्पूरी ठाकुर ने कभी भी ऐसे लोगों की परवाह नहीं की थी. 1967 में जब बिहार में महामाया प्रसाद की सरकार बनी थी, तब कर्पूरी ठाकुर उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे. वे उपमुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री का भी दायित्व संभाले हुए थे. शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने आठवीं तक की पढ़ाई निःशुल्क कर दी थी. मैट्रिक तक की परीक्षा में अंग्रेजी की अनिवार्यता को उन्होंने समाप्त कर दिया था.

मीडिया में अन्यत्र

वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा

गाजा में गत वर्ष 7 अक्टूबर को हमास-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ता विवाद वैश्विक स्थिरता और वृद्धि की निरंतरता के लिए खतरा उत्पन्न कर रहा है. ईरान और पाकिस्तान द्वारा एक दूसरे के क्षेत्र में मिसाइल हमलों ने शत्रुता बढ़ा दी है. इस लड़ाई में ईरान की बढ़ती भूमिका ने गाजा युद्ध की छाप को इराक, सीरिया, लेबनान और पाकिस्तान तक विस्तारित कर दिया है. इस माह के आरंभ में ईरान-समर्थित इजरायल विरोधी यमन के हूती विद्रोहियों ने विश्व व्यापार को अस्थिर कर दिया. उन्होंने यूरोप-दक्षिण पूर्व एशिया के समुद्री मार्ग पर अप्रत्याशित हमले किए. वैश्विक व्यापार का 12 फीसदी इसी मार्ग से होता है. हमलों की वजह से नौवहन कंपनियों को अपने पोतों को लंबे रास्ते से भेजना पड़ रहा है, जिससे एक महीने से भी कम समय में उनकी लागत दोगुनी से अधिक बढ़ गई है. सप्ताहांत के दौरान इजरायल ने दमिश्क पर मिसाइल हमला किया, जिसमें तीन ईरानी रिवॉल्युशनरी गार्ड्स की जान चली गई, लेबनान में स्थित और ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह पर हुए हमले में भी एक व्यक्ति की जान चली गई. शनिवार को इराक में ईरान समर्थित समूहों ने एक अमेरिकी एयर बेस पर मिसाइल और रॉकेट हमले किए, जिसमें कई अमेरिकी घायल हो गए. कुछ गंभीर रूप से घायल हुए. संक्षेप में कहें तो इस क्षेत्र में खतरा बढ़ रहा है. समस्या के मूल में इस संघर्ष के प्रमुख कारकों की हठधर्मिता जिम्मेदार है. अक्टूबर में हमास के हमले के बाद गाजा में इजरायल ने जो प्रतिकार किया उसके शिकार आम नागरिक भी हुए. इस बात की संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया भर में आलोचना भी हुई. इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन राजनीतिक रूप से कमजोर है, जिससे वह अधिक चरमपंथी तत्त्वों के समक्ष और कमजोर हुए हैं. इस तेजी से बदलती स्थिति में भारत ने पारंपरिक कूटनीतिक रुख कायम रखा. पाकिस्तान के बलूच इलाके में जैश अल अदल नामक आतंकी समूह के ठिकानों पर ईरान के मिसाइल हमले की आतंकवाद से आत्मरक्षा के रूप में उठाए गए कदम मानने की आधिकारिक प्रतिक्रिया भारत के आतंकवाद के खिलाफ रुख का ही समर्थन है. परंतु वैश्विक नौवहन के समक्ष उत्पन्न खतरे को अभी समाप्त किया जाना है. अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम की नौसेनाओं ने हूती ठिकानों पर हमला किया, लेकिन लगता नहीं कि इस मार्ग पर वैश्विक नौवहन जल्दी बहाल हो पाएगा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भरना/भरनि/भरनी

मैंने मोटर चला दिया है. तुम्हें पानी भरना है तो भर लो, नहीं भरना है तो जाओ. इस बात में अगर किसी शब्द पर अधिक जोर दिया गया है तो वह है भरना. भरना शब्द का प्रयोग इसी प्रकार सकर्मक क्रिया के रूप में होता है. सकर्मक क्रिया उसे कहते हैं, जिसके साथ कर्म घनिष्ठता पूर्वक जुड़ा होता है. जैसे पानी भरना. यहां भरना क्रिया है और पानी कर्म. हिंदी शब्द सागर के अनुसार भरना का मतलब है किसी रिक्त पात्र में कोई पदार्थ इस प्रकार डालना, जिससे वह पूर्ण हो जाये, खाली जगह को पूरा करने के लिए कोई चीज डालना या रखना, पूर्ण करना, जैसे लोटे में पानी भरना, गड्ढे में मिट्टी भरना, गाड़ी में माल भरना, तकिए में रुई भरना, उड़ेलना, रिक्त स्थान को पूर्ण अथवा अंशतः पूर्ति करना, स्थान को खाली न रहने देना. जुलाहे नली में सूत भरते हैं, तस्वीर में रंग भर दिया जाता है. दो पदार्थों के बीच के खाली जगह को कुछ डालकर बंद करना, इस क्रिया में दो बात होती है. एक तो आप भर देते हैं और दूसरा भर जाता है. आप जो भर देते हैं वह सकर्मक क्रिया है और जो भर जाता है वह अकर्मक. अकर्मक क्रिया के रूप में भरना शब्द का अर्थ है किसी रिक्त पात्र का किसी पदार्थ पड़ने भर जाना. जैसे आपका पेट खाली था, लेकिन भोजन करने के बाद भर गया. इस भरना का मतलब है दो स्थानों के बीच का छिद्र या अवरोध का बंद हो जाना, कर्ज का खत्म हो जाना, जैसे कहते हैं-मैंने कर्ज भर दिया, चेचक के दानों का शरीर में निकल जाना. भरनि भी एक शब्द है, जिसका मतलब है पोशाक, कपड़े-लत्ते,. इससे मिलता जुलता शब्द है भरनी, जिसका अर्थ है करघे की ढरकी, नार, खेतों में बीज आदि बोने की क्रिया, खेतों में पानी देने की क्रिया, सिंचाई, छछूंदर, मोरनी, गारुड़ी मंत्र, एक प्रकार की जंगली बूट और भरणी नक्षत्र.

व्यक्तित्व की पहचान है मोबाइल

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

एक मनोवैज्ञानिक हुए हैं, कार्ल युंग. उन्होंने वर्षों-वर्ष रिसर्च के बाद मनुष्य के दो प्रकार बताए, बहिर्मुखी और अंतर्मुखी. जो इनमें से किसी कोटि में नहीं आता, उसे उन्होंने उभयमुखी कह दिया. मानो बड़ी रियायत कर रहे हों. बहरहाल, आदमी के न जाने कितने रूप विद्वानों ने गिनाए पर कोई पूरी तरह खरा नहीं उतर पाया. इधर एक शोध के अनुसार मोबाइल इस्तेमाल करने वालों की कुछ किस्में परिंदों के नाम से परिभाषित की गई हैं. इसके अनुसार कुछ लोग "बतासी" कहे गए हैं जो बतासी पक्षी की तरह मोबाइल पर हर समय चहचहाते रहते हैं. लेकिन कुछ "घुग्घू" क़िस्म के लोग भी होते हैं जो मजबूरी की हालत में ही मोबाइल को हाथ लगाते हैं. "फाक्ता" क़िस्म के वे लोग हैं जो अमन-पसंद और तमीज़दार होते हैं. वे अपने मोबाइल का कभी दुरुपयोग नहीं करते पर जहां ज़रूरी होता है उसे इस्तेमाल किए बिना भी नहीं रहते. "गौरैया" क़िस्म के मोबाइली परिंदे जनसंपर्क बनाए रखने में विश्वास रखते हैं. चिड़िया (गौरैया) की तरह उनकी घर-घर पैठ होती है और इसे बनाए रखने के लिए उन्हें मोबाइल की आवश्यकता सदैव बनी रहती है. "तेलियर" पक्षी चिकना-चुपड़ा होता है और अपनी तेज़ आवाज़ के लिए जाना जाता है. जो लोग अपने मोबाइल पर चीखते चिल्लाते रहते हैं और आक्रामक भाषा का उपयोग करते हैं "तेलियर" की कोटि में आते हैं. मोबाइल परिंदों में एक क़िस्म "मोर" की भी है, ये लोग मोबाइल का इस्तेमाल मोर की खूबसूरत कलगी की तरह करते हैं. मोबाइल उनके शरीर पर कहीं न कहीं एक सुंदर पंख की तरह झलकता रहता है. अब ज़माना बहुत आगे बढ गया है. यह मोबाइल नहीं स्मार्ट-फोन का ज़माना है. क्या आप के पास आई-फोन, ब्लैकबेरी या एड्रायड में से कोई मोबाइल है? यदि नहीं है तो आपका शुमार व्यक्तित्व के धनी लोगों में हो ही नहीं सकता. हाल ही के एक अध्ययन में यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो चुकी है. अध्ययन के अनुसार आई-फोन इस्तेमाल करने वाले लोग काफी अधिक ख़र्चीले होते हैं. वे अपने व्यक्तित्व को लेकर बहुत सजग होते हैं. कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर खूब खर्च करते हैं. इनमें ब्लैकबेरी रखने वाले अपने रिश्तों को क़ायम रखने के प्रति काफी संजीदा होते हैं. उनका सामाजिक जीवन भी बेहतर होता है. अपने साथियों और दोस्तों के साथ उनके भावनात्मक संबंध रहते हैं. लेकिन ऐड्रायड फोन का उपयोग करने वाले अधिक औपचारिक होते हैं और शिष्टाचार भर निभाते हैं.

झारखंड में हुनर की कीमत और रोजगार की गारंटी नहीं

लोगों ने कहा

- बाहर जाकर काम करना हमारी मजबूरी है
- नियमित काम और उसके उचित पैसे नहीं मिलते

झारखंड में पलायन बड़ी समस्या बनती जा रही है. आने वाले दिनों में यह समस्या और भी विकराल रुप ले सकती है. इस समय न सिर्फ पढ़े-लिखे बल्कि मजदूरी करने वाले लोग बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों में जाकर काम कर रहे हैं. उनका कहना है कि दूसरे राज्यों में काम करना हमारी मजबूरी है. कौन चाहता है घर परिवार से दूर रहना. अगर राज्य में ही नियमित काम और उसके उचित पैसे मिल जाते तो बाहर क्यों काम करने जाते. अपनी पीड़ा साझा करते हुए वे कहते हैं कि यहां भविष्य की बहुत चिंता रहती है. हमलोगों को यहां भविष्य सुरक्षित नहीं लगता. राज्य सरकार भी इस दिशा में प्रयास नहीं कर रही है. सिर्फ मनरेगा के पैसे से काम नहीं चल सकता. अगर रोजगार सृजन होता रहे, फैक्ट्रियां लगती और चलती रहती तो बाहर काम करने क्यों जाते. गौर करने वाली बात यह है कि झारखंड में इस समय पढ़े-लिखे और मजदूर वर्ग के लिए सरकारी स्तर पर रोजगार की दिशा में कोई काम नहीं हो रहा है. दावे जरुर किए जाते हैं, पर वे धरातल पर नजर नहीं आते हैं. इस समय पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, चेन्नई, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में झारखंड के पुरुष और महिला मजदूर ईंट भट्ठों, फैक्टरियों, होटलों, दुकानों, खेतों तथा निजी घरों में बड़ी संख्या में काम कर रहे हैं. शुभम संदेश की टीम ने इस संदर्भ में विभिन्न जिलों में लोगों से बात की है. पेश है रिपोर्ट...

दूसरे राज्यों व महानगरों में बड़ी संख्या में काम करते हैं झारखंड के मजदूर

जमशेदपुर

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी कर रही हैं राज्य से पलायन

रोजगार की तलाश में पलायन का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है. हर रोज जिले के अलग-अलग जगहों से लोग रोजगार की तलाश में पलायन कर रहे हैं. इसमें अधिकतर गांव के युवा वर्ग शामिल है. इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी काम की तलाश में पलायन कर रही हैं. अपने क्षेत्र में काम न मिलना और काम के बदले कम पैसे मिलने से परेशान युवा दूसरे राज्यों में जाकर काम करना ज्यादा पसंद करते हैं. कई लोग आज भी आस में हैं कि उनके लिए सरकार कुछ बेहतर स्कीम लाएगी जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके.

कोई भी छोटा-मोटा काम करने को तैयार हैं : सन्नी

रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी का रहने वाला सन्नी कुमार साहू पढ़ाई खत्म करने के बाद पिछले कई दिनों से रोजगार की तलाश में है. लेकिन उसे अब तक कोई काम नहीं मिला. उसने अपने दोस्तों व रिश्तेदारों के माध्यम से भी काम की तलाश की ,लेकिन बात नहीं बनी. परेशान सन्नी अब किसी भी तरह का काम करने को तैयार है, फिर वो चाहे वह सिक्युरिटी गार्ड का काम हो या कोई निजी कंपनी में मजदूर का. सन्नी का कहना है कि सरकार उनके लिए कोई व्यवस्था करे ताकि उन्हें भी रोजगार मिले.

नौकरी के लिए इधर-उधर भटक रहा हूं : राहुल झा

बागबेड़ा गुदड़ी मार्केट निवासी राहुल कुमार झा के अनुसार उसके पास कोई स्थाई काम नहीं है. छोटी-मोटी नौकरी कर वह अपना और अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा है. परिवार की पूरी जिम्मेदारी उसके सिर पर है. छोटे भाई को पढ़ाने से लेकर घर का राशन तक उसे ही लाना पड़ता है. रोजगार का कोई बेहतर विकल्प नहीं होने के कारण उसे भविष्य को लेकर चिंता होती है. कई जगह नौकरी के लिए अप्लाई किया पर कोई सफलता नहीं मिली.

कर्ज लेकर शुरू किया था धंधा, डूब गया : सूरज

हरहरगुट्टू के सूरज शर्मा ने बताया कि उसने कर्ज लेकर अपना धंधा शुरू किया था, लेकिन वह भी डूब गया. इसके बाद अपने शहर में कई जगह नौकरी की तलाश की लेकिन नौकरी नहीं मिली. अब वह भी दूसरे राज्य में जाकर नौकरी करना चाहता है ताकि अच्छी कमाई हो सके और वह अपने घर-परिवार का सहारा बन सके. सूरज के अनुसार झारखखंड में नौकरी नहीं मिलने की वजह से लोग बाहर जाने को मजबूर है.

झरिया

दूसरे राज्य में काम करने की मजबूरी : विपिन कुमार

चार नम्बर टैक्सी स्टैंड झरिया निवासी सुनील राम का 25 वर्षीय पुत्र विपिन कुमार ने बताया कि मैं पिछले 9 वर्षों से झारखंड के बाहर काम करता आ रहा हूं. मैं आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में पिछले 9 वर्षों से बावर्ची का काम कर रहा हूं. मैंने जब काम शुरू किया था तो जिस काम के मुझे झरिया में 500 रुपये मिलते थे, उस काम का मुझे चेन्नई में 3500 रुपये मिलने लगे थे. इसके बाद मुझे मजबूरन न चाहते हुए भी दूसरे राज्य में काम करने के लिए जाना पड़ा. आज मैं विशाखापत्तनम के एक नामचीन होटल में बावर्ची का काम करता हूं. जहां मुझे होटल की ओर से खाने-पीने और रहने की व्यवस्था दी गई है. जहां 24 हजार रुपये महीने और महीने में चार दिन की छुट्टी मिलती है, यदि मैं छुट्टी में भी काम करूं तो मुझे चार दिन के ओवर टाइम के लिए 4 हजार रुपये मिल जाते हैं.

घर की स्थिति खराब थी बाहर जाना पड़ा : छोटू महतो

टीना गोदाम झरिया (धनबाद) निवासी स्वर्गीय ईश्वर महतो के पुत्र 22 वर्षीय छोटू महतो ने बताया कि वह तीन भाई व तीन बहनों में सबसे छोटा भाई है. छोटू महतो ने बताया कि बचपन में ही हमारे पिताजी ईश्वर महतो दिवंगत हो गए थे. इसके बाद घर की आर्थिक स्थिति काफी खराब हो गई थी. घर मे मम्मी- भाई बहन सभी को खाने-पीने के लिए भी काफी दिक्कत होने लगी. इसके बाद हमें काम करने के लिए दूसरे राज्य का रास्ता चुनना पड़ा. इस दौरान हमने झरिया धनबाद में नौकरी की तलाश की, लेकिन नहीं मिल पाया. जिस कारण पिछले 5-6 वर्षों से मैं केरल के एक लोहा का सरिया बनाने वाली कंपनी में काम कर रहा हूं. क्योंकि मुझे घर में भी देखभाल करनी पड़ती है तो मैं 6 महीना केरल में काम करता हूं.

धनबाद

स्थायी नौकरी नहीं मिलने पर बाघमारा के युवा कर रहे पलायन

कोयलांचल के बाघमारा क्षेत्र में रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों में युवाओं का पलायन जारी है. युवाओं ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से अधिक खनिज झारखंड में है. इसके बाद भी इस राज्य में रोजगार की घोर कमी है. सरकारी विभागों में स्थाई नौकरी है नहीं, निजी कंपनियों में रोजगार है भी तो 10, 12 हजार से अधिक पगार नहीं है. व्यापार के लिए बैंकों से लोन लेने में चप्पल घीस जाता है, लेकिन लोन नहीं मिलता है. ऐसे में दूसरे राज्यों में पलायन के अलावा हमारे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है. दूसरे शहरों में मेहनताना भी अधिक मिलता है और समय पर मिलता है.

झारखंड में काम नहीं मिला, इसलिए बाहर गया मेरा बेटा : सीताराम साव

बाघमारा, हरिना निवासी चंदन कुमार साव (उम्र 20 वर्ष) के पिता सीताराम साव ने बताया कि मेरा बेटा अभी कोलकाता में एक निजी कम्पनी में सुपर वाइजर के पद पर कार्यरत हैं. झारखंड में काम नहीं मिला, इसलिए उसे बाहर भेजना पड़ा. स्थाई नौकरी तो यहां सपना हो गया है, निजी कंपनियों में काम मिल भी जाए तो पगार बहुत कम है, इसलिए बाहर जाना मजबूरी है. नहीं तो कोन अपना गांव घर छोड़कर बाहर जाना चाहता है.

धनबाद में कम पैसे मिलते थे, इसलिए बाहर काम करने चला गया: कुलदीप साव

विशाल कुमार साव (उम्र 26 वर्ष) के पिता कुलदीप साव ने बताया कि हमलोग मूल रूप से बगोदर के रहने वाले हैं. मेरा बेटा महाराष्ट्र के पुणे में टाटा मोटर कंपनी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं. अपने घर के आसपास काम तलाशने पर इतना कम पैसा मिल रहा था जिससे घर चलाना मुश्किल हो रहा था. जिस कारण बेटे को बाहर का रुख करना पड़ा. झारखंड में तो जिसको मौका मिला, सिर्फ अपना पेट भरने में जुट गया. यहां सबकुछ ठीक रहता तो बाहर बेटा क्यों जाता?

रोजगार के अभाव में पलायन कब रुकेगा, कब होंगे हमारे झारखंड के शहीदों के सपने साकार

राम कुमार पांडेय । कतरास

रोजगार की तलाश में बाघमारा प्रखंड के कतरास, बाघमारा, महुदा, तेतुलामारी,सोनारडीह, मधुबन, बरोरा सहित इलाके के गांव देहात ही नहीं बल्कि शहरों से भी लोग महानगरों की ओर पलायन करने को विवश हैं. गांव देहात शहर के कम पढ़े-लिखे लोगों के साथ पढ़े लिखे युवा भी बेरोजगारी के कारण रोजगार की तलाश में अपना घर बार छोड़कर दूसरे प्रदेश जा रहे हैं . इलाके में उद्योग कल कारखाना व रोजगार के संसाधन न होने से इलाके में रोजगार का संकट बना हुआ है .साथ ही कम मजदूरी और समय पर भुगतान न होना भी पलायन का कारण है. पलायन के सामने शासन प्रशासन द्वारा चलाई जा रही मनरेगा सहित अन्य योजनाएं दम तोड़ती नजर आ रही है. लोग रोजी रोटी की की तलाश में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता,

सूरत, नागपुर, रायपुर, हैदराबाद सहित अन्य महानगरों की ओर रोजाना पलायन कर रहे हैं. बावजूद इलाके के विधायक, सांसद इस पलायन को रोकने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर पा रहे हैं. जानकारी के अनुसार बाघमारा प्रखंड का एक भी इलाका अछूत नहीं है, जहां से लोग रोजगार की तलाश में दूसरे प्रदेश नहीं जा रहें हैं.

सवाल यह है कि जिस सपनों के साथ झारखंड के शहीदों ने एक बड़ी लड़ाई लड़ कर झारखंड को राज्य का दर्जा दिलाया. झारखंड स्थापना के दो दशक से अधिक समय बीत गए, लेकिन आज भी झारखंड के लोग रोजगार के तलाश में दूसरे प्रदेशों में पलायन को मजबूर हैं. इस स्थिति में आखिर शहीदों के सपनों को कैसे पूरा किया जा सकता है. इस दिशा में राज्य सरकार के मंत्री, सांसद और विधायक को गंभीरता से चिंतन करने की जरुरत है.ताकि पलायन रुके और लोगों को अपने राज्य में ही रोजगार के साधन उपलब्ध हो सके.

कतरास

खर्च चलाने के लिए सिर्फ पलायन ही एक रास्ता है : उज्ज्वल कुमार

कतरास सलेक्ट निवासी उज्ज्वल कुमार ने कहा कि जब वहां रोजगार नहीं मिला तो मजबूरी में अपना गांव घर परिवार छोड़ कर सूरत आना पड़ा. सूरत आमरोली में रहकर मैं वहां मजदूरी का काम कर रहा हूं . वहांसतो रोजगार जरुर मिला,पर हर हमेशा अपने घर परिवार की याद सताती रहती है .यहां बिलकुल अकेलापन महसूस होता है .लेकिन कर भी क्या सकते हैं. घर परिवार का खर्च चलाने के लिए पलायन ही एक रास्ता मेरे पास बचा था.

अपने प्रदेश में रोजगार मिलता तो बाहर क्यों जाते हम : रवि राम

कतरास रवि राम सूरत में रहकर दैनिक मजदूरी का काम करते हैं. उन्होंने कहा कि रोजी रोटी की तलाश में सूरत जाना पड़ा. अगर हमें अपने प्रदेश में ही रोजगार मिल जाता तो इतनी दूर घर परिवार को छोड़कर दूसरे प्रदेश क्यों जाते .नेताओं को सिर्फ हमलोगो के वोट से मतलब है .वोट के समय नेता दरवाजे पर आकर वोट मांगते हैं ओर जीत जाने पर रोजगार देने का बात जरूर करते हैं . लेकिन वोट ख़त्म होते ही नेताओं के दर्शन नहीं होते हैं.

मजदूरी कर किसी तरह घर-परिवार की गाड़ी खींच रहे हैं : शोभा देवी

कतरास निवासी शोभा देवी ने कहा कि बेरोजगारी के कारण मेरे पति सुंदर साव घर परिवार छोड़ कर करीब दस वर्षों से गुजरात में रह कर काम कर रहे हैं .जब उसके कमाई से घर का काम नहीं चलने लगा तो मजबूरी में दो वर्ष पूर्व अपने बेटा राजू कुमार को काम करने सूरत भेज दिए . बाप बेटा प्रदेश में रहकर दिन रात मेहनत मजदूरी कर किसी तरह घर की गाड़ी खींच रहे थे .अगर यहां रोजगार उपलब्ध होता तो उनलोगो को अपने राज्य से बाहर नहीं जाना पड़ता.

मेदिनीनगर

उचित मजदूरी नहीं मिलती इसलिए बाहर जाते हैं: रविंद्र

रविंद्र कुमार हुसैनाबाद के रहने वाले हैं. वह हाल भी में कर्नाटक के मालखेड़ में काम कर पलामू स्थित अपने घर कर लौटे हैं. इनका कहना है कि हम लोगों को घर पर ही कि रोजगार मिले तो बाहर क्यों जाएंगे. हम लोग की जिाकर क्यों काम करेंगे. बाहर जाकर काम करना. झारखंड में उद्योग धंधे नहीं लग रहे हैं. जिससे हम जैसे युवा बेरोजगार हैं. अगर हम लोग बाहर के प्रदेशों में जाकर काम नहीं करेंगे, तो परिवार का भरण पोषण कैसे होगा. साथ ही हम लोग को झारखंड में अपने हुनर की उचित कीमत नहीं मिल पाती है. वैसे भी यहां हर दिन मजदूरी नहीं मिलती है. इसलिए हम लोग बाहर के प्रदेशों में जाकर काम करते हैं . ताकि हम लोग के परिवार का भरण पोषण ठीक से हो सके. हम लोग भी चाहते हैं कि झारखंड की धरती पर ही अपने घर के नजदीकी कम करें. ताकि अपने परिवार के साथ ही रहे और यहां काम करें. लेकिन हम लोगों को झारखंड में रोजगार के साथ-साथ उचित मजदूरी नहीं मिलती है. यही कारण है कि हम लोग इतनी दूर जाकर काम करते हैं.

हजारीबाग

दिल्ली रहकर मजदूरी करते हैं अच्छी कमाई है : अमित कुमार

सदर प्रखंड के ओरिया निवासी अमित कुमार ने बताया कि दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं .जहां 500 से लेकर 800 रुपए तक प्रत्येक दिन की कमाई होती है. ऐसे में अपने जिला में रहना तो चाहते हैं पर पैसा कम मिलता है. 300 रुपया मजदूरी मिलती है. हर दिन काम भी नहीं मिलता है .यहां तक कि मनरेगा की मजदूरी भी कम है. इसलिए दिल्ली में रहते हैं. राज्य सरकार को रोजगार देने के लिए वैकल्पिक इंतजाम करना चाहिए. उनका यह भी करना है कि शहर में कल- कारखाने भी नहीं लगे हैं. जहां काम करने का मौका मिले . इसे देखते हुए पलायन करना मजबूरी हो जाता है.

यहां नौकरी नहीं, मुंबई में टैक्सी चलाते हैं : दिलीप राम

दिलीप राम ने बताया कि आर्थिक दृष्टि से बहुत तंगी रहती है. हजारीबाग शहर में 4000 से 5000 की नौकरी मिलती है. ऐसे में पांच लोगों के परिवार को चलाना मुश्किल है. इसके लिए मुंबई में जाकर टैक्सी चलाते हैं. जहां अच्छी कमाई होती है .पूरे परिवार का भरन पोषण अच्छे से हो जाता है. उनका यह भी कहना है कि अगर अपने घर गांव में रोजगार मिल जाए तो पलायन करने की आवश्यकता नहीं होगी. शहर में महीने भर काम करने के बाद भी वेतन भुगतान करने के समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. वेतन भी कम रहता है. हजारीबाग शहर की बात की जाए तो रोजगार का कोई दूसरा साधन भी नहीं है. ऐसे में पलायन करना मजदूरों की मजबूरी है.

झारखंड सरकार रोजगार मुहैया कराने में उदासीन : इसरायल

चौपारण के भदेल निवासी इसरायल ने बताया कि झारखंड सरकार को मजदूरों के हित में रोजगार मुहैया कराई जाने में उदासीन है .अपने यहां रोजगार के साधन नहीं रहने के कारण अपना ओर अपने परिवार के जीविकोपार्जन के लिए मजदूरों को दूसरे प्रदेश जाकर रोजीरोटी के लिए परिवार से अलग बाहर जाना पड़ता है. झारखंड मे हम मजदूरों को रोजगार के लिये काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. रोजगार और उचित साधन नहीं होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है. सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं. योजना का लाभ लेने के बावजूद भी क्षेत्र में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है अगर दुकान भी खोली जाती है तो उचित कमाई नहीं हो पाती है और बोझ बढ़ता चला जाता है. वहीं प्रदेश में रोजगार की कमी नहीं है और वेतन भुगतान भी अच्छा हो जाता है .

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धन प्राप्ति सुगम होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. प्रमाद न करें. रोजगार में वृद्धि होगी. मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. निवेश, यात्रा व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे.

वृषभ निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अतिथियों का आगमन होगा. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें.

मिथुन समय अच्छा है. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. आय बढ़ेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है.

कर्क पुराना रोग उभर सकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. उतार-चढ़ाव बना रहेगा. राहु को शांत करने का प्रयास करें.

सिंह उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. निवेश शुभ रहेगा. झंझटों में न पड़ें. आपके थोड़े ही प्रयास से भाग्य का साथ मिलेगा. प्रमाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी. घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी.

कन्या पिता के सहयोग में कार्य में लाभ होगा और इसका भविष्य में लाभ मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. काम में मन लगेगा. जल्दबाजी से बचें. आय में वृद्धि होगी. भाई-बंधुओं का सहयोग प्राप्त होगा.

तुला भाग्य का साथ मिलेगा. तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी. कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे. उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे. आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. उच्चाधिकारी के कोपभाजन बन सकते हैं.

वृश्चिक कुसंगति से हानि होगी. दूसरों से अपेक्षा न करें. जल्दबाजी से बाधा संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय-व्यय बराबर रहेगा. अतिविश्वास हानि देगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

धनु मित्रों व संबंधियों के सहयोग से लाभ होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. राजकीय काम बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा मनोरंजक रहेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी.

मकर बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा लाभदायक रहेगी. नौकरी में सामंजस्य बैठाएं. निवेश शुभ रहेगा. भ्रम की स्थिति बन सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. अपनों से बिगाड़ न करें.

कुंभ परीक्षा व प्रतियोगिता में लाभ की स्थिति निर्मित होगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें. लाभ होगा. बड़ों से मार्गदर्शन लें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सामाजिक कार्य में रुचि बढ़ेगी.

मीन समय सामान्य है. दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. सुख में कुछ कमी होगा. अन्न का दान करें.

पेज 01 का शेष

20 लाख लोगों को अबुआ...

इसमें आठ लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया था. इसकी सूची पोर्टल में भी अपलोड कर दी गई थी, लेकिन केंद्र सरकार ने गरीबों का आवास स्वीकृत नहीं किया. इसलिए राज्य सरकार ने अपने दम पर अबुआ आवास बनाने का फैसला लिया.

राम मंदिर के नाम पर ...

राहुल गांधी का कहना था कि कि सीएम हिमंत विश्व शर्मा के धमकाने वाले कदमों से वह डरने वाले नहीं हैं. यह पूछे जाने पर कि राम लहर का मुकाबला करने के लिए उनके पास क्या योजना है, तो कांग्रेस नेता ने कहा, ऐसी कोई बात नहीं है कि लहर है. यह भाजपा का राजनीतिक कार्यक्रम था. मोदी जी ने फंक्शन किया, शो किया. वो सब ठीक है, अच्छी बात है.

कांग्रेस का चुनाव को लेकर एजेंडा तैयार.....

राहुल ने बताया, हमारी न्याय की लड़ाई के 5 स्तंभ हैं. युवा न्याय, भागीदारी न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय और श्रमिक न्याय. ये वे पांच न्याय हैं जो मुट्ठी बन कर देश की ताकत बनेंगे और हमारी भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश के समक्ष इस वैकल्पिक विजन को रखने का माध्यम है. वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, आज भारत जोड़ो न्याय यात्रा के 10वें दिन गुवाहाटी के पास राहुल गांधी ने न्याय के पांच स्तंभ बताए. इनमें से हर एक को कार्ययोजना के साथ अगले कुछ हफ़्तों में देश के सामने पेश किया जाएगा.

राहुल गांधी एफआईआर को लेकर क्या बोले......

असम में एफआईआर के आदेश पर राहुल गांधी ने कहा कि इससे हमें फायदा हो रहा है. उन्होंने कहा, 'असम के सीएम जो कर रहे हैं उससे यात्रा को फायदा मिल रहा है. हमारा प्रचार हो रहा है. इस तरह सीएम और गृह मंत्री अमित शाह हमारी मदद कर रहे हैं. ये डराने की कोशिश है, लेकिन डरने वाले नहीं है. लोग बोल रहे हैं कि बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा गुवाहाटी में जा सकते हैं, तो राहुल गांधी क्यों नहीं जा सकते?' राहुल गांधी ने कहा कि हिमंत बिस्व सरमा देश के सबसे भ्रष्ट सीएम हैं. यहां काफी बेरोजगारी है.

आदिवासी एकता महारैली : तैयारी अंतिम चरण में, मुख्य अतिथि होंगे आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजीराव मोघे

आदिवासी मुद्दों के साथ समझौता कभी नहीं, हम लड़ेंगे और जीतेंगे भी : बंधु

विशेष संवाददाता। रांची

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष एवं समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा है कि आदिवासियों से जुड़े मुद्दे पर कभी भी किसी भी हाल में समझौता नहीं हो सकता. आदिवासियों की ज्वलंत समस्याओं पर गंभीर आदिवासी संगठन और समान विचारधारा के लोग एवं संगठन न केवल लड़ेंगे बल्कि वह निश्चित रूप से जीतेंगे भी. इस महारैली में मुख्य अतिथि आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजीराव मोघे होंगे. इसके साथ ही गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राठवा के साथ अनेक गणमान्य नेताओं ने इस विमोचन समारोह में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर दी है. ये बातें तिर्की ने अपने आवास पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

महारैली में गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राठवा भाग लेंगे

आदिवासियों की समस्याओं से जुड़े मसौदे का लोकार्पण आज

उन्होंने कहा कि आदिवासी जनाधिकार मंच द्वारा अगले 4 फरवरी 2024 को आयोजित आदिवासी एकता महारैली में आदिवासियों के ज्वलंत मुद्दों, समस्याओं और उनकी वर्तमान परिस्थितियों के सन्दर्भ से संबंधित विशेष मसौदे का लोकार्पण 24 जनवरी को ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान के मंच पर इस महारैली के संयोजकों द्वारा विमोचन किया जाएगा. महारैली की तैयारी अंतिम चरण में है और इसमें भाग लेनेवाले लोगों के स्वागत में झारखंड के स्वतंत्रता सेनानी, वीर आंदोलनकारी और झारखंड की 23 विभूतियों के नाम पर तोरण द्वार का निर्माण किया जाएगा.

सरना धर्म कोड सभी आदिवासियों की प्रमुख मांग, बरगला रही भाजपा

उन्होंने कहा कि सरना कोड सभी आदिवासियों की मांग है लेकिन भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और दक्षिणपंथी संगठनों के साथ ही अनेक नेताओं द्वारा केवल और केवल चुनाव के दृष्टिकोण से मुद्दे को भटकाया और भड़काया जा रहा है. जो भी उन्हें जानते हैं उन्हें अच्छी तरीके से पता है कि अपने पूरे राजनीतिक जीवन में उन्होंने बिना किसी भेदभाव के राजनीति की है लेकिन आदिवासियों के मुद्दे पर हमेशा मुखर रहे और वहां कोई समझौता नहीं हो सकता.

स्थानीयता, पेस आदि विभिन्न आदिवासी मुद्दों पर केंद्रित है यह महारैली

उन्होंने कहा कि झारखंड की स्थानीयता, पेसा, पांचवी अनुसूची, सीएनटी एक्ट, एसपीटी, जल, जंगल और जमीन के बचाव के साथ ही उन्होंने किसी भी आदिवासी और मूलवासी मुद्दे पर कभी भी कोई समझौता नहीं किया और ना ही करेंगे. तिर्की ने कहा कि राज्य में आदिवासियों की 32 जनजातियों के साथ ही, आदिवासी हितों के प्रति समर्पित सभी लोगों को विशेष रूप से एकजुट होकर, सरना कोड और अपनी समस्याओं को मुखरता से सामने रखना चाहिए और जीतने के लिए अपना पूरा प्रयास करने की जरूरत है.

मतभेद पैदा कर राजनीतिक रोटी सेंकती रही है भाजपा और आरएसएस

तिर्की ने कहा कि तीन-चार महीने के बाद लोकसभा चुनाव और इस साल के अंत तक झारखंड के विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संगठन और इसके नेता झारखंड में सभी मुद्दों के ध्रुवीकरण करने के साथ-साथ, एक तरफ हिंदू - मुस्लिम और दूसरी तरफ ईसाई - सरना के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं. इसके पीछे कारण यह भी है कि हाल में उन्हें छत्तीसगढ़ में इससे फायदा हुआ है और झारखंड में भी भाजपा और उसके नेता ऐसा ही कारनामा कर सत्ता को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं. पर उनकी चाल को झारखंड के लोग कभी भी सफल नहीं होने देंगे.

भाजपा-आरएएस विचारधारा को छोड़ अन्य सभी गंभीर धर्मनिरपेक्ष लोग महारैली में शामिल होंगे

उन्होंने अनेक संगठनों, नेताओं एवं राजनीतिक दलों द्वारा 4 फरवरी को आयोजित आदिवासी एकता महारैली को केवल ईसाई आदिवासियों की रैली के रूप में प्रचारित किया जा रहा है जो पूरी तरीके से गलत है. उन्होंने कहा कि भाजपा, आरएसएस और उससे जुड़े संगठनों को छोड़ कर यह, प्रदेश के धर्मनिरपेक्ष, समान विचारधारा और इसके साथ-साथ आदिवासियों के मामले पर बेहद गंभीर लोगों, राजनीतिक दलों एवं संगठनों की संयुक्त महारैली है और इसमें भेदभाव के बिना सभी की सहभागिता है.

केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नम्हैं झारखंड, नम्हैं राजी अभियान

लोकतंत्र बचाओ यात्रा प्रारंभ

खास बातें

- लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में 23 से 26 जनवरी तक जाएगी यात्रा
- लोगों को केंद्र सरकार की जन विरोधी नीति से कराएंगे अवगत

विशेष संवाददाता। रांची

लोकतंत्र बचाओ 2024 अभियान के द्वारा लोकतंत्र बछाबअना (नम्हैं झारखंड, नम्हैं राजी) यात्रा का शुभारंभ मंगलवार को हो गया. रांची से लोहरदगा के लिए इसका शुभारंभ रांची से हुआ. यह यात्रा 23 से 26 जनवरी तक लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में जाएगी. इसका मुख्य उद्देश्य 2024 लोकसभा चुनाव में झारखंड, देश, लोकतंत्र और संविधान को बचाने की जन संपर्क यात्रा है. इस यात्रा में अभियान संगठन के आलोका कुजूर, फुलजेंसिया बिलुंग, ज्योति कुजूर, मंथन, प्रवीर पीटर, रोज़ खाखा, टॉम कावला, सिराज दत्ता, सिलास बारा, सरिता एक्का व शनियारो देवी आदि शामिल हैं. यात्रा के दौरान केंद्र सरकार की विरोधी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा. इन्होंने बताया कि यात्रा लोहरदगा के विभिन्न प्रखंडों से होकर गुमला के विभिन्न प्रखंडों में जाएगी.

यात्रा के दौरान जनसभाओं और जन संपर्क कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा. यात्रा में लोगों को केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के विषय में जागरूक किया जाएगा. दस सालों में आदिवासी-मूलवासियों एवं उनके जल, जंगल, ज़मीन और खनिज पर विशेष हमले हुए हैं. मणिपुर में आदिवासियों, खासकर के महिलाओं पर हुई राज्य प्रायोजित हिंसा ने आदिवासियों के प्रति भाजपा और मोदी सरकार की सोच को उजागर कर दिया है.आरएसएस- भाजपा द्वारा आदिवासियों की एकता तोड़ने के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं. आदिवासियों को धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश की जा रही है.

मोदी सरकार देश को अडाणी-अंबानी और चंद कॉर्पोरेट के हवाले कर रही है

नेताओं ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार देश को बेच कर अडाणी-अंबानी और चंद कॉर्पोरेट के हवाले कर रही है. मनमाने ढंग से थोपी हुई नोटबंदी, लॉकडाउन, महंगाई, बेरोज़गारी, कम मजदूरी दर, कुपोषण, कमज़ोर शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था ने मेहनतकश जनता का जीना मुश्किल कर दिया है.

लोहरदगा-गुमला में लोग पलायन को मजबूर

लोहरदगा, गुमला जैसे हमारे झारखंड के क्षेत्र खनिजों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर होने के बावजूद बड़े पैमाने पर पलायन के लिए मजबूर हैं. पलायन करनेवालों के दर्दनाक दास्तान विकास के फरमानों का सच बताते हैं. स्थानीय स्तर पर संसाधनों का लाभ न मिलना, स्थानीय स्तर पर रोजगार न होना ही पलायन का सबसे बड़ा कारण है. और इसकी असल जिम्मेदार केन्द्र सरकार की नीतियां हैं.यात्रा में 2024 लोकसभा चुनाव के महत्त्व पर चर्चा की जाएगी और इस चुनाव में लोगों को अपने जल, जंगल, जमीन, झारखंड, देश, संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए प्रेरित किया जाएगा. इसके लिए पर्चा बांटा जाएगा.

58 लाख बिजली उपभोक्ताओं की कौन सुने, फोरम में अध्यक्ष ही नहीं

प्रमुख संवाददाता। रांची

- पलामू में चार, चाईबासा में एक और बोकारो में दो साल से अध्यक्ष नहीं
- राजधानी रांची के उपभोक्ताओं की भी कोई सुनने वाला नहीं
- किसी भी फोरम में उपभोक्ताओं की ओर से प्रतिनिधि नहीं

एक तरफ झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग बिजली की नई दर जारी करने में जुटा है. दूसरी तरफ राज्य के 58 लाख उपभोक्ताओं की शिकायतों को कोई सुनने वाला नहीं है. उपभोक्ताओं के शिकायतों के निवारण के लिए हर लाइसेंसी को कंज्यूमर ग्रिवांस रिडरेशन फोरम का गठन करना था. फोरम का गठन हुआ, लेकिन अध्यक्ष नहीं होने से काम काज बाधित हो रहा है. फोरम में डिस्ट्रिक जज स्तर के अधिकारी की नियुक्ति होनी है.

मेदिननीनगर में चार साल से अध्यक्ष की नहीं हुई नियुक्ति : पलामू के बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुनने वाला कोई नहीं है. पलामू में कंज्यूमर ग्रिवांस रिडरेशन फोरम में पिछले चार साल से अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो पाई है. वहीं रांची में भी अध्यक्ष का पद खाली है. चाईबासा में 22 मई 2022 से अध्यक्ष का पद खाली पड़ा हुआ है. बोकारो में 19 नवंबर 2021 से अध्यक्ष का पद खाली है. जबकि मेदिनीनगर सात नवंबर 2019 से अध्यक्ष का पद खाली है.

क्या है नियम : अगर पावर सप्लाई करने वाला लाइसेंसी फोरम में अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति नहीं करता है, तो विद्युत नियामक आयोग उस लाइसेंसी के खिलाफ कार्रवाई भी कर सकता है. खास बात यह है कि फोरम में उपभोक्ताओं की ओर से एक प्रतिनिधि का होना जरूरी है. लेकिन अब तक उपभोक्ताओं की ओर से एक भी फोरम में प्रतिनिधि नहीं है.

गणतंत्र दिवस में भाग लेने झारखंड के 21 योग प्रशिक्षक दिल्ली रवाना

संवाददाता। रांची

आयुष मंत्रालय ने झारखंड के 21 योग प्रशिक्षकों का चयन 26 जनवरी गणतंत्र दिवस में विशिष्ट अतिथि के रूप में किया है. इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सभी 21 प्रशिक्षक दिल्ली रवाना हुए. झारखंड के हर जिले से योग प्रशिक्षकों का चयन किया गया है. आयुष निदेशालय झारखंड सरकार की निदेशक सीमा कुमारी उदयपुरी ने एचडब्ल्यूसी का नोडल अफसर दिवाकर कुमार झा को नियुक्त किया. योग प्रशिक्षक, डॉ अर्चना कुमारी की देखरेख में सभी दिल्ली रवाना हुए. पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस परेड में योग को स्थान दिया है.

भाग लेने वाले योग प्रशिक्षक

पूनम तिवारी-बोकारो, शौर्या कुमारी-चतरा, अनोज कुमार-देवघर, बिनय पंडित-धनबाद, संतोष गोस्वामी-दुमका, शशि कुमार चौधरी-गढ़वा, आनंद कुमार वर्मा-गिरिडीह, प्रियंका कुमारी-गोड्डा, तुलसी साहू-गुमला, संजीव कुमार सिंह-हजारीबाग, रंजीत प्रसाद यादव-जामताड़ा, नमित नाग-खूंटी, सुषमा सुमन-कोडरमा, घनश्याम यादव-लातेहार, प्रसेनजीत राजबंशी-पाकुड़, पवन कुमार गुप्ता-पलामू, धनराज सिंह-रामगढ़, डॉ अर्चना कुमारी-रांची, नीलरतन खान-सरायकेला, दिव्येन्द्र कुमार प्रसाद-सिमडेगा, दीपक पासवान-पश्चिमी सिंहभूम.

स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट

झारखंड के 13 जिलों में डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का नहीं हो रहा कार्य

रांची । झारखंड के 13 जिलों में डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का कार्य नहीं हो रहा है. इनमें धनबाद, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, पाकुड, साहिबगंज, दुमका, रामगढ़, सरायकेला, चतरा, गिरिडीह, गोड्डा और दुमका शामिल हैं. स्पेशल ब्रांच ने आदेश जारी किया था कि राज्य के सभी जिलों में आईवीएफआरटी के तहत वीपीएन टोकन के माध्यम से डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का चालू होना अनिवार्य है. लेकिन 13 जिलों में यह कार्य नहीं हो रहा है. आईवीएफआरटी के डिस्ट्रिक पुलिस मॉड्यूल का उद्देश्य राज्य पुलिस को जिला स्तर तक उनके अधिकार क्षेत्र में प्रामाणिक विदेशी जानकारी से लैस करना और देश में अवैध प्रवासियों पर नजर रखने में सक्षम बनाना है. डीपीएम मॉड्यूल पुलिस अधिकारियों को आईवीएफआरटी के विभिन्न स्तंभों जैसे वीजा, आव्रजन, एफआर (विदेशी पंजीकरण), सी-फॉर्म (होटल / एकोमोडेटर डेटा) और एस-फॉर्म (शैक्षिक संस्थान/अस्पताल प्रवेश डेटा) से प्राप्त प्रामाणिक विदेशी जानकारी प्रदान करता है.

पाकुड़ में बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन

मनाया गया बालिका दिवस समारोह

संवाददाता ।पाकुड़

पाकुड़ महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के तत्वावधान में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत 19 जनवरी से 24 जनवरी तक राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया जा रहा है. इसके अंतर्गत मंगलवार को जिले में जिला समाज कल्याण विभाग के सौजन्य से विभिन्न प्रखंडों के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रो मे बेटी बचाओ बेटी पढाओ के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.

इस योजना का उद्देश्य जन्म के समय लिंगानुपात में सुधार, संस्थागत प्रसव के प्रतिशत में सुधार, बालिकाओं के बीच स्कूल छोड़ने की दर को रोकना, सुरक्षित माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढाया जाना है. हिरणपुर एवं अमड़ापाड़ा परियोजना अंतर्गत कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में महिला सशक्तीकरण एवं कौशल विकास पर आधारित दंगल फिल्म के माध्यम से महिला सशक्तीकरण कौशल एवं पेड मैन के माध्यम से माहवारी स्वच्छता प्रबंधन को बढावा देने हेतु प्रोत्साहित किया गया. इसके अलावे कक्षा 6 से 12 में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चियों को डायरी पेन देकर सम्मानित किया गया. साथ ही बच्चियों द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण, सेल्फी एवं शपथ ग्रहण भी करवाया गया. इसके अलावा पाकुड़ परियोजना के तहत बेटी जन्मोत्सव को हीरानंदनपुर पंचायत में मुखिया नेपु सरदार,पंचायत समिति सदस्य मानसिंह किस्कू की उपस्थिति में लखी सरकार की पुत्री राधिका सरकार जिनका जन्म 20 दिनों पूर्व एवं सुमोना दास जिनकी पुत्री परी दास का जन्म एक माह पूर्व हुआ, उस बच्चियों को केक कटवाकर सम्मानित किया गया. वहीं महेशपुर एवं पाकुड़िया में भी पौधारोपण एवं अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

इतिहास के झरोखे से मजबूत होती गयी रांची में ऑल चर्च कमेटी, आयोजित किये जाते रहे अनेक कार्यक्रम

61 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था खीस्तीय एकता प्रार्थना सप्ताह

जयंती कच्छप ।रांची

ऑल चर्च कमेटी रांची (सर्व कलीसियायी समिति रांची) के तत्वावधान में 61 वर्ष पूर्व ख्रीस्तीय एकता प्रार्थना सप्ताह प्रारंभ हुआ. ऑल चर्च कमेटी का रांची में 1969 में गठन हुआ. इससे पूर्व इंडियन सोशल इंस्टीट्यूट (आईएसआई) नई दिल्ली ने एक सर्वे कराया, जिसे "दि छोटानागपुर सर्वे " कहा गया. सर्वे के लिए छोटानागपुर की कलीसियाओं की मदद ली गई. सर्वे में मुख्य भूमिका निभाने वालों में शामिल थे फादर तुअने, जेटेलिस नायक, फादर माइकल. एक मीटिंग झारखंड के मांडर में रखी गई, जिसमें आर्च बिशप पीयूष केरकेट्टा, बिशप सअबि दिलबर हंस व बिशप निर्मल मिंज शामिल थे. फलस्वरूप विकास मैत्री नामक संस्था की स्थापना हुई, जिनमें छोटानागपुर के लोगों के विकास के कार्य पूरा किये गये. इसी दौरान 1962 में 18 जनवरी से 25 जनवरी तक रांची के विभिन्न मसीही वर्ग एक स्थान पर एकत्रित हुए.

सबसे पहले यह सभा रांची के संत अलबर्ट कॉलेज सेमिनरी प्रांगण में हुई. इसी सभा में ख्रीस्तीय एकता प्रार्थना सप्ताह प्रारंभ किया गया. इसके बाद एक सप्ताह के अंतराल में विभिन्न स्थानों पर सभाएं आयोजित की जाने लगीं. इन आयोजनों का फादर वान्डेन माइकल बोगार्ट यांस ने नेतृत्व किया. बाद में कुछ कारणवश दस सालों तक एकता प्रार्थना बंद हो गयी थी, पर कलीसिया अपने स्थान पर एकता सप्ताह पर प्रार्थना करते रहे. दोबारा से 1995 से इसमें गति आई और अब तक जारी है. रांची वाईएमसीए के महासचिव नित्यानन्द नायक ने एकता सप्ताह के आयोजन में अपना भरपूर योगदान दिया.

वाईएमसीए की 25वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम

16 जनवरी 1994 को वाईएमसीए की 25वीं वर्षगांठ पर विभिन्न कार्यक्रम हुए. जिसमें सभी कलीसियाओं ने योगदान दिया. इस अवसर पर रांची के संत पॉल महागिरजा बहुबाजार में धन्यवादी प्रभु भोज की आराधना हुई. कलीसिया के लगभग चार हजार की संख्या में उपस्थित थे. एक मेथोडिस्ट पास्टर रेव्ह. तानची कियोंग, वाईएमसीए एशिया अलायंस एवं पैसेफिक अलायंस, डोंग् कॉग के महासचिव ने प्रभु का संदेश दिया. आर्चबिशप तेलेस्फोर पी. टोप्पो ने आशीर्वाद वचन दिया. इसमें नित्यानन्द नायक एवं फादर जोस डिकायपर की भूमिका रही.

वाईएमसीए नॉर्वे के गायक दल का रांची आगमन हुआ था

नवंबर 1998 में गोस्सनर इवेंजेलिकल लूथेरान कलीसिया की 150वीं जयंती का आयोजन हुआ, जिसमें नॉर्वे वाईएमसीए के गायक दल ने भाग लिया. गुड न्यूज फेस्टीवल का आयोजन नवंबर 1998 में किया गया, जिसमें बिली ग्राहम टीम के डॉ.अकबर हक्क मुख्य वक्ता थे. वर्ल्ड विजन इंटरनेशनल के रेव्ह. डॉ. सैम कमलेसन कई बार रांची आए, जब उन्होंने इस प्रकार की आत्मिक जागृति और खीस्तीय अगुवाओं के सम्मेलन को संबोधित किया. इसका आयोजन एसीसीआर और ईएफआई की ओर से किया गया था.

सीसीएल रांची में धूमधाम से मनाया गया पराक्रम दिवस

संवाददाता। रांची

सीसीएल रांची में मंगलवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 127 वीं जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस मनाया गया. इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने लोगों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के शौर्य और पराक्रम को याद करते हुए उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की. कर्मियों ने भारत की स्वतंत्रता हेतु नेताजी द्वारा किए गए संघर्षों का स्मरण करते हुए उनके मूल्यों को आत्मसात करने की बात की. इस अवसर पर सीएमएस गांधीनगर डॉ. सुमन सिंह विभागाध्यक्षा (कल्याण) रेखा पांडे ,विभागाध्यक्ष (प्रशासन) सुजीत गोस्वामी, विभागाध्यक्ष(मैनपॉवर) कविता गुप्ता , पी.के सिन्हा, आरके सिंह सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे. कार्यक्रम के आयोजन में कल्याण विभाग एवं अन्य की भूमिका रही.

Her Story

डॉ श्वेता लाल
स्त्री रोग विशेषज्ञ

बर्थ डिफेक्ट अवेयरनेस मंथ

साल की पहला महीना हम उस जागरुकता के नाम समर्पित करते हैं जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और खुशहाल रहे. जी हां जनवरी माह बर्थ डिफेक्ट अवेयरनेस मंथ के नाम से भी जाना जाता है. इस साल इसकी थीम है -एवरी जर्नी मैटर्स. हर साल लगभग 8 मिलियन बच्चे जन्मजात विकारों (बर्थ डिफेक्ट) के साथ जन्म लेते हैं. तमाम प्रेग्नेंसी में करीब 7 प्रतिशत मामले ऐसे होते हैं जब गर्भावस्था में बच्चों में बर्थ डिफेक्ट्स हो जाते हैं. आइए जाने कि क्यों होते हैं बर्थ डिफेक्ट और इनसे कैसे बचा जा सकता है.

गोद में खुशियां

गर्भ में कोई नन्हीं सी जान आकार ले रही यह अहसास भावी मां के लिए कितना सुखद है, इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है. नौ महीने का सफर मां के लिए जिंदगी का सबसे यादगार पल होता है. तमाम तकलीफों के बाद भी सबसे खुशनुमा. गोद में जब नन्हा शिशु आता है तो दर्द बिसरा कर आंचल भींग जाता है. लेकिन तब या कुछ समय बाद पता चलता है कि शिशु किसी जन्मजात रोग यानी बर्थ डिफेक्ट से पीड़ित है तो वह दर्द मिटाए नहीं मिटता.

क्या है बर्थ डिफेक्ट

बर्थ डिफेक्ट्स का मतलब है गर्भस्थ शिशु के विकास में कुछ असामान्यताएं होना. कई बार इसकी पहचान प्रेग्नेंसी के दौरान ही हो जाती है तो कई बार बच्चे के जन्म के एक-दो साल में इस बात की जानकारी मिल पाती है. बर्थ डिफेक्ट से ग्रसित बच्चों के हार्ट, ब्रेन, स्पाइन, स्किन आदि में सामान्य से अलग स्ट्रक्चर नजर आ सकता है. बर्थ डिफेक्ट बॉडी के बनावट, बॉडी ऑर्गन्स के फंक्शन या दोनों को प्रभावित कर सकते हैं. बच्चे के अंग विकसित न होना, नाक या होंठ पूरी तरह से विकसित न होना या दिमागी तौर पर विकास का रुक जाना शामिल है.

दो प्रकार के बर्थ डिफेक्ट

बर्थ डिफेक्ट को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है, संरचनात्मक दोष और कार्यात्मक दोष. जब शरीर का कोई हिस्सा गलत विकसित हुआ है या गायब होता है तो इसे संरचात्मक दोष कहते हैं. जैसे फटे होंठ, तालु, हृदय दोष, क्लबफुट आदि. वहीं जब शरीर का हिस्सा सही तरह से काम नहीं करता है तो इसे कार्यात्मक दोष कहते हैं. इसमें तंत्रिका तंत्र की समस्याएं, चयापचय संबंधी दोष आदि शामिल हैं. इस दोष के कई हिस्से हैं.

प्रतिरक्षा विकार (इम्यून डिजॉर्डर)
इसमें बच्चे को कैंसर, एलर्जी आदि होने की आशंका होती है.

डिजेनेरेटिव डिसऑर्डर
इसके तहत बच्चा सामान्य तौर पर विकसित होता है, लेकिन उसे काम करने में समस्या आती है.

सेंसरी डिसऑर्डर
अंधापन, सुनने में दिक्कत व अन्य समस्याएं इसी के तहत आती हैं.

स्पेक्ट्रम विकार
बोलने-सुनने में दिक्कत, ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर आदि समस्याएं इसमें शामिल हैं.

इस सिंड्रोम के कारण बच्चे का मानसिक और शारीरिक विकास बाधित होता है.

सिस्टम फाइब्रोसिस
इसके तहत बच्चे के फेफड़े और पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है.

ऐसे होगा बचाव

लाइफस्टाइल में बदलाव और थोड़ी सी जागरुकता मां के हिस्से आए इस दर्द की आशंका को कम कर सकती है. आइए इससे बचाव के कुछ उपाय जानें-

मोटापे को करें कंट्रोल

बेहतर हो जब मां बनने का निर्णय लें, अपने वजन को नियंत्रित करने की कोशिश भी शुरू कर दें. मोटापे की वजह से प्रेग्नेंसी में कई तरह के कॉम्पलिकेशन हो सकते हैं. गर्भस्थ शिशु में कई तरह के बर्थ डिफेक्ट होने की आशंका भी बढ़ जाती है.

स्मोकिंग-अल्कोहल से बचें

कई बार महिलाएं खुद सिगरेट नहीं पीतीं लेकिन परिवार का कोई सदस्य सिगरेट पीता है तो उसका धुआं अप्रत्यक्ष तौर पर महिला के फेफड़े तक भी पहुंचता है, यह घातक है. इस तरह प्रेग्नेंसी के दौरान शराब भी बच्चे के विकास को प्रभावित कर सकता है. यह ब्लडस्ट्रीम से पास होते हुए बच्चों के एंबिलिकल कॉर्ड तक पहुंच सकता है.

शुगर लेवल पर दें ध्यान

कई सीरियस बर्थ डिफेक्ट के लिए मां का ब्लड शुगर लेवल जिम्मेदार हो सकता है. यह अन्य प्रेगनेंसी कॉम्प्लिकेशंस को भी बढ़ा देता है. अगर प्रेगनेंसी के दौरान ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है तो चिकित्सक के संपर्क में रहें और उनकी बातों का गंभीरता से पालन करें.

400 एमजी फोलिक एसिड प्रतिदिन

फोलिक एसिड का नियमित सेवन कई मेजर बर्थ डिफेक्ट जैसे ब्रेन और स्पाइन संबंधी समस्याओं के खतरे को कम कर देता है, ऐसे में कंसीव करने के लगभग एक महीने पहले से ही पर्याप्त मात्रा में फोलिक एसिड लेना शुरू कर देना चाहिए, जिसे आपको प्रेगनेंसी में भी जारी रखना है. इससे बर्थ डिफेक्ट के खतरे से बचा जा सकता है.

डॉक्टर की सलाह जरूरी

प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले चिकित्सक से मिलें. चिकित्सक के निर्देशन में प्रेग्नेंसी से कई तरह की समस्याओं से बचाव हो सकता है. किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या है, या फिर आप उसकी दवाइयां ले रही हैं तो इनके बारे में डॉक्टर को जरूर बताएं. अगर पहले से मेडिकल कंडीशन जैसे डायबिटीज या थाइरोइड है, तो कोशिश करें कि वह कंट्रोल में ही रहें. साथ ही आप जो दवाई ले रही हैं, उसे प्रेग्नेंसी के दौरान डॉक्टर की सलाह पर बदल सकते हैं. कुछ मेडिसिंस के कंपोजिशन हार्मोनल इंबैलेंस का कारण बनते हैं और इसकी वजह से बर्थ डिफेक्ट हो सकता है. प्रेग्नेंसी की शुरुआत में अल्ट्रासाउंड कराने से समय पर समस्या की पहचान हो जाती है.

पौष्टिक आहार

महिलाओं को प्रेग्नेंसी ही नहीं, जिंदगी के शुरुआती दिनों से अपनी डाइट का पूरा ख्याल रखना चाहिए. आयरन, फाइबर, विटामिन, प्रोटीन आदि से भरपूर आहार लें. जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बरतें. प्रेग्नेंसी में कोई भी न्यूट्रिशनल डेफिशिएंसी न हो, इसका ध्यान रखें. साथ ही बचपन में ली जाने वाली रूबेला वैक्सीन को लेना भी न भूलें.

पालतू जब पास हो

घर में अगर पालतू कुत्ते, बिल्ली, खरगोश आदि हो तो खास सावधानी बरतनी जरूरी है. उन्हें जब भी स्पर्श करें तो उसके बाद हाथ साबुन से जरूर धोएं. अन्यथा टॉर्च इंफेक्शन होने की आशंका होती है.

जरूरी वैक्सीनेशन करवाएं

प्रेगनेंसी प्लान करने से पहले और प्रेग्नेंसी के दौरान सभी आवश्यक वैक्सीन जरूर लगवाएं. वैक्सीन नहीं लगवाना भी चाइल्ड बर्थ डिफेक्ट का कारण बन सकता है.

बर्थ डिफेक्ट के कारण

लगभग 30% प्रेग्नेंसी में इन बर्थ डिफेक्ट्स का कारण पता चल जाता है और 70% प्रेग्नेंसी में बर्थ डिफेक्ट्स का कारण स्पष्ट नहीं हो पाते. आमतौर पर जेनेटिक, मेडिसिन साइड इफेक्ट्स, इंवारन्मेंटल फैक्टर या फिर प्रेग्नेंसी में कॉम्प्लिकेशन्स, इन चार कारणों को जिम्मेदार माना जाता है.

जेनेटिक डिफेक्ट

जेनेटिक डिफेक्ट यानी पेरेंट्स के क्रोमोसोम्स में डिफेक्ट होना या आपस में मिल कर बने एम्ब्रियो के क्रोमोसोम्स में कोई डिफेक्ट होना. डाउन सिंड्रोम, एडवर्स सिंड्रोम, पटाऊ सिंड्रोम आदि के साथ बच्चे के जन्म की वजह यही होती है. आमतौर पर इसका पता प्रेग्नेंसी के दौरान अल्डासाउंड कराने में चल जाता है.

अधिक उम्र में मां बनना

भावी मां की उम्र 35 या अधिक है तब भी क्रोमोसोमल एबनॉर्मेल्टीज का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे बच्चे का डाउन सिंड्रोम जैसे जन्मजात दोष से पीड़ित होने की आशंका होती है.

मेडिसिन साइड इफेक्ट

किसी खास मेडिकल कंडीशन के लिए भावी मां यदि कोई दवा ले रही है, तो उस दवाई के साइड इफेक्ट्स से भी बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स आ सकते हैं.

प्रेग्नेंसी कॉम्प्लिकेशन्स

प्रेग्नेंसी कॉम्प्लिकेशन्स जैसे प्रेग्नेंट महिला को तेज बुखार होना या फिर कोई इन्फेक्शन हो जाना, यूट्रस के अंदर पानी कम हो जाना भी बच्चों में बर्थ डिफेक्ट्स का कारण बन सकते हैं.

एनवायर्नमेंटल फैक्टर्स

एनवायर्नमेंटल फैक्टर्स यानी पर्यावरणीय कारक जैसे शराब, स्मोकिंग, किसी केमिकल के संपर्क में आना या प्रदूषण से भी कई बार बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स हो सकते हैं. टॉर्च इन्फेक्शन, रूबेला इन्फेक्शन जैसे संक्रमणों के प्रति मेटर्नल एक्सपोजर से भी बच्चे में बहुत सारे बर्थ डिफेक्ट्स हो सकते हैं. इंफ्लूएंजा होना या कोई भी वायरल फीवर या हाई ग्रेड फीवर होने से बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स आ सकते हैं. इसके अलावा मां का चिकन पॉक्स से ग्रसित होना या पालतू जानवर से जुड़े इन्फेक्शन से भी बच्चे में डिफेक्ट्स आ सकते हैं.
कुछ रेडिएशन एक्सपोजर जैसे कि एक्स-रे या सीटी स्कैन के एक्सपोजर से भी बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स हो सकते हैं. साथ ही कुछ न्यूट्रिशनल फैक्टर्स और माइक्रो न्यूट्रिशन की कमी से भी बच्चों में जन्म संबंधी विकार हो सकते हैं.

काली मिर्च के हैं सुनहरे फायदे

क्वीन ऑफ़ स्पाइस नाम से पहचान रखने वाली काली मिर्च सदियों से हमारी मसालेदानी का हिस्सा है. यह स्वाद तो बेहतर करती ही है, साथ ही कई बीमारियों के इलाज़ में भी राहत दिलाती है. आयुर्वेद में पारंपरिक चिकित्सा के लिए हज़ारों सालों से काली मिर्च का उपयोग होता आ रहा है. आइए, इसके कुछ औषधीय उपयोग से हों वाकिफ-

- मलेरिया में काली मिर्च के सेवन से लाभदायक है. आंखों की रोशनी के लिए भी यह गुणकारी है.
- शरीर के किसी भाग में सूजन होने पर काली मिर्च को पीसकर लेप करने से सूजन जल्दी ही ठीक हो जाता है.
- खाने में अरुचि, बदहज़मी और सांस की बीमारी जैसे दमा आदि में काली मिर्च के सेवन से बहुत लाभ होता है.
- 8 काली मिर्च को एक चम्मच देसी घी और थोड़े से गुड़ को साथ मिलाकर रोज़ाना चाटने से याद्दाशत में सुधार होता है तथा दिमागी कमज़ोरी दूर होती है.
- खांसी से परेशान हैं तो खाने के बाद चुटकीभर पीसी हुई काली मिर्च व आधा टेबलस्पून घी को साथ मिलाकर चाटें.
- 5 काली मिर्च के पाउडर को आधे ग्लास पानी में मिलाकर पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है.
- बच्चे पेट के कीड़े से परेशान हों तो छाछ में चुटकी भर काली मिर्च पाउडर मिला कर रात में पिलाएं. पेट के कीड़े मर कर निकल जाएंगे.
- गैस व अपच की शिकायत रहती हो तो कटे नींबू पर काला नमक और काली मिर्च का पाउडर लगाकर उसका रस चूसें.
- बवासीर की शिकायत हो तो जीरा, शक्कर और काली मिर्च के दानों को पीसकर पाउडर बना लें और इस चूरन को सुबह और शाम आधा टीस्पून खाएं.

चाहे व्यंजनों में मसाले के रूप में करें या औषधि के रूप में सेवन करें. कालीमिर्च के नियमित इस्तेमाल (मसालों या दवाई के रूप में) से शरीर में सेरोटोनिन हार्मोन बनता है. इससे मूड बेहतर होता है और डिप्रेशन में भी फ़ायदा मिलता है.

अचीवर्स

तरंग मित्तल

यूं बनाई खुद की पहचान

व्यवसायी सुरेंद्र प्रसाद अग्रवाल और गृहणी लीला देवी के घर जन्मीं तरंग मित्तल को शुरुआती स्कूल शिक्षा बहुत बेहतर मिली. बिशप वेस्कॉट गर्ल्स स्कूल नामकुम की बोर्डिंग में उन्होंने शुरुआती पढ़ाई की. बाद में सीनियर क्लासेज संत अन्ना स्कूल से पूरा हुआ. ख्वाब था डॉक्टर बनने का. लेकिन ग्रेजुएशन करते समय ही एक अच्छा रिश्ता आया और उनका ब्याह कर दिया गया. पढ़ाई अधूरी रह गई. पति इंजीनियर हैं, लेकिन ससुराल गांव (हैदर नगर, पलामू) में थी. कॉन्वेंट में पढ़ी लिखी और कभी गांव नहीं रहीं तरंग शादी के बाद पूरे छह साल तक गांव में रहीं. लेकिन इसका कोई मलाल उन्हें नहीं था. गांव के परिवेश को, हर रिश्ते को पूरा जिया. इस बीच उनकी दो बेटी और एक बेटा दोनों हुए जिनकी परवरिश में उनके ससुराल वालों के साथ उनके पैरेंट्स ने भी सहयोग किया.
दो बच्चे आईआईटी की पढ़ाई में पहुंचे, बड़ी बेटी तो अब जॉब भी करने लगीं. जिंदगी से कहीं कोई शिकायत नहीं थी, पर अपना करियर नहीं बनने की कसक जरूर रहती. उम्र के चौथे दशक में जब कई जिम्मेदारियों से राहत मिली, खुद पर फोकस करना शुरू किया. आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़ीं और उसके पवित्रा प्रोजेक्ट के जरिए समाज सेवा के क्षेत्र में उतरीं. सुष्मिता सेन हमेशा से आदर्श रही हैं. इसलिए जब मिसेज इंडिया वन इन द मिलेनियन में शरीक होने का मौका आया तो पीछे नहीं हटी. इसके लिए पर्सनल ग्रूमिंग के सेशंस भी लिए. गुरुग्राम में आयोजित प्रतियोगिता के बाद वे मिसेज झारखंड क्लासिक स्टेट विनर रहीं. यह जिंदगी का यू टर्न था जिससे उनकी बहु, बेटी, मां, पत्नी से अलग एक पहचान मिली. अब पैरेंटिंग सेशंस लेकर सेवा करना चाहती हैं.

advt

कांच के बर्तन होंगे चकाचक

कांच के बर्तनों को गर अच्छी तरह साफ नहीं किया जाए तो दाग धब्बे रह जाते हैं और वह शाइनी नहीं लगता. साफ करने के कुछ टिप्स-

- एक भगोने में पानी और बोरेक्स पाउडर मिला कर इसमें कांच के बेकिंग डिश को रख दें. कुछ देर बाद इसे नॉर्मल पानी से धोकर साफ कर लें. बर्तन में जमे हुए धब्बे गायब हो जाएंगे.
- गर्म पानी में लिक्विड सोप, अमोनिया की कुछ बूंदें और छोटा चम्मच नमक डालकर मिलाएं और इससे कांच के बर्तन साफ करें.
- कट डिजाइन के कांच के क्रॉकरी को साफ करने के लिए सफेद सिरका और गर्म पानी के घोल का उपयोग करें.

चेहरे की लकीरें, झुर्रियां, त्वचा का बेरौनक होनाउम्र की चुगली करने में कई बातें असर कर जाती हैं. यदि आप भी चालीस साल के ऊपर की हैं तो त्वचा को लेकर थोड़ी अधिक सजगता जरूरी है. आइए आज जानें कि चालीस साल की उम्र में 25 साल वाली त्वचा कैसे पाएं..

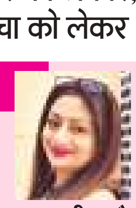

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

उम्र की चुगली नहीं कर पाएगी त्वचा

उम्र के साथ ही हमारी त्वचा के छिद्र बड़े होने लगते हैं. त्वचा में ढीलापन आने लगता है. त्वचा में कसाव के लिए चेहरे की मसाज जरूरी है. 2 बूंद बादाम का तेल हथेली में लेकर चेहरे की अपवर्ड डायरेक्शन में मसाज करें. रात में सोने से पहले और फिर सुबह उठते ही हल्के हाथों का पांच मिनट का ये मसाज स्किन पोर्स का साइज कम करेगा और ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर करेगा.

कोलेजन करें बूस्ट

40 प्लस की उम्र में त्वचा में कोलेजन बनना कम हो जाता है. इससे त्वचा में ढीलापन आता है. डाइट में कोलेजन युक्त फूड आइटम्स को बढाएं. चेहरे की दूध से सफाई करें. दूध में फैटी एसिड्स होते हैं जो त्वचा में कोलेजन के प्रोडक्शन को बूस्ट करते हैं. इससे आपकी त्वचा का ढीलापन दूर होता है.

सनस्क्रीन है जरूरी

चालीस की उम्र के बाद विशेषतौर पर सनस्क्रीन को अपने कॉस्मेटिक बैग में शामिल करें. एसपीएफ-30 या से इससे भी अधिक एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का उपयोग करें. भले घर में हो, तब भी इसका उपयोग होना चाहिए. माइल्ड फेसवॉश से चेहरा साफ कर टोनर लगाएं. फिर दो-तीन ड्रॉप्स सीरम. इसके बाद लोशन और फिर आखिरी में सनस्क्रीन लगाएं.

हाईड्रेशन जरूरी

इसके लिए जहां ढेर सारा पानी, फलों का ताजा रस, नारियल पानी आदि पीना जरूरी है, वहीं रात में सोने से पहले चेहरे पर गुलाब जल लगाएं. रात में सोते वक्त त्वचा के अंदर मौजूद कोशिकाएं त्वचा में आई त्रुटियों को सुधारने का काम करती हैं. ऐसे में शरीर का सारा पानी सूखने लगता है और त्वचा डीहाइड्रेटेड हो जाती है. इसलिए रात में सोने से पहले आपको नारियल पानी, गुलाब जल, एलोवेरा जेल आदि चेहरे पर लगाना चाहिए.

खानपान पर ध्यान

उम्र के इस दौर में प्लेट को लेकर विशेष सजग हों. ढेर सारा सलाद, मौसमी फल खाएं. मोटा अनाज खाएं. तरल पदार्थ का सेवन करें. तले भुने, प्रोसेस्ड और जंक फूड से दूर रहें. विटामिन सी और ई का सेवन ज्यादा करें और प्रॉसेस्ड फूड से दूरी बनाकर रखें.

भरपूर नींद

उम्र के चौथे दशक में नींद पूरी करने पर विशेष ध्यान दें. नींद पूरी होगी तो स्किन जवां और चमकदार नजर आएगी. इससे तनाव दूर रहता है. 8 घंटे नींद लेना बहुत जरूरी है.

फेशियल योगा करें

इसे भी असरकारक माना जाता है. इसके लिए गर्दन सीधी रखकर आईब्रो ऊपर-नीचे करें. अब भौहें सिकोड़ें, माथे पर आड़े व खड़े सल डालें. गर्दन सीधी रखें व ऊपर-नीचे देखें. आंखों को गोल घुमाएं दोनों दिशा में. आंखों पर हथेली रगड़कर कुछ देर रखें. सुबह व रात आंखों को ठंडे पानी से धोएं. नथुने फुलाएं व ढीला छोड़ दें. पूरा मुंह खोलें व बंद करें. जबड़ा दाएं-बाएं हिलाएं. होठों को सिकोड़ें व फैलाएं. दांत दिखाएं व बंद करें. मुंह से पाउट बनाएं. दांत पर दांत रखकर जमकर दबाएं. गर्दन की चमड़ी को खीचें, जबड़ा टाइट करें. दस तक गिनते हुए गर्दन को पीछे ले जाएं. मुंह में पानी भरकर हिलाएं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

नोवाक जोकोविच

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : मैराथन मुकाबले में 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता से हारे टेलर फ्रिट्ज

11वीं बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

- 04 घंटे तक चला जोकोविच व फ्रिट्ज के बीच मुकाबला
- 7-6, 4-6, 6-2, 6-3 से जीते जोकोविच

भाषा । मेलबर्न

नोवाक जोकोविच ने टेलर फ्रिट्ज को करीब चार घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में हराकर 11वीं बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. जोकोविच ने यह मुकाबला 7- 6, 4-6, 6-2, 6-3 से जीता. वह जितनी बार भी यहां क्वार्टर फाइनल में पहुंचे , उतनी बार अपराजेय रहे. 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन ने मेलबर्न पार्क पर सभी दस सेमीफाइनल और फाइनल जीते हैं. वह 48वीं बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर या पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव से होगा. जोकोविच ने अब तक एक को छोड़कर सभी मुकाबलों में फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराया था. ऑस्ट्रेलिया में 2021 में मुकाबला पांच सेटों तक खिंचा था.

कोको गॉफ व सबालेंका सेमीफाइनल में

कोको गॉफ

03 घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में जीती गॉफ

- सेमीफाइनल में आपस में भिड़ेंगी गॉफ व सबालेंका

अमेरिका की चौथी वरीय कोको गॉफ ने मंगलवार को यहां मार्ता कोस्तयुक को तीन सेट चले कड़े मुकाबले में 7-6, 6-7, 6-2 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई. चौथी वरीय कोको गॉफ ने पहले सेट में 5-1 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए दो सेट प्वाइंट बचाए और फिर सेट जीत लिया. उन्होंने दूसरे सेट गंवाया लेकिन फिर तीसरा और निर्णायक सेट जीतकर तीन घंटे और आठ मिनट में जीत दर्ज की. कोको गॉफ ने मुकाबले के दौरान 51 सहज गलतियां की जिसमें नौ डबल फॉल्ट भी शामिल हैं. वहीं सबालेंका ने बारबरा क्रेसिकोवा सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर सेमीफाइमल में जगह बनाई. सेमीफाइनल में कोको गॉफ और एरिना सबालेंका बीच मुकाबला होगा. पिछले साल सितंबर में अमेरिकी ओपन जीतने वाली कोको गॉफ ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में लगातार 12 मैच जीत चुकी हैं.

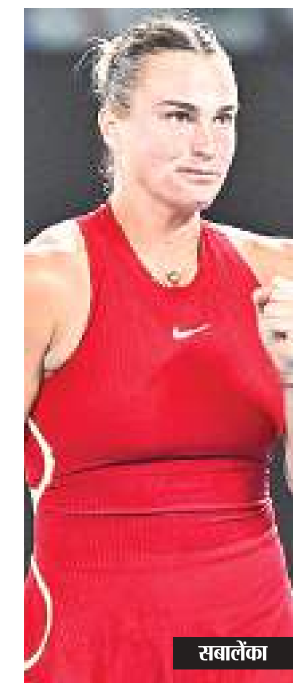
सबालेंका

ब्रीफ खबरें

इंडोनेशिया मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में किरन जॉर्ज

जकार्ता । भारत के किरण जॉर्ज ने इंडोनेशिया मास्टर्स 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरूष एकल क्वालीफाइंग दौर में दो करीबी जीत के बाद मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया. कोच्चि के 23 वर्ष के जॉर्ज ने अब तक दो सुपर 100 खिताब 2022 ओडिशा ओपन और 2023 डेनमार्क मास्टर्स जीते हैं. उन्होंने इंडोनेशिया के शेसार हिरेन रूस्टावितो को 21-17, 12-21, 21-15 से हराया. इससे पहले उन्होंने फ्रांस के एलेक्स लेनियर को 12-21, 21-18, 22-20 से मात दी थी. मुख्य ड्रॉ में सातवीं वरीयता प्राप्त एच एस प्रणय पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लो कीन यू के खिलाफ अभियान का आगाज करेंगे.

भारत 'ए' टीम में रिंकू सिंह को मिली जगह

नयी दिल्ली । रिंकू सिंह को इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ अहमदाबाद में बुधवार से शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए मंगलवार को भारत 'ए' टीम में शामिल किया गया. टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी की झलक दिखा चुके मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में पदार्पण किया था और दो मैच में 17 और 38 रन बनाए. उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 44 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं जिसमें 57.57 की औसत से 3109 रन बनाए हैं.

पाक क्रिकेट की स्थिति बेहद दुखद : मियांदाद

कराची । जावेद मियांदाद ने पाकिस्तान में क्रिकेट के संचालन के तरीके पर दुख जताते हुए कहा है कि राष्ट्रीय टीम में लगातार नियुक्तियों और बदलावों ने खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को हिला दिया है. मियांदाद ने कहा कि मैंने दुनिया में कहीं भी क्रिकेट प्रशासन वैसा नहीं देखा जैसा हम पाकिस्तान में देखते हैं और ये स्थिति बेहद दुखद है. पाकिस्तान के लिए 124 टेस्ट खेलने वाले इस पूर्व कप्तान ने कहा कि हाल के दिनों में क्रिकेट प्रशासन का टीम और खिलाड़ियों पर भी बुरा प्रभाव पड़ा है.

आईसीसी ने साल की सर्वश्रेष्ठ टीम की घोषणा की, भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा

वनडे टीम की कमान रोहित को

भाषा । दुबई

रोहित शर्मा को मंगलवार को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया जिसमें स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और मोहम्मद शमी तथा मोहम्मद सिराज की तेज गेंदबाजी जोड़ी के अलावा दो और भारतीयों को जगह मिली है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बयान के अनुसार टीम में जगह बनाने वाले अधिकतर खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे भारत (उप विजेता) और ऑस्ट्रेलिया (विजेता) के अलावा सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से हैं. एकदिवसीय टीम में पारी का आगाज करने का मौका रोहित और शुभमन गिल को दिया गया है. भारतीय कप्तान ने पिछले साल एकदिवसीय प्रारूप में 52 के औसत से 1255 रन बनाए. गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 208 रन की पारी खेली और 1584 रन के साथ इस प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को जगह मिली है जिन्होंने पिछले साल लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और भारत के खिलाफ फाइनल में 137 रन की पारी खेली. मध्य क्रम में कोहली, न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल के अलावा दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन और मार्को यानसेन शामिल हैं.

गेंदबाजी में सिराज, शमी और कुलदीप की तिकड़ी को जगह

गेंदबाजी आक्रमण में सिराज, शमी और कुलदीप यादव की भारतीय तिकड़ी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा को जगह मिली है. जंपा ने 26.31 के औसत से 38 विकेट चटकाए और विश्व कप के लगातार तीन मुकाबलों में चार विकेट चटकाए. वह प्रतियोगिता में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर रहे. सिराज ने पिछले साल 44 विकेट चटकाए जिसमें श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप फाइनल में 21 रन देकर छह विकेट भी शामिल रहे. भारत ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका पर एकतरफा जीत दर्ज की. कुलदीप ने पिछले साल 49 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किए. पाकिस्तान के खिलाफ

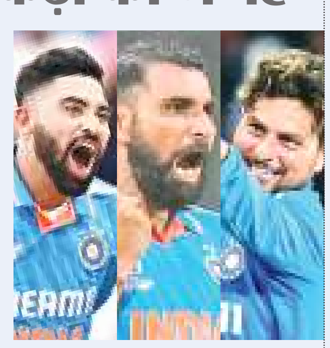

एशिया कप के सुपर चार चरण में 25 रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा. शमी ने पूरे साल शानदार प्रदर्शन करते हुए चार बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मुंबई में विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 57 रन पर सात विकेट रहा.

सूर्याकुमार बने सर्वश्रेष्ठ टी-20 टीम के कप्तान

आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव और अर्शदीप सिंह को जगह मिली है. सूर्यकुमार को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान भी बनाया गया है. उन्होंने 18 मैच में 155.95 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाकर दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की.

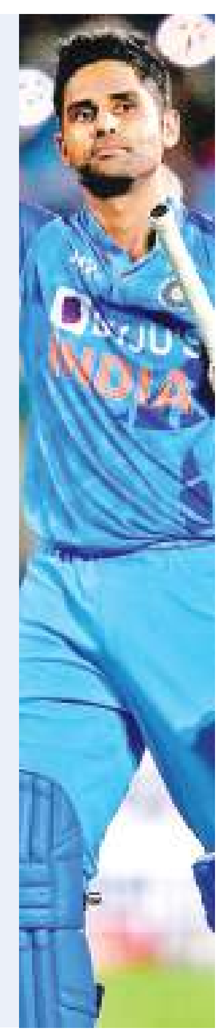

सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जडेजा व अश्विन शामिल

साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को जगह मिली है. ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस को टीम का कप्तान चुना गया है. अश्विन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चार मैच में 25 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज थे. जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में अच्छा प्रदर्शन किया था.

देर रात नशा करने से बेहोश हो गए थे मैक्सवेल : रिपोर्ट

भाषा । सिडनी

हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल पिछले सप्ताह एडीलेड में देर रात शराब पीने के बाद बेहोश हो गए थे और उठाने पर भी नहीं उठे जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा. एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया. पहले रिपोर्ट में इसका जिक्र नहीं था कि मैक्सवेल को अस्पताल क्यों ले जाना पड़ा लेकिन सिडनी मार्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया कि वह बेहोश हो गए थे और रास्ते में ही होश में आये. यह घटना उस समय की है जब मैक्सवेल एक कान्सर्ट में थे. रिपोर्ट में कई सूत्रों के हवाले से कहा गया कि शो के दौरान मैक्सवेल की भीड़ में कई लोगों के साथ तस्वीरें आई. उसके बाद वह और उनके दोस्त स्टेज के पीछे जाकर शराब पीने और गाने लगे. इसमें कहा गया कि इसी दौरान मैक्सवेल बेहोश हो गए और उठाने पर भी नहीं उठे. फिर एम्बुलैंस बुलाई गई और मैक्सवेल को जहां तक याद है कि वह अस्पताल ले जाने के रास्ते में ही उठे. उन्हें थोड़ी देर बार ही अस्पताल से छुट्टी मिल गई और वह अब टीम के साथ हैं.

'बैजबॉल' से मिल सकते हैं ढेरों विकेट: जसप्रीत बुमराह

भाषा । हैदराबाद

भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि इंग्लैंड के अति आक्रामक रवैये 'बैजबॉल' से उन्हें फायदा हो सकता है और पांच मैचों की आगामी टेस्ट श्रृंखला में उन्हें 'ढेरों' विकेट मिल सकते हैं. बुमराह ने कहा कि मैं बैजबॉल शब्द से जुड़ा हुआ नहीं हूं लेकिन वे सफल क्रिकेट खेल रहे हैं और आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी का सामना कर रहे हैं जिससे दुनिया को पता चल रहा है कि टेस्ट क्रिकेट खेलने का एक और तरीका है. जुलाई 2022 में बुमराह को 'बैजबॉल' की झलक तब मिली जब उन्होंने रोहित शर्मा के कोविड-19 के कारण बाहर होने के बाद बर्मिंघम में भारत की कप्तानी की. इस मैच में इंग्लैंड ने आक्रामक रवैया अपनाकर सात विकट से जीत दर्ज की लेकिन इस मुकाबले को स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ एक ही ओवर में बुमराह के 29 रनों के लिए भी याद किया जाता है.

इटालियन सुपर कप : मार्टिनेज ने अंतिम क्षणों में दागा गोल

इंटर मिलान की टीम बनी चैंपियन

एजेंसी । रियाद

लुटारो मार्टिनेज ने रियाद में नेपोली पर 1-0 की रोमांचक जीत में मैच विजयी गोल करके इंटर मिलान का लगातार तीसरा इटालियन सुपर कप सुनिश्चित किया. अर्जेंटीना के स्ट्राइकर ने अतिरिक्त समय के अंतिम सेकंड में डिफेंडर बेंजामिन पावर्ड के अच्छी तरह से रखे गए लो क्रॉस का पूरा उपयोग करते हुए निर्णायक हमला किया. 26 वर्षीय खिलाड़ी ने इस गोल के साथ सीजन में अपना 21वां गोल दागा. मार्टिनेज इंटर मिलान के इतिहास में नौवें सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर बने, उन्होंने पूर्व स्ट्राइकर क्रिश्चियन विएरी के रिकॉर्ड की बराबरी की.

भारतीय टीम के मुख्य कोच द्रविड़ ने कहा- अति आक्रामक रवैया नहीं अपनायेंगे लेकिन-

जरूरत पड़ने पर पीछे नहीं हटेंगे हमारे बल्लेबाज

भाषा । हैदराबाद

भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि उनकी टीम के बल्लेबाज इंग्लैंड के 'बैजबॉल' क्रिकेट का उसी अंदाज में जवाब देते हुए नहीं दिखेंगे लेकिन गुरुवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में अगर ऐसी नौबत आयी तो वे पीछे नहीं हटेंगे. इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है. 'बैज' मैकुलम का उपनाम है. द्रविड़ ने मंगलवार को यहां कहा कि भारत मैच की परिस्थितियों के मुताबिक अपने खेल का रुख तय करेगा. भारतीय कोच ने कहा किमुझे नहीं लगता कि हम अति आक्रामक रुख अपनायेंगे. हम परिस्थितियों के मुताबिक खेलेंगे.

खास बातें

- कल से भारत-इंग्लैंड के बीच शुरू होगी टेस्ट श्रृंखला
- दोनों टीमों के बीच खेली जाएगी पांच मैचों की श्रृंखला

विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे केएल : द्रविड़

राहुल द्रविड़ ने मंगलवार को कहा कि लोकेश राहुल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे और विकेटकीपर की भूमिका के लिए केएस भरत और ध्रुव जुरेल के बीच प्रतिस्पर्धा है. राहुल ने हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला में विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी और विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन किया था. इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला गुरुवार से शुरू होगी. द्रविड़ ने कहा कि राहुल इस श्रृंखला में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेगा और हम अपने चयन को लेकर स्पष्ट हैं.

महिला क्रिकेट महिला प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र की शुरुआत 23 फरवरी से बेंगलुरु में, शेड्यूल जारी

मुंबई इंडियंस व दिल्ली कैपिटल्स के बीच होगा पहला मुकाबला

भाषा । नयी दिल्ली

गत चैंपियन मुंबई इंडियंस महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र के पहले मैच में 23 फरवरी को बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पिछले साल फाइनल में जगह बनाने वाले दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगा. पूरा सत्र बेंगलुरू और दिल्ली में आयोजित किया जाएगा. यहां अरुण जेटली स्टेडियम 15 और 17 मार्च को क्रमशः एलिमिनेटर और फाइनल की मेजबानी करेगा.

इस साल डब्ल्यूपीएल में कुल 22 मैच होंगे और शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में जाएगी जबकि एलिमिनेटर में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम भिड़ेंगी. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में मुंबई इंडियंस ने पिछले साल फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराकर पहले डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता था.

17 मार्च को दिल्ली में होगा फाइनल मुकाबला

22 मैच खेले जाएंगे इस साल डब्ल्यूपीएल में

- पूरे सत्र का आयोजन दिल्ली व बेंगलुरू में होगा

डब्ल्यूपीएल का कार्यक्रम इस प्रकार है

- 23 फरवरी- मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- 24 फरवरी- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम यूपी वारियर्स, बेंगलुरू
- 25 फरवरी- गुजरात जाइंट्स बनाम मुंबई इंडियंस, बेंगलुरू
- 26 फरवरी- यूपी वारियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- 27 फरवरी - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम गुजरात जाइंट्स, बेंगलुरू
- 28 फरवरी - मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वारियर्स, बेंगलुरू
- 29 फरवरी - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- 01 मार्च - यूपी वारियर्स बनाम गुजरात जाइंट्स, बेंगलुरू
- 02 मार्च - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम मुंबई इंडियन्स, बेंगलुरू
- 03 तीन मार्च- गुजरात जाइंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- 04 मार्च - यूपी वारियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, बेंगलुरू
- 05 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली
- 06 मार्च - गुजरात जाइंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली
- 07 मार्च - यूपी वारियर्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली
- 08 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वारियर्स, दिल्ली
- 09 मार्च- मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली
- 10 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली
- 11 मार्च - गुजरात जाइंट्स बनाम यूपी वारियर्स, दिल्ली
- 12 मार्च - मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली
- 13 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली
- 15 मार्च- दिल्ली में एलिमिनेटर
- 17 मार्च - दिल्ली में फाइनल

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग

सात्विक-चिराग की जोड़ी विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंची

भाषा । नयी दिल्ली

पिछले दो सप्ताह से शानदार प्रदर्शन कर रहे भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार को बीडब्ल्यूएफ पुरूष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंच गए. एशियाई खेलों की चैंपियन यह जोड़ी मलेशिया ओपन सुपर 1000 और इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंटों में उपविजेता रही थी. दोनों पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद पहली बार शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचे. इंडिया ओपन फाइनल में उन्हें विश्व चैंपियन कांग मिन युक और सिओ सांग जाए ने हराया. अन्य भारतीयों में एच एस प्रणय आठवें नंबर पर पहुंच गए जबकि लक्ष्य सेन, किदाम्बी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत क्रमशः 19वें, 25वें और 30वें स्थान पर बने हुए हैं.

ब्रीफ खबरें

फोटो डालने पर युवती ने लगायी फांसी

नवादा। नवादा में मानसिक रूप से परेशान एक युवती ने खुद की जीवन लीला ही समाप्त कर ली. बताया जाता है कि एक युवक ने युवती की अश्लील फोटो और वीडियो वायरल कर दी थी, जिससे वो काफी परेशान हो गई. घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है. घटना नवादा के नगर थाना क्षेत्र की है. परिजन ने बताया कि युवती शहर के एक मोहल्ले में अपने भाई और परिजनों के साथ रहकर पढ़ाई करती थी. भाई ने बताया कि उसके गांव का एक युवक मोबाइल पर आपत्तिजनक तस्वीर और वीडियो भेजता था.

नवादा में पुलिस के हत्थे चढ़े तीन आरोपी

नवादा। कौवाकोल थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक लूट कांड मामले में तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है. डीएसपी महेश कुमार चौधरी ने दी. पुलिस द्वारा इस कांड का उद्भेदन करते हुए 5 अपराधियों को गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेजा जा चुका है. फरार चल रहे अन्य तीन को मंगलवार को लूटी गई बाइक और तीन मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया. डीएसपी ने बताया कि कि 23 दिसंबर को बाल विकास परियोजना कौवाकोल में लिपिक सुशील कुमार चौधरी ऑफिस के कार्य खत्म कर शाम में घर लौट रहे थे, जैसे ही कदर नहर के पास पहुंचे एक बाइक ने ओवरटेक कर उनकी बाइक को रोककर गिरा गया.

फाइनेंस कर्मी को मारी गोली, मौत

पूर्वी चंपारण । जिले के चकिया थाना क्षेत्र के भुअन छपरा देवपुर रोड में समूह का पैसा वसूली करने जा रहे फाइनेंस कर्मी को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी और लगभग पचास हजार रुपया लूट कर फरार हो गए. गोली उसके दाहिने बांह और सीने में लगी है. घटना मंगलवार सुबह लगभग ग्यारह बजे की बतायी जा रही है. मृतक मलाही थाना क्षेत्र के चटिया गांव के सिरनी मठिया टोला का योगेंद्र गिरी का 25 वर्षीय पुत्र रुपेश कुमार है. जो चैतन्या इंडिया फाइनेंस क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के कल्याणपुर ब्रांच में कार्यरत था.

मुख्यमंत्री और राज्यपाल की नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई

सियासत गरमाई, राज्यपाल से मिले नीतीश

संवाददाता।पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर से राजभवन में करीबी मंत्री विजय चौधरी के साथ मुलाकात की. राजभवन में करीब 40 मिनट तक मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच वार्तालाप हुई. इससे पहले मुख्यमंत्री और राज्यपाल की नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित राजकीय समारोह में पहुंचे थे. समारोह में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद थे. राजकीय समारोह के खत्म होने के बाद वहीं से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिना डिप्टी सीएम तेजस्वी को साथ लिए अपने करीबी मंत्री विजय चौधरी के साथ राजभवन पहुंच गए. राजभवन में करीब 40 मिनट तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके करीबी मंत्री विजय कुमार चौधरी रुके रहे. राज्यपाल से दोनों नेताओं की बंद कमरे में बातचीत हुई है. नीतीश कुमार के राजभवन पहुंचने के बाद बिहार की सियासत में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं. पाला बदलने की चर्चा तेज हो गई है. हालांकि, दोनों के बीच किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है. एक दिन पहले ही ऐसी जानकारी सामने आई थी कि नीतीश कुमार 29 जनवरी को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होंगे.

राहुल गांधी फिलहाल असम में हैं. उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी. किशनगंज के रास्ते यह यात्रा 30 जनवरी को पूर्णिया पहुंचेगी. नीतीश कुमार पूर्णिया में राहुल गांधी के साथ मंच साझा करेंगे. हालांकि, इस बात की पुष्टि जदयू की ओर से नहीं की गई है.

बिहार में होगा 'खेला'? मांझी ने कर दिया इशारा

पटना। पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने एक ऐसा पोस्ट शेयर किया है, जिससे उन्होंने बिना किसी का नाम लिए बगैर बताने की कोशिश की है कि किसी भी भाषा में कह लीजिए लेकिन मतलब एक ही होता है कि खेल होकर रहेगा. साथ ही अंतिम में लोगों की समझदारी पर अपनी बात को छोड़ दिया. मांझी ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, 'बंगला में कहते हैं, "खेला होबे" मगही में कहते हैं, "खेला होकतो" भोजपुरी में कहते हैं, "खेला होखी" बाकी तो आप खुद ही समझदार हैं.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

साक्षरता दर के मामले में राज्य का स्थान	–28 वां स्थान
बिहार की कुल साक्षरता दर	– 61.80 %
पुरुष साक्षरता दर	– 71.20 %
महिला साक्षरता दर	– 51.5 %
साक्षरता की दृष्टि से भारत के राज्यों में क्रम	– 28 वां
सर्वाधिक साक्षरता दर बल जिला	– रोहतास
न्यूनतम साक्षरता दर वाला जिला	– पूर्णिया
सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर वाला जिला	– रोहतास
सर्वाधिक महिला साक्षरता दर वाला जिला	– रोहतास
न्यूनतम पुरुष साक्षरता दर वाला जिला	– पूर्णिया
न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाला जिला	– सहरसा

6 की संख्या में पहुंचे थे बदमाश, दो राउंड की फायरिंग

अररिया शहर के एक्सिस बैंक से बदमाशों ने 90 लाख लूटे

संवाददाता।अररिया

बिहार में नेपाल सीमा से सटे अररिया शहर के एडीबी चौक के पास दिन के 12 बजे एक्सिस बैंक की शाखा से 90 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया गया. अररिया एसपी और एसडीपीओ आवास से महज कुछ दूरी पर स्थित एडीबी चौक के पास एक्सिस बैंक की शाखा में छह हथियार बंद अपराधियों ने बैंक सहित बैंक में आए ग्राहकों से लूट की घटना को अंजाम दिया. बदमाश छह की संख्या में थे और सभी हथियारों से लैस थे. घटना करीबन साढ़े ग्यारह बजे की बताई जाती है. बदमाशों ने लूटपाट के क्रम में दो राउंड फायरिंग भी की. बदमाशों ने बैंक के कर्मचारी और ग्राहकों को बैंक के चेस्ट रूम में बंद कर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया. बदमाशों द्वारा करीबन 90 लाख से अधिक की लूट की बात कही जा रही है. सूचना के बाद मौके पर एसपी अशोक सिंह, रामपुकार सिंह और निर्मल कुमार यादवेंदु मामले की जांच शुरू कर दी है.

हथियार से लैस बदमाश बैंक में घुस गए

मामले को लेकर बैंक के मैनेजर नीरज कुमार ने बताया कि बैंक खुलने के बाद 11 और 11:30 बजे के करीब में हथियार से लैस बदमाश बैंक में घुस गए और हथियार के नोक पर सभी कर्मचारियों सहित बैंक में मौजूद ग्राहकों को बैंक के चेस्ट रूम में बंद कर दिया. जिसके बाद बैंक में रखे रुपए के साथ-साथ बैंक में मौजूद पैसा जमा करने के लिए आए ग्राहकों से भी लूटपाट की. लूटपाट के क्रम में बदमाशों ने बैंक के अंदर दो राउंड गोली भी फायरिंग की. मौके पर मौजूद भगत ग्लास के स्टाफ ने बताया कि रुपये जमा करने के लिए वह बैंक आए थे और बदमाशों ने उनसे भी उनके पास मौजूद डेढ़ लाख रुपये लूट लिए.

ग्राहकों ने बताया : ग्राहक मीरा देवी,शकुंतला देवी,अनीता देवी, किरण देवी, ज्योति देवी, बबिता देवी, आदि ने बताया कि स्वयं सहायता समूह को मिले रन की राशि जमा करने के लिए वे लोग बैंक में आए थे. बदमाशों ने उनसे भी वह राशि छीन ली. सभी को बदमाशों ने कमरे में बंद कर दिया था. लूटपाट कर बदमाश मौके से फरार हो गए. बैंक लूट की सूचना के बाद एसपी अशोक कुमार सिंह, एसडीपीओ रामपुकार सिंह,नगर थानाध्यक्ष निर्मल कुमार यादवेंदु मौके पर पहुंचे और बैंक में खाली खोखा बरामद किया. मामले पर पुलिस कुछ भी कहने से फिलहाल बच रही है. एसपी ने जांच करने की बात कही.

6 विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति

- रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए सलाह मशविरा करने सीएम नीतीश राजभवन गये थे

ज्ञानवर्द्धन मिश्र।पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का मंगलवार को अचानक राजभवन पहुंचने और कोई 40 मिनट तक राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर से गुफ्तगू की खबर राजनीतिक गलियारे में खलबली मचा गया. जितने मुंह उतनी बात. लेकिन चर्चा खोदा पहाड़ निकली चुहिया साबित हुई. दरअसल, राज्य के विश्विद्यालयों में लंबे समय से कुलपतियों के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए सलाह मशविरा करने सीएम नीतीश राजभवन गये थे. राजभवन से उनके लौटने के कुछ घंटे बार कुलाधिपति सह राज्यपाल आर्लेकर ने सर्च कमेटी की अनुशंसा के आलोक में राज्य के छः विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति की.

जारी अधिसूचना के मुताबिक एलएन मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति के पद पर प्रो संजय कुमार चौधरी को नियुक्त किया गया है. जबकि केएसडी संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा का कुलपति प्रो लक्ष्मी निवास पाण्डेय को बनाया गया है.

राजभवन सूत्रों के अनुसार बीएन मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के कुलपति के पद पर प्रो बिमलेन्दु शेखर झा को नियुक्त किया गया है. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के कुलपति के पद पर प्रो दिनेश चन्द्र राय को नियुक्त किया गया है.

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के कुलपति के पद पर प्रो परमेन्द्र कुमार बाजपेयी को नियुक्त किया गया है. आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना का कुलपति प्रो शरद कुमार यादव को बनाया गया है. सूत्रों के मुताबिक नवनियुक्त कुलपतियों का कार्यकाल उनके प्रभार-ग्रहण की तिथि से तीन वर्षों का होगा. ज्ञातव्य है इनसे पूर्व कुलपतियों, प्रतिकुलपतियों और रजिस्ट्रार की नियुक्ति के लिए बोली लगने के आरोप लगे थे.

ट्रेन के शौचालय में मिला नवजात का शव

नालंदा। नालंदा में इनदिनों लावारिश हालात में नवजात शिशुओं के मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. कभी सड़क किनारे, तो कभी किसी सुनसान जगह पर, तो कभी ट्रेन के शौचालय में नवजात के शव मिल रहे हैं. ताजा मामला राजगीर स्टेशन का है. यहां स्टेशन यार्ड पर खड़ी श्रमजीवी ट्रेन की बोगी के शौचालय में एक नवजात शिशु का शव मिला है. ट्रेन में बच्चे का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है.

पटना में 5.5 डिग्री तक आया तापमान, बढ़ी ठंड

पटना। राजधानी पटना में इस साल पहली बार सोमवार को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री के नीचे पहुंच गया. मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार मंगलवार को पटना समेत कई जिलों में भीषण शीतलहर के साथ पछुआ हवा के चलने की संभावना है. साथ ही पटना समेत कई जिलों में घना कुहासा छाए रहने का पूर्वानुमान है. हालांकि मंगलवार को कहीं बारिश का अनुमान था. पटना, नालंदा, बेगूसराय, नवादा, गया, जहानाबाद, वैशाली, सारण, औरंगाबाद, कैमूर और बक्सर में शीतलहर का प्रभाव देखने को मिल सकता है.

मौसम विभाग के अनुसार पटना, गया, नालंदा समेत कई जिलों में सुबह 10 से 11 बजे तक घना कुहासा छाए रहने का पूर्वानुमान है. इसके साथ ही दिन के अधिकतम तापमान में गिरावट देखी जा सकती है. आज कई जिलों के न्यूनतम तापमान में गिरावट होने की संभावना है.

कारोबार

एक्सिस बैंक का मुनाफा चार % बढ़ा

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही का एकल शुद्ध लाभ चार प्रतिशत बढ़कर 6,071 करोड़ रुपये रहा है. बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 5,853 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था. एक्सिस बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 33,516 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में यह 26,798 करोड़ रुपये थी.

सोने, चांदी व सिक्कों पर लगा आयात शुल्क

नई दिल्ली। सरकार ने सोने, चांदी और कीमती धातुओं के सिक्कों पर मौजूदा आयात शुल्क 10 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है. नई दरें 22 जनवरी से प्रभावी हो गईं है. वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक सोने, चांदी और कीमती धातुओं के सिक्कों पर आयात शुल्क अब 15 फीसदी होगा. इसमें 10 फीसदी बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) और 5 फीसदी एआईडीसी (कृषि अवसंरचना विकास उपकर) शामिल है.

वेनेजुएला पर ऑयल एंड गैस के एक्सपोर्ट पर 2019 में प्रतिबंध लगा हुआ था

वेनेजुएला से तेल खरीदने की तैयारी में भारत

भाषा।नयी दिल्ली

पाकिस्तान जहां तेल को लेकर किल्लत झेल रहा है वहीं भारत इस मामले में जरुरत के अनुसार किसी भी देश से तेल आयात को लेकर निश्चिंत है. इस बीच भारत अब दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला से एक बार फिर से क्रूड ऑयल खरीदने की तैयारी में है. दरअसल, वेनेजुएला पर ऑयल एंड गैस के एक्सपोर्ट पर साल 2019 से ही प्रतिबंध लगा हुआ था. लेकिन बीते साल अक्टूबर में वेनेजुएला सरकार और विपक्षी दलों के बीच हुए समझौते के बाद अमेरिका ने उन प्रतिबंधों को मोटे तौर पर खत्म कर दिया था. अब जबकि प्रतिबंध खत्म हो गया है, तो भारत एक बार फिर से वहां से क्रूड ऑयल खरीदने की तैयारी कर रहा है. ऐसा फरवरी से ही हो सकता है. इसके बाद ही देश में आम चुनाव होना है. साल 2019 में वेनेजुएला से ऑयल एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगने से पहले भारत की रिफाइनरीज नियमित तौर पर वहां से कच्चे तेल का आयात करती थी. उस समय वेनुजुएला पांचवां बड़ा सप्लायर था. लेकिन जैसे ही उस पर अमेरिकी प्रतिबंध लगा, यह आयात बंद हो गया.

मिलेगा तेल

- वेनेजुएला में सरकार और विपक्ष में समझौता हो गया है
- भारत नवंबर 2020 में वेनेजुएला से तेल इंपोर्ट किया था
- वेनेजुएला के हैवी क्रूड को प्रोसेस करने में भारत सक्षम है

50,000 बैरल की आपूर्ति करने पर सहमत हुए हैं

बीते महीने ही वेनेजुएला के ऑयल मिनिस्टर राफेल रमीरेज के हवाले से खबर आई थी कि इस संबंध में उन्होंने रिलायंस के अधिकारियों के साथ बातचीत की है. वह दीर्घकालिक आपूर्ति सौदे के तहत जून से प्रतिदिन 50,000 बैरल की आपूर्ति करने पर सहमत हुए हैं. केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बीते दिसंबर में ही कहा था कि भारत उन सभी देशों से क्रूड ऑयल खरीदने को तैयार है, जिसके ऊपर प्रतिबंध नहीं लगा है. उन्होंने बताया था कि भारत की कई रिफाइनरियां वेनेजुएला से आए हैवी क्रूड को प्रोसेस करने में सक्षम हैं. भारत पहले से ही वेनेजुएला से क्रूड ऑयल खरीदता रहा है और अभी भी खरीदेंगे. अभी तक वहां से क्रूड इंपोर्ट इसलिए रोका गया था, क्योंकि वह अमेरिकी प्रतिबंध के कारण एक्सपोर्ट करने की स्थिति में नहीं था. पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन का सदस्य देश वेनेजुएला इस समय दुनिया का सबसे बड़ा ऑयल रिजर्व है. इस समय भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रूड ऑयल का कंज्यूमर हैय यहां कुल खपत का करीब 80 फीसदी तेल बाहर से आता है. साल 2019 तक वेनेजुएला भारत के लिए पांचवां सबसे बड़ा सप्लायर था. साल 2019 में भारत ने वेनेजुएला से 16 मिलियन टन क्रूड ऑयल खरीदा था.

कमोडिटी मार्केट एनालिटिक्स फर्म केप्लर के मुताबिक किसी भारतीय रिफाइनरी ने अंतिम बार नवंबर 2020 में वेनेजुएला से क्रूड ऑयल का इंपोर्ट किया था. थोड़े दिन पहले तक भारत को रूस से डिस्काउंटेड रेट पर क्रूड ऑयल मिल रहा था. यह डिस्काउंट अच्छा-खासा हुआ करता था. लेकिन अब इसे घटा कर करीब दो डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है. इससे विकल्प के रूप में वेनेजुएला को देखा जा रहा है. बताया जाता है कि इंडियन रिफाइनर्स को वहां से प्रति बैरल 8 से 10 डॉलर का डिस्काउंट मिल सकता है. यदि ऐसा हुआ तो यह भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों के लिए फायदा का सौदा होगा. साथ ही इससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल का दाम सस्ता रखने मेंसहायक होगा. बीते दिसंबर के शुरुआत में ही खबर आई थी कि मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज वेनेजुएला से लाखों टन कच्चा तेल खरीदेगी.

मैक्सपोश्योर को 339 प्रतिशत का मुनाफा

एजेंसी।नई दिल्ली

एसएमई सेगमेंट की कंपनी मैक्सपोश्योर के शेयरों की लिस्टिंग से मंगलवार को निवेशकों ने तगड़ा मुनाफा कमाया. कंपनी के शेयर आज 339.39 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 145 रुपये पर लिस्ट हुए. इस जोरदार लिस्टिंग के कारण एसएमई सेगमेंट के इस शेयर ने कई बड़ी कंपनियां को प्रीमियम लिस्टिंग के मामले में पछाड़ दिया है. मैक्सपोश्योर का आईपीओ 15 जनवरी को खुला था और 17 जनवरी को बंद हुआ था. इस दौरान ये इश्यू 987.47 गुना सब्सक्राइब हुआ था. सब्सक्रिप्शन के मामले में भी 2024 में ये आईपीओ सबसे अधिक सब्सक्राइब होने वाला इश्यू बन गया. 33 रुपये इश्यू प्राइस वाले इस आईपीओ के जरिए कंपनी की तैयारी 20.26 करोड़ रुपये जुटाने की थी. मैक्सपोश्योर शेयर की मंगलवार को एनएसई एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्टिंग हुई. लिस्टिंग के साथ ही इस शेयर ने अपने निवेशकों को करीब साढे तीन गुना का रिटर्न दे दिया.

एलएंडटी को भारत और विदेशों में मिले बड़े ठेके

एजेंसी।नयी दिल्ली

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की इकाई हेवी इंजीनियरिंग को घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई बड़े ठेके मिले हैं. एलएंडटी ने हालांकि ठेके की राशि की जानकारी नहीं थी लेकिन वह किसी ठेके का मूल्य 1000 से 2500 करोड़ रुपये के बीच होने पर ही उसे 'बड़ा' बताती है. कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में बताया, एलएंडटी हेवी इंजीनियरिंग (एचई) के मॉडिफिकेशन, रिवैम्प और अपग्रेड (एमआरयू) व्यवसाय खंड को एक प्रमुख तेल तथा गैस ग्राहक से उनके महत्वपूर्ण डीबॉटलनेकिंग प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ा ठेका मिला है. पिछले कुछ वर्षों से एमआरयू व्यवसाय ने पश्चिम एशिया के अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया है और यह ठेका पश्चिम एशिया में एमआरयू व्यवसाय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है.

बाजार में हाहाकार

स्मॉल कैप शेयरों की मंगलवार को सेशन में जमकर पिटाई हुई

शेयर बाजार अमंगल, सेंसेक्स 1053 अंक गिरकर बंद

एजेंसी।मुंबई

भारतीय शेयर बाजार के लिए मंगलवार का दिन अमंगल साबित हुआ है. बैंकिंग, मिडकैप और सरकारी कंपनियों के स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते बड़ी गिरावट के साथ बाजार बंद हुआ है. स्मॉल कैप शेयरों की मंगलवार को सेशन में जमकर पिटाई हुई है. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 1053 अंकों की गिरावट के साथ 70,370 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 333 अंक गिरकर 21,238 अंकों पर बंद हुआ है. बाजार के मार्केट कैप में 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है. ट्रेड में बैंकिंग स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. बैंक निफ्टी 2.26 फीसदी या 1043 अंक गिरकर बंद हुआ है. इसके अलावा ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स में जोरदार गिरावट रही.

केवल हेल्थकेयर और फार्मा सेक्टर के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. मिड कैप और स्मॉल कैप शेयर भी बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 5 स्टॉक्स हरे निशान में बंद हुए जबकि 25 लाल निशान में क्लोज हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 10 तेजी के साथ और 40 गिरावट के साथ बंद हुए. डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर हुआ है. एक डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे कमजोर होकर 83.15 रुपये पर बंद हुआ है.

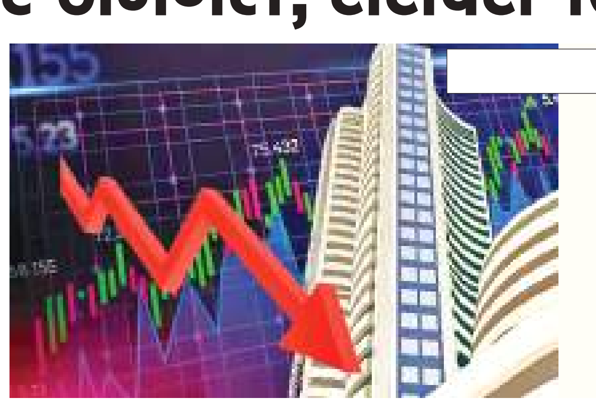

8 लाख करोड़ घटा मार्केट कैप

शेयर बाजार में भारी गिरावट के चलते निवेशकों को जबरदस्त नुकसान का सामना करना पड़ा है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन 366.04 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले सत्र में 374.38 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि मंगलवार को सत्र में निवेशकों को 8.34 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. मंगलवार के ट्रेड में सन फार्मा 4.05 फीसदी, भारती एयरटेल 3.37 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 2.10 फीसदी, पावर ग्रिड 0.27 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.13 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि इंडसइंड बैंक 5.87 फीसदी, एसबीआई 4.19 फीसदी, एचयूएल 3.81 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.45 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

फोटो सेशन

चेन्नईः मंगलवार को रोल्स-रॉयस स्पेक्टर अपने लॉन्च इवेंट के दौरान चेन्नई में फोटो सेशन करवाते

गणतंत्र दिवस का फुल ड्रेस रिहर्सल

मंगलवार को गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी को लेकर फुल एंड फाइनल ड्रेस रिहर्सल किया गया. इसमें विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां भी निकलीं. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में फ्रांस के राष्ट्रपति मौजूद रहेंगे. इस बार महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर रहेगा. फोटो : पीटीआई

ब्रीफ खबरें

युन्नान में भूस्खलन में 20 लोगों की मौत

बीजिंग/कुनमिंग। दक्षिण पश्चिम चीन के पर्वतीय युन्नान प्रांत में भूस्खलन में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है और 24 लोग अभी भी लापता है. यह हादसा सोमवार को सुबह करीब छह बजे झाओतोंग शहर के लियांगशुई गांव में हुआ. सरकारी सीजीटीएन समाचार चैनल ने बताया कि इस हादसे के बाद कम से कम 20 लोग मृत पाए गए हैं जबकि 24 अन्य लापता हैं.

हिमाचल के युवाओं को संबोधित करेंगे पीएम

शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल प्रदेश के युवाओं को 25 जनवरी को संबोधित करेंगे, जिसके सजीव प्रसारण की व्यवस्था की गई है. हिमाचल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल ने मंगलवार को यह जानकारी दी. बिंदल ने कहा कि 25 जनवरी का दिन हिमाचल प्रदेश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जिसे राज्य दिवस के रूप में मनाया जाता है. उन्होंने कहा कि इस दिन को भारत में 'संविधान दिवस' के रूप में भी मनाया जाता है.

शोभायात्रा के दौरान हुए विवाद के बाद निषेधाज्ञा

कलबुर्गी (कर्नाटक)। कर्नाटक में कलबुर्गी जिले के वाडी शहर में भगवान राम की शोभा यात्रा के दौरान विवाद के बाद धारा 144 लागू कर दी गयी. पुलिस ने बताया कि 25 जनवरी को सुबह छह बजे तक दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा आदेश लागू रहेगी. यह आदेश कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एहतियाती उपाय के रूप में जारी किया गया है.

तड़के तीन बजे से ही लग गयी थी राम भक्तों की लंबी कतार

अयोध्या में भक्तों का सैलाब

एजेंसी। अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला विराजमान हो गये. मंदिर मंगलवार सुबह साढ़े छह बजे से आम लोगों के लिए खोल दिया गया. रामलला के दर्शन के लिए राम मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है. हजारों की संख्या में रामभक्त रामलला के दर्शन पूजन के लिए मंदिर परिसर में तड़के तीन बजे से ही जुटने लगे थे. श्रद्धालु लंबी कतार में खड़े होकर रामलाल के दर्शन करने का इंतजार कर रहे थे. मंदिर परिसर जय श्रीराम, सियावर रामचंद्र की जय के नारे से गुंजायमान हो गया. उमड़ती भीड़ को देखते हुए श्री राम जन्मभूमि मंदिर के बाहर सुरक्षा कर्मियों की तैनात की गयी है. शाम तक चार लाख से ज्यादा भक्त दर्शन कर चुके थे. लगभग इतने ही बाहर इंतजार कर रहे थे.

रामलला की पांच बार होगी आरती: श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला के दर्शन व पूजन के लिए एक विधान बनाया है. इस विधान के मुताबिक, पहले की तरह ही रामलला की पांच बार आरती होगी. ब्रह्म मुहूर्त में करीब 3 बजे से गर्भगृह की स्वच्छता करने, पूजन और श्रृंगार की तैयारी की जायेगी.

इजराइल में मना प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न

तेल अवीव। इजराइल में रह रहे सैकड़ों भारतीयों ने अयोध्या में नवनिर्मित राममंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव विशेष पूजा अर्चना आयोजित कर मनाया. शनिवार को तेल अवीव के बीट दानी हॉल में इजराइल में स्थित तेलंगाना एसोसिएशन ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम में भजन और कीर्तन हुआ. इस अवसर पर करीब 300 लोगों को भारतीय व्यंजन परोसे गये.

श्रीलंका में मनाया गया 'राम लला' की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव

कोलंबो। हिंदू बहुल उत्तरी श्रीलंका में भी कई मंदिरों में अयोध्या में आयोजित 'राम लला' की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया गया. भारत में आयोजित आधिकारिक समारोह के साथ-साथ उत्तरी श्रीलंका में भी कई अनुष्ठान किये गये. प्रतिष्ठित नल्लूर कोविल मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में सोमवार को अनुष्ठान किए गए. इस कार्यक्रम में भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारी भी शामिल हुए. उत्तरी प्रांत के जाफना जिले में स्थित नल्लूर कंडास्वामी कोविल या नल्लूर मुरुगन कोविल सबसे महत्वपूर्ण हिंदू मंदिरों में से एक है. मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी, जहां भक्तों ने सुबह के समय मूर्तियों की साफ-सफाई की. बाद में मंदिरों में प्रार्थनाएं की गई और राम भजन गाए गये.

पीएम ने बोस व ठाकरे को श्रद्धांजलि दी

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पराक्रम दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की. मोदी ने 'एक्स' पर लिखा कि पराक्रम दिवस पर भारत के लोगों को बधाई. आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर हम उनके जीवन और साहस का सम्मान करते हैं. हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए उनका अटूट समर्पण आज भी प्रेरित करता है. बता दें कि सरकार ने साल 2021 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन (23 जनवरी) को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी.

जयंती विशेष

अपने नेतृत्व व आदर्शों के प्रति अडिग समर्पण के कारण आज भी लोगों के दिलों में राज करते ठाकरे : पीएम मोदी ने शिवसेना के संस्थापक बाला साहब ठाकरे को भी उनकी जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित की. मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बाला साहब ठाकरे जी को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं. वह एक विशाल शख्सियत थे. जिनका महाराष्ट्र के राजनीतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य पर प्रभाव अद्वितीय है. कहा कि अपने नेतृत्व, अपने आदर्शों के प्रति अडिग समर्पण और गरीबों व दलितों के लिए बोलने की प्रतिबद्धता के कारण अनगिनत लोगों के दिलों में वह राज करते हैं. बता दें कि बाला साहब ठाकरे का जन्म 23 जनवरी 1926 को हुआ था. उन्होंने 1966 में शिवसेना की स्थापना की थी. बाला साहब की मृत्यु के बाद उनके पुत्र उद्धव ठाकरे पार्टी की कमान संभाल रहे हैं. वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके हैं.

यह शर्मनाक है... हम आज तक नहीं जानते कि नेताजी के साथ क्या हुआ था : ममता बनर्जी : **कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि यह देश के लिए शर्म की बात है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के लापता होने के इतने वर्षों बाद भी लोग यह नहीं जानते कि उनके साथ क्या हुआ था. और न ही उन्हें उनकी मौत की तारीख पता है. उन्होंने नेताजी के लापता होने की जांच कराने का वादा न निभाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा. केंद्र द्वारा राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सोमवार को केंद्र सरकार के कार्यालयों में आधे दिन के अवकाश की घोषणा करने के स्पष्ट संदर्भ में ममता ने कहा कि आज कल राजनीतिक विज्ञापनों के लिए छुट्टियों की घोषणा की जाती है लेकिन उन लोगों के लिए कोई घोषणा नहीं की गयी जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ते हुए अपनी जान न्यौछावर कर दी थी.

म्यांमा का विमान मिजोरम में क्रैश

एजेंसी। आइजोल

म्यांमा का एक सैन्य विमान मंगलवार को आइजोल के बाहरी इलाके में स्थित लेंगपुई हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. अधिकारियों ने बताया कि यह विमान म्यांमा के उन सैनिकों को वापस लेने के लिए यहां आया था, जो जातीय विद्रोही समूह 'अराकान आर्मी' के साथ मुठभेड़ के बाद सीमा पार कर पिछले सप्ताह भारत आ गए थे. अधिकारियों के मुताबिक, दुर्घटना के वक्त विमान में छह लोग सवार थे और उनमें से तीन गंभीर रूप से घायल हुए हैं. अधिकारियों ने बताया कि विमान उतरते समय हवाईअड्डे के टेबलटॉप रनवे से आगे निकल गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया. दुर्घटना इतनी भीषण थी कि विमान दो हिस्सों में टूट गया. अधिकारियों के मुताबिक, पिछले हफ्ते म्यांमा के कुल 276 सैनिक मिजोरम में घुस आए थे, जिनमें से 184 को सोमवार को वापस भेज दिया गया.

चीता ज्वाला ने कूनो पार्क में तीन शावकों को जन्म दिया

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश के श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से एक अच्छी खबर आयी है. यहां नामीबिया से लायी गयी मादा चीता ज्वाला ने एक साथ तीन बच्चों (शावकों) को जन्म दिया है. इस संबंध में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने ट्वीट कर जानकारी शेयर की है. मंत्री ने ट्वीट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है. जिसमें तीनों बच्चे अपने मां के साथ नजर आ रहे हैं. पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने ट्वीट कर कहा कि कूनो के नये शावक! नामीबियाई चीता ज्वाला ने तीन शावकों को जन्म दिया है. इससे कुछ हफ्तों पहले नामीबियाई चीता आशा ने तीन शावकों को जन्म दिया था.

आशा व सियासा ने भी शावकों को दिया था जन्म : नामीबिया से आयी चीता ज्वाला ने एक साथ तीन शावकों को जन्म दिया है. इसके कुछ दिन पहले आशा ने तीन शावकों को जन्म दिया था. इससे पहले सियाया नामक एक चीता ने पिछले साल मार्च में चार शावकों को जन्म दिया था. हालांकि उनमें से केवल एक शावक जीवित बचा.

भारत में कोविड के 236 नये मामले सामने आये

नयी दिल्ली। भारत में कोविड-19 के 236 नये मामले सामने आये हैं, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 2,031 है. स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से अद्यतन किये गए आंकड़ों के अनुसार, 24 घंटे की अवधि में तीन मरीजों की मौत हो गई, मृतकों में से एक कर्नाटक से और दो पश्चिम बंगाल से थे.

कॅरियर-काउंसिलिंग

साउंड इंजीनियरिंग कर युवा बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर । रजनीश प्रसाद

साउंड इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग की एक ऐसी शाखा है, जिसके अंदर साउंड को समझने, सुधारने तथा एक नयी किस्म की साउंड तैयार करना सिखाया जाता है. इसमें आपको साउंड की कला (उतारचढ़ाव) को समझने की आवश्यकता होती है. इसमें म्यूजिक, मूवीज, थिएटर, रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, रिप्रोडक्शन से संबंधित चीजें सिखायी और पढ़ाई जाती है. साउंड इंजीनियर का काम म्यूजिक, स्पीच और स्टूडियो की साउंड क्वालिटी को बेहतर बनाना होता है. इसके लिए फिल्मों, रेडियो, और टेलीविजन में कई तरह के टेक्निकल इंस्ट्रूमेंट्स का प्रयोग किया जाता है. यह एक कला है, जो किसी भी प्रकार के साउंड को समझने, उन्हें रिकॉर्ड और प्रोड्यूस करने के लिए विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग किया जाता है, जिसे हम ऑडियो मिक्सिंग के नाम से भी जानते हैं. साउंड इंजीनियरिंग में छात्रों को बेसिक से लेकर पोस्ट प्रोडक्शन तक की पूरी कला सिखाई जाती है.

क्यों करें साउंड इंजीनियरिंग

साइंड इंजीनियरिंग काम करने के लिए एक बहुत ही संतोषजनक और पुरस्कृत क्षेत्र है. इस क्षेत्र में आपको कुछ ऐसा करने को मिलता है, जिसे आप पसंद करते हैं. यदि आप फिल्मों के लिए ध्वनि डिजाइनिंग करते हैं, तो आप अपने काम के लिए ऑस्कर भी जीत सकते हैं.

- रेडियो स्टेशन, टीवी चैनल, स्टूडियो, मल्टीमीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में साउंड इंजीनियर और तकनीशियन के लिए कॅरियर के अवसर उपलब्ध हैं.
- यदि आप टेक्नोलॉजी के साथ काम करना और क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स पर काम करना पसंद करते हैं तो साउंड इंजीनियर आपके लिए एक अच्छा कॅरियर विकल्प हो सकता है.

डिप्लोमा कोर्सेज

- डिप्लोमा इन ऑडियो इंजीनियरिंग
- डिप्लोमा इन रिकॉर्डिंग आर्ट्स

सर्टिफिकेट कोर्सेज

- सर्टिफिकेट इन ऑडियो एंड रिकॉर्डिंग इंजीनियरिंग
- सर्टिफिकेट इन ऑडियो प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी
- सर्टिफिकेट इन ऑडियो टेक्नोलॉजी

साउंड इंजीनियर के प्रकार

- मॉनिटर ऑडियो इंजीनियर
- सिस्टम इंजीनियर
- वायरलेस माइक्रोफोन इंजीनियर
- गेम ऑडियो डिजाइनर इंजीनियर
- रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑडियो इंजीनियर
- स्टूडियो रिकॉर्डिंग इंजीनियर

बैचलर कोर्सेज

- .बेचलर डिग्री इन ऑडियो इंजीनियरिंग
- बीटेक इन साउंड इंजीनियरिंग
- बेचलर डिग्री इन ऑडियो टेक्नोलॉजी
- बीएससी (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड प्रोडक्शन विथ फाउंडेशन इयर
- (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड म्यूजिक प्रोडक्शन
- बीएससी (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड प्रोडक्शन विथ फाउंडेशन इयर
- बीएससी (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड प्रोडक्शन विथ प्रोफेशनल एक्सपीरियंस
- बेचलर ऑफ साइंस इन साउंड इंजीनियरिंग
- फाउंडेशन कोर्स इन साउंड इंजीनियरिंग एंड ऑडियो प्रोडक्शन
- साउंड एंड लाइव प्रोडक्शन
- बीएससी (ऑनर्स) म्यूजिक एंड साउंड डिजाइनिंग बीए (ऑनर्स)/बीएससी (ऑनर्स)
- बेचलर ऑफ साइंस इन म्यूजिकल ऑडियो इंजीनियरिंग

मास्टर कोर्सेज

- एमटेक इन साउंड इंजीनियरिंग
- मास्टर डिग्री इन ऑडियो टेक्नोलॉजी
- डिजिटल म्यूजिक एंड साउंड आर्ट्स एमए
- मास्टर ऑफ फिलोसोफी इन साउंड एंड वाइब्रेशन
- एमएससी साउंड डिजाइनिंग
- साउंड डिजाइनिंग एंड ऑडियो विजुअल प्रैक्टिस एमएससी
- एमए इन एक्सपेरिमेंटल साउंड प्रेक्टिस
- मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी) इन साउंड एंड वाइब्रेशन

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)